जेष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 115, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | शनिवार 21 मई 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

ज्ञानवापी पर सुप्रीम कोर्ट का आदेशः सील रहेगा 'शिवलिंग' वाला एरिया, वाराणसी जिला जज 8 हफ्ते में सुनवाई पूरी करें, नमाज जारी रहेगी

ज्ञानवापी केस जिला जज को ट्रांसफर

हमारा उद्देश्य शांति बनाए रखना: सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एक बार आयोग की रिपोर्ट आ जाने के बाद जानकारी लीक नहीं हो सकती। प्रेस को बात लीक न करें, केवल जज ही रिपोर्ट खोलते हैं। अदालत ने कहा कि ये जटिल सामाजिक समस्याएं हैं और इंसान के तौर पर कोई भी समाधान सटीक नहीं हो सकता। हमारा आदेश कुछ हद तक शांति बनाए रखना है और हमारे अंतरिम आदेशों का उद्देश्य थोड़ी राहत देना है। हम देश में एकता की भावना को बनाए रखने के संयुक्त मिशन पर हैं।

हिंदू पक्ष के वकील आदेश से खुश

हिंदू पक्ष के वकील विष्णु जैन ने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने मामला वाराणसी जिला अदालत को ट्रांसफर कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि उसका 17 मई का शिवलिंग क्षेत्र की सुरक्षा का आदेश जारी रहेगा। वुजू के इंतजाम करने को कहा गया है। हम इस आदेश से खुश हैं।

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने ज्ञानवापी मामला वाराणसी की जिला अदालत को ट्रांसफर कर दिया है। सर्वोच्च अदालत ने शुक्रवार को आदेश दिया कि कोई अनुभवी और वरिष्ठ जज इस मामले की सुनवाई करेंगे। वाराणसी जिला अदालत के आदेश के खिलाफ अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद कमेटी की याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला सुनाया। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि शिवलिंग की सुरक्षा और नमाज की इजाजत देने का उसका 17 मई का अंतरिम आदेश बरकरार रहेगा। मस्जिद कमेटी की याचिका पर जिला अदालत में प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई होगी। इसके साथ ही अदालत ने मामले की अगली सुनवाई गर्मी की छुट्टियों के बाद जुलाई के दूसरे हफ्ते में करने का फैसला किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने जिला अदालत को ट्रांसफर किया मामलाः सुनवाई के बाद सर्वोच्च अदालत ने ज्ञानवापी मस्जिद मामले को जिला न्यायाधीश वाराणसी को स्थानांतरित करने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा के वरिष्ठ और अनुभवी न्यायिक अधिकारी मामले की सुनवाई करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि थोड़ा अधिक अनुभवी और परिपक्व व्यक्ति को इस मामले की सुनवाई करनी चाहिए। हम ट्रायल जज पर आक्षेप नहीं कर रहे हैं, लेकिन अधिक अनुभवी हाथ को इस मामले से निपटना चाहिए और इससे सभी पक्षों को फायदा होगा।

सर्वोच्च अदालत ने कहा कि मस्जिद के अंदर पूजा के मुकदमे की सुनवाई जिला न्यायाधीश द्वारा की जाए। जिला न्यायाधीश मस्जिद समिति की याचिका पर फैसला करेंगे कि हिंदू पक्ष द्वारा मुकदमा चलने योग्य है या नहीं। तब तक अंतरिम आदेश- 'शिवलिंग क्षेत्र की सुरक्षा, नमाज के लिए मुसलमानों को प्रवेश' जारी रहेगा। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 1991 के पूजा स्थल अधिनियम की धारा 3 के तहत धार्मिक

मस्जिद कमेटी के वकील की दलील

सुनवाई के दौरान मस्जिद कमेटी के वरिष्ठ अधिवक्ता हुजेफा अहमदी ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि ट्रायल कोर्ट द्वारा शुरू से ही पारित सभी आदेश बड़ी सार्वजनिक गड़बड़ी पैदा करने में सक्षम हैं। अहमदी ने कहा कि कमेटी की चुनौती ट्रायल कोर्ट द्वारा आयोग नियुक्त करने की है। यह 1991 के पूजा अधिनियम के खिलाफ और संविधान के विरुद्ध है। अधिनियम कहता है कि इस तरह के विवादों से बड़ी सार्वजनिक गड़बड़ियां होंगी। आयोग की रिपोर्ट चुन-चुन कर लीक की जा रही है। हुजेफा अहमदी का यह भी कहना है कि निचली अदालत के समक्ष वादी उस स्थान को सील कराने में सफल हुए, जिसका उपयोग अगले 500 वर्षों से किया जा रहा था। अहमदी ने दलील दी कि जब तक समिति की याचिका पर अदालत द्वारा फैसला नहीं किया जाता तब तक जमीन पर क्या होगा? आपको देखना होगा कि देश भर में चार या पांच मस्जिदों के लिए इस मामले का कैसे इस्तेमाल किया जा रहा है। यह सार्वजनिक गड़बड़ी पैदा करेगा जिससे बचने के लिए 1991 का पूजा अधिनियम बनाया गया था। अहमदी ने कहा, हमारे अनुसार जो अंदर पाया गया वह शिवलिंग नहीं है, यह एक फव्वारा है, वजू खाना को सील कर दिया गया है और भारी पुलिस उपस्थिति के साथ लोहे के गेट लगाए गए हैं।

लालू परिवार के दिल्ली समेत 16 ठिकानों पर छापा, नौकरी के बदले जमीन लेने पर लालू-राबड़ी और दो बेटियों पर एफआईआर, सीबीआई की रेड पर पटना में हंगामा

लालू परिवार पर 'सीबीआई संकट'

पटनाः बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के 16 ठिकानों पर शुक्रवार को सीबीआई ने छापेमारी की है। लालू यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और बेटी मीसा भारती के पटना, गोपालगंज और दिल्ली स्थित ठिकानों पर जांच हुई। पटना में राबड़ी देवी के आवास पर राजद कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। सीबीआई के खिलाफ नारेबाजी हुई। रेलवे भर्ती बोर्ड के ग्रुप डी में हुई गड़बड़ी के मामले में ये कार्रवाई हुई है। आरोप है कि रेलवे में नौकरी देने के बदले एक लाख स्क्वॉयर फीट से ज्यादा की जमीन उपहार में ली गई है। रेलवे में नौकरी पाने वाले लोगों के घरों में भी सीबीआई ने छापा मारा है। सीबीआई ने शुक्रवार को ही लालू प्रसाद यादव, राबड़ी

देवी, बेटी मीसा भारती और हेमा यादव समेत 15 लोगों पर केस दर्ज किया। पटना में राबड़ी देवी और बड़े बेटे तेजप्रताप यादव से सीबीआई अलग-अलग कमरों में पूछताछ की। पूछताछ के लिए 3-3 अफसरों की दो टीमें बनाई गई है। वहीं दिल्ली में मीसा भारती के आवास पर लालू यादव से सीबीआई के एसपी और डीएसपी स्तर के अफसर पूछताछ

लालू ने डॉक्टर बुलाने की मांग की

छापे के दौरान लालू प्रसाद यादव ने सीबीआई के अफसरों से डॉक्टर बुलाने की मांग की। उन्होंने ने कहा कि मेरी तबीयत ठीक नहीं है आप पहले डॉक्टर को बुला लीजिए। इसके साथ ही 2 वकीलों को भी बुलाया गया था। पटना में राबड़ी देवी से पूछताछ के लिए महिला आईपीएस अफसर भी पहुंची।

सुशील मोदी ने कहा- भ्रष्टाचार का नया तरीका

बिहार से भाजपा के सांसद और पूर्व डिप्टी उट सुशील मोदी ने कार्रवाई को लेकर कहा कि लालू के रेल मंत्री रहते भ्रष्टाचार का एक नया तरीका अपनाया गया था। लोगों को रेलवे के डी ग्रुप की नौकरी दी गई और बदले में उनसे पैसे की जगह जमीन ली गई। इधर, पटना में सीबीआई की कार्रवाई के विरोध में राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया।

'गुरू' गए जेलः सिद्धू ने कोर्ट में किया सरेंडर

पटियाला जेल में बंद किए गए, रोड रेज केस में काटेंगे एक साल की कैद

चंडीगढ़ः रोड रेज केस में पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू ने पटियाला कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। वह साथ में कपड़ों से भरा बैग लेकर आए। कोर्ट में सिद्धू के सरेंडर करने की कागजी कार्रवाई पूरी की गई। सिद्धू का माता कौशल्या अस्पताल में मेडिकल करवाया गया। यहां सिद्धू ने गेहूं से एलर्जी की बात कही है। वहीं उनके पैर में एक बैल्ट भी बंधी है, जिसको लेकर भी उनके मेडिकल रिकॉर्ड की जांच की गई। पुलिस उन्हें अब पटियाला सेंट्रल जेल लेकर पहुंच गई। यह वही जेल है, जहां सिद्धू के कट्टर

विरोधी बिक्रम मजीठिया ड्रग्स केस में बंद हैं। हालांकि सिद्धू कैदी हैं और मजीठिया अभी हवालाती हैं। सिद्धू को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली। सरेंडर के दौरान सिद्धू ने किसी से कोई बात नहीं की। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को क्यूरेटिव पिटीशन तत्काल सुनने से इनकार कर दिया। सिद्धू के वकीलों को उम्मीद थी।

चीन से सावधान रहने की है जरूरत : राहुल गांधी

जयपुर/नई दिल्लीः कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि देश को चीन से सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि चीन ने हाल ही में पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील पर एक और पुल बना लिया है। इससे पहले भी वहां चीन पुल बना चुका है। इस मुद्दे को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को गंभीरता से लेनी चाहिए। राहुल ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा कि चीन इससे पहले भी पैंगोंग पर एक पुल बना चुका है। यह गंभीर मुद्दा है लेकिन केन्द्र सरकार गंभीरता नहीं दिखा रही है। उन्होंने कहा कि सिर्फ यह कह देना पर्याप्त नहीं है कि भारत

सरकार स्थिति की निगरानी कर रहा है। राहुल ने कहा कि भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता पर किसी तरह का समझौता नहीं किया जाना चाहिए। ऐसे में पीएम मोदी को राष्ट्र की सुरक्षा और अखंडता के लिए जरूरी कदम उठाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील के पास चीन के।

पीके के निशाने पर कांग्रेसः गुजरात-हिमाचल चुनाव हारेंगे

पार्टी ने चिंतन शिविर में गांधी परिवार के वजूद को बचाया

नई दिल्लीः प्रशांत किशोर ने कांग्रेस के चिंतन शिविर को असफल करार दिया है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उदयपुर चिंतन शिविर से पार्टी को कुछ भी हासिल नहीं हुआ है। इस शिविर से कांग्रेस नेतृत्व यानी गांधी परिवार को वजूद बचाने का और वक्त मिल गया है। साथ ही प्रशांत किशोर ने गुजरात और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की हार की भी भविष्यवाणी की है। पीके ने ट्वीट करके कहा- मुझे बार-बार उदयपुर चिंतन शिविर पर टिप्पणी करने के लिए कहा गया है, लेकिन मेरे हिसाब से उदयपुर चिंतन शिविर कोई भी सार्थक उद्देश्य पूरा करने में फेल रहा है। इस शिविर से सिर्फ कांग्रेस लीडरशिप को थोड़ा और समय मिल गया है, कम से कम गुजरात और हिमाचल प्रदेश के

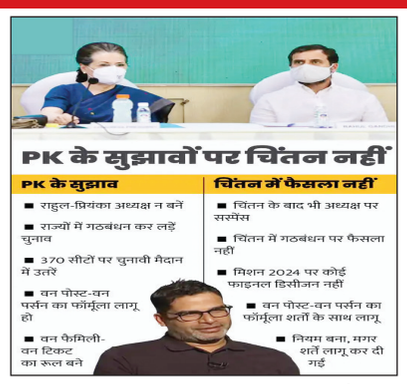

चुनावों तक के लिए। बता दे, पीके ने अप्रैल में कांग्रेस में जान फूंकने के लिए एक 600 पन्नों का प्रेजेंटेशन दिया था।

पीके ने अपने फॉर्मूले में क्या बताया थाः प्रेसिडेंट और वर्किंग कमेटी समेत हर पोस्ट के लिए कार्यकाल तय हो। 15 हजार जमीनी नेताओं के साथ 1 करोड़ कार्यकर्ता मुस्तैदी से काम करें।

देश के अलग अलग हिस्सों में करीब 200 प्रभावी लोगों, एक्टिविस्ट्स और सिविल सोसायटी के लोगों का ग्रुप बनाया जाए। कम्युनिकेशन डिपार्टमेंट कमजोर है। इसे मजबूत करने की जरूरत है। जिला स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक नए सिरे से कांग्रेस कम्युनिकेशन डिपार्टमेंट का पुनर्गठन हो।

सोनिया कांग्रेस प्रेसिडेंट बनें। एक वर्किंग प्रेसिडेंट या वाइस प्रेसिडेंट गांधी परिवार से बाहर का होना चाहिए।

दिल्ली सरकार ने बढ़ाया मजदूरों का न्यूनतम वेतन

नई दिल्लीः दिल्ली सरकार ने मजदूरों का न्यूनतम वेतन बढ़ाया है। न्यूनतम वेतन की नई दरें एक अप्रैल से लागू की गई हैं। उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार को बताया कि दिल्ली में मजदूरों को मिलने वाला न्यूनतम वेतन देश के अन्य राज्यों की तुलना में सबसे अधिक है। महंगाई की मार झेल रहे श्रमिक वर्ग को न्यूनतम मजदूरी बढ़ने से राहत मिलेगी। इस बढ़ोतरी के बाद अकुशल श्रमिकों का मासिक वेतन 16064 से बढ़कर हुए 16506, अर्ध-कुशल श्रमिकों का मासिक वेतन 17,693 से बढ़कर 18,187 हुआ है। केजरीवाल सरकार दिल्ली के श्रमिकों को राहत देने के लिए हर छह महीने में महंगाई भत्ते को बढ़ाती है। वहीं उपमुख्यमंत्री ने अकुशल, अर्ध कुशल और अन्य श्रमिकों का महंगाई भत्ता बढ़ाने का आज आदेश जारी किया है। साथ ही सभी श्रमिकों और कर्मचारियों को बढ़ी हुई दर के साथ भुगतान सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया है।

दिल्ली में बरसे मेघा, असम में बाढ़ से हालात खराब, एमपी में पारा 44 के पार

देश में कहीं गर्मी, कहीं बाढ़: कहीं पूरा पुल बह गया तो कहीं ट्रेन पलट गई

नई दिल्लीः भारत के कई हिस्सों में भयानक गर्मी पड़ रही है तो कई राज्यों में भारी बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। इसी बीच दिल्ली में शुक्रवार को झमाझम बारिश हुई। इससे मौसम सुहाना हो गया और लोगों को गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार, 22, 23, 24 मई को भी बारिश हो सकती है। इसे लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है।

असम में बाढ़ से बिगड़े हालातः असम में भारी बारिश और बाढ़ से लाखों लोग प्रभावित हैं। राज्य में बाढ़ से प्रभावितों की संख्या बढ़कर 7 लाख से ज्यादा हो गई है। 27 जिले अब तक बाढ़ से प्रभावित हो चुके हैं। लोग बेघर हो गए हैं, जिसके चलते 48,000 से अधिक लोगों को

248 राहत शिविरों में भेजा गया है। सेना की ओर से लगातार बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

1413 गांव बुरी तरह से प्रभावितः असम में बाढ़ और बारिश से हालात बेकाबू हैं। राज्य आपदा प्रबंधन के अनुसार, बाढ़ की वजह से राज्य के 1,413 गांव बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं।

80 हजार से ज्यादा लोगों ने राहत केंद्रों में ली शरणः बाढ़ की समस्या को देखते हुए कई जिलों में शैक्षणिक संस्थानों और गैर जरूरी संस्थानों को 48 घंटे के लिए बंद कर दिया गया है। प्राकृतिक आपदा से बचने के लिए 14 जिलों में 359 राहत शिवर और वितरण केंद्र बनाए गए हैं। इन राहत शिवरों में 80,298 लोगों ने शरण ली हुई है, जिसमें 12,855 बच्चे शामिल हैं।

केरल में रेड अलर्टः केरल में भारी बारिश होने को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने अगले 2 दिनों के लिए केरल, तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में भारी बारिश की संभावना जताई है।

दिल्ली में बना पहला गौरैया ग्रामः गोपाल राय

नई दिल्लीः दिल्ली के पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली में गौरैया ग्राम विकसित किया गया है। राय ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि राजधानी के गढ़ी मांडू सिटी फॉरेस्ट में दिल्ली का पहला गौरैया ग्राम विकसित किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य पक्षी 'गौरैया' को संरक्षित करने के उद्देश्य गढ़ी मांडू में 'गौरैया ग्राम' बनाया गया है। गौरैया ग्राम में कीट घर और तितलियों के लिए नेचुरल हैबिटैट को भी विकसित किया गया है। राय ने आज वन एवं वन्यजीव विभाग के अधिकारियों के साथ इस गौरैया

ग्राम का दौरा किया। यहां पर मंत्री की उपस्थिति में नुक्कड़ नाटक की मदद से मौजूद लोगों को गौरैया पक्षी के बारे में भी अवगत कराया गया। उल्लेखनीय है कि इस गौरैया ग्राम में तितलियों के भी नेचुरल हैबिटैट का विकास किया गया है साथ ही सामान्य जनता के लिए हर्बल गार्डन की सुविधा भी उपलब्ध कराइ गई हैं।

खबर संक्षेप

कमीशन खोरी के बदौलत गावों का विकास कम

प्रयागराज। प्रदेश के सी एम योगी जी चाहे जितना भ्रष्टचार पर रोक लगाने का प्रयास करें लेकिन कमीशन खोरी रुक नहीं रही है।जिसके कारण ग्राम पंचायतों का विकास कम हो रहा है। जनपद प्रयागराज के विकास खण्ड में खण्ड विकास अधिकारी से लेकर सचिव,ग्राम विकास अधिकारी तक ग्राम प्रधान से कमीशन लेते हैं।सबका कमीशन निश्चित है।मनरेगा की फाईल स्वीक्रति कराने के लिए मनरेगा सेल में कमीशन लिया जाता है।राज्य वित्त की फाईल स्वीक्रति कराने के लिए ए डी ओ पंचायत कमीशन लेते हैं।इस तरह कुल40 परसेन्ट कमीशन खोरी में जाता है।यानी100 रुपये में केवल60 रुपये में ग्राम प्रधान काम कराता है।इसके बाद भी वह चोर रहता है।जो कमीशन अधिकारी लेते हैं, उसका लिखित में नहीं रहता है।लेकिन इन कमीशन खोर अधिकारियों से हलफ सहित पूछा जाय तो कोई जबाब नहीं है।कमीशन की बात उच्चाधिकारी भी जानते हैं।सी एम और पी एम जानते हैं लेकिन अंकुश नहीं लग रहा है। भ्रष्टचार की जड़े अभी बहुत नीचे तक है और बहुत शाखाएं निकल आई है।अब तो कमीशन सप्लायर देते हैं।जिनके खाते में सीधे पैसा जाता है।ब्लाकों में बहुत ऐसे सप्लायर बस्ता लेकर सुबह से दलाल की तरह घूमते रहते हैं। रही बात ग्राम प्रधान की तो अधिकारी मिलकर उन्हें फँसा देते हैं।जिसके कारण वे बिरोध नहीं कर पाते हैं। क्योंकि कमीशन लेने वाले का कहीं हस्ताछर नहीं होता है।केवल प्रधान व सचिव का दाँगल लगता है तथा जे ई एम बी करते हैं। हमें नहीं लगता है कि महात्मा गाँधी का सपना साकार होगा? और पूरे 100 रुपए में साठ रुपए में से विकास होगा तथा योगी जी की भ्रष्टचार पर जीरो टालरेन्स सफल हो पाएगी। धीरेंद्र शुक्ल पत्रकार पूर्व प्रधान संघ अध्यक्ष कोरांव ने उक्त अव्यवस्था पर उंगली उठाई है। और डीएम का ध्यान आकृष्ट किया है।

जिलाधिकारी ने अटल आवासीय विद्यालय बेलहट कोरॉव का किया स्थलीय निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

अटल आवासीय विद्यालय को गुणवत्ता पूर्ण एवं समय से पूर्ण करने तथा उप श्रमायुक्त के निरन्तर जॉच करते रहने का डीएम ने दिया निर्देश

अटल आवासीय विद्यालय का निरीक्षण करते जिलाधिकारी

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री शुकवार को तहसील कोरॉव के ग्राम-बेलहट में अटल आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय में लगायी जा रही, सामाग्री की गुणवता की जॉच की तथा किये गये प्लास्टर आदि की सतह को गहनता से निरीक्षण किया, उन्होंने लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियन्ता से जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि कार्यो को ससमयपूर्ण किया जायें, तथा कार्यो में गुणवत्ता तथा मानक का विशेष ध्यान दिया जायें तथा उन्होंने दीवारो पर सतह ठीक न मिलने पर कड़ी नराजगी व्यक्त किया तथा उपश्रमायुक्त को कार्यो को निरन्तर जॉच करते रहने के निर्देश भी दिया है। उन्होंने अटल आवासीय विद्यालय में लगायी गयी सामाग्री की जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि कार्यो की गुणवत्ता से कोई समझौता नही किया जायेगा, यदि सामग्री ठीक नही लगाया गया तो सम्बन्धित अधिकारी एवं कान्ट्रेक्टर के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित किया जायेगा, उन्होंने संसाधन और बढाकर कार्यो में और तेजी लायी जायें। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी कोरॉव शुभम श्रीवास्तव, अधिशाषी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग सहित सभी सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

बेलहट गोवंश आश्रय स्थल का डीएम ने किया निरीक्षण

गो-वंशों के लिए मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ पर्याप्त मात्रा में भूसा-चोकर उपलब्ध रहे : जिलाधिकारी

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने शुक्रवार को ग्राम पंचायत बेलहट तहसील कोरॉव में गोवंश आश्रय स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गो-वंशों को चिन्हित कर अलग-अलग रखने के लिए कहा है। उन्होंने बच्चों के लिए अलग शेड बनाकर उनकी देखभाल करने के निर्देश दिये है। अस्वस्थ गोवंश कों चिन्हित कर अलग रखने तथा उनका समुचित उपचार कराने के निर्देश दिये है, वहां पर 110 गो-वंश रखे गये है, जिसमें 61 मेल तथा 49 फीमेल गो-वंश है। उन्होंने प्रधान एवं सचिव से भूसा, चोकर आदि की जानकारी लेते हुए निर्देशित किया है कि भूसा, चोकर एवं पीने का पानी की समुचित व्यवस्था उपलब्ध रहनी चाहिए, उन्होंने वर्मी कम्पोस्ट की जानकारी लेते हुए अच्छी तरह से प्रशिक्षण दिये जाने का निर्देश भी दिया हैं। पशुओ का स्वास्थ ठीक न मिलने पर नराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि स्थिति को देखते हुए ग्राम प्रधान एवं सचिव को निर्देशित किया है कि और बेहतर ढ़ग से देखभल की जायें, इस अवसर पर उप जिलधिकारी कोरॉव शुभम श्रीवास्तव, मुख्य पशुचिकित्याधिकारी आर0पी0 राय एवं खण्ड विकास अधिकारी कोरॉव उपस्थित थें।

गोवंश-आश्रय स्थल का निरीक्षण करते जिलाधिकारी

अनियंत्रित बाइक की टक्कर से वृद्ध महिला की मौत

मेजा रोड। मेजा के बरसैता गांव के सामने मेजा कोहड़ार मार्ग पर अनियंत्रित बाइक की टक्कर से एक वृद्ध महिला की मौत हो गई। इससे लोगों में अफरातफरी मच गई। सूचना पर पहुंची इलाकाई पुलिस ने लिखा-पढ़ी की कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार बरसैता गांव निवासी केवली देवी (80) पत्नी स्व मुन्नीलाल शुक्रवार की शाम पैदल अपने घर की तरफ जा रही थी। इस दौरान सामने से आ रही अनियंत्रित बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई। मामले की जानकारी स्वजनों को दी गई। रोते बिलखते स्वजन भी घटनास्थल पहुंचे। सूचना पर मेजा रोड पुलिस चौकी के दरोगा सचिन देव वर्मा दलबल सहित घटनास्थल पहुंचे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लिखा पढ़ी करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए शहर भेज दिया है। इस मामले में दरोगा ने बताया कि स्वजनों द्वारा मिली तहरीर के आधार पर लिखा पढ़ी की जा रही है। बाइक सवार पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

कार की टक्कर से बाइक सवार पति पत्नी हुए घायल

झूंसी। शास्त्री पुल पर शहर की ओर जा रहे बाइक सवार पति पत्नी को एक तेज रफ़्तार कार टक्कर मारते हुए निकल गई टक्कर की वजह से बाइक सवार पति पत्नी छिटक कर सड़क पर जा गिरे और घायल हो गए पुल से गुजर रही 108 एंबुलेंस को लोगो ने रोका तो दोनों घायलों को इलाज के लिए एसआरएन लेजाया गया। फूलपुर निवासी विकास सोनी सराफा का काम करते है शुक्रवार की दोपहर अपनी पत्नी अंजलि को साथ लेकर बाइक से शहर जा रहे थे। शास्त्री पुल पर पहुचे थे तभी पीछे से ओवरटेक करते वक्त एक तेज रफ़्तार कार बाइक में टक्कर मारते हुए शहर की ओर भाग गई। टक्कर की वजह से बाइक सवार दंपति सड़क पर गिर कर घायल हो गए। मौके पर लोगो की भारी भीड़ जमा हो गई। इसी बीच कीटगंज 108 एम्बुलेंश पेसेंट लेने जा रही थी एम्बुलेंश को रोक ईएमटी सन्तोष भारतीय व चालक इंद्रजीत घायल दंपति को इलाज के लिए एसआरएन ले गए।

युवती को पकड़ कर की गई अश्लील हरकतें मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। युवती को पकड़ कर एक शोहदे ने जमीन पर गिरा दिया और अश्लील हरकतें की। पुलिस ने युवती की तहरीर पर युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के केल गांव निवासिनी एक युवती का आरोप है कि वह खेत जा रही थी। तभी गांव का एक शोहदे ने उसको पकड कर उसके कपडे फाड दिए तथा जमीन पर गिरा कर दुराचार की नियत से अश्लील हरकतें करने लगा शोर मचाने पर मारा पीटा जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गया । युवती ने मऊआइमा थाने में शुभम पुत्र बब्बू ओझा के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुटी हुई है।

करछना के कचरी गांव में बरात द्वारचार के दौरान दबंगों ने बोला हमला, एक घायल

अखंड भारत संदेश

पांच लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज

करछना। थाना क्षेत्र के अंतर्गत कचरी गांव में बृहस्पतिवार की रात आई हुई बरात में दबंगों ने किया हमला एक हुआ घायल। जानकारी के मुताबिक कचरी गांव निवासी उमाशंकर भारतीय पुत्र स्वर्गीय बंसीधारी भारतीय के पुत्री की बारात बृहस्पतिवार की रात आई थी। जिस में शामिल होने गांव के ही दीपक पुत्र समर बहादुर भी आया था। उसी दरमियान आए हुए रिश्तेदार विवेक कुमार भारतीय खिला रहा था तभी किसी बात को लेकर दोनों के बीच वाद-विवाद हो गया। वही उपस्थित अन्य लोगों ने दोनों को समझा-बुझाकर मामला शांत करा दिया। जिसके बाद दीपक वहां से चला गया। थोड़ी देर बाद जब बारात सज धज कर द्वारचार के लिए घर पर पहुंची तभी गांव के ही दबंग किस्म के समर बहादुर पटेल पुत्र देवनारायण, शेष बहादुर पुत्र देवनारायण, संदीप कुमार, दीपक कुमार, शिवाकांत व अन्य लोगों के साथ लाठी-डंडे लेकर मौके पर पहुंचे और अपशब्दों का प्रयोग करते हुए विवेक कुमार भारतीय के साथ बारातियों पर भी हमला कर दिया। इस दौरान बरातयों में भगदड़ मच गई। जिसमें उमाशंकर के रिश्तेदार विवेक कुमार भारतीय पुत्र विजयकांत भारतीय निवासी से सेजेला थाना मेजा को लाठी लगने से सर फट गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना होने पर डाल 112 व स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। तब तक सभी दबंग मौके से भाग निकले। मामले में पुलिस ने उमाशंकर भारतीय के तहरीर के आधार नामजद? अभियोग पंजीकृत कर लिया है।

पत्रकारिता दिवस की पूर्व संध्या पर दिल्ली में होगी पत्रकार महासंघ की चिंतन बैठक

अखंड भारत संदेश

दिल्ली प्रदेश इकाई की घोषणा 29 मई को राष्ट्रीय संयोजक द्वारा होगी

करछना। प्रयागराज भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की दिल्ली इकाई को पुनर्गठित करने के लिए 29 मई रविवार को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक दिल्ली कार्यालय निशेन्दु स्टूडियो/सुधेन्दु ओझा, 495/2, दूसरी मंजिल, गणेशनगर-2, शकरपुर, दिल्ली 110092(समीप अम्बेडकर कॉलेज, नागर प्रॉपर्टी वाली गली, रेलवे अंडर पास के पहले) समीपस्थ मेट्रो स्टेशन-निर्माण विहार) में भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की बैठक आहूत की गई है जिसमें भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक डॉक्टर भगवान प्रसाद उपाध्याय महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जयशंकर त्रिपाठी , राष्ट्रीय सचिव नंद गोपाल वर्मा तथा इस्कॉन मंदिर नई दिल्ली के स्वामी बृजनंदन दास जी महाराज भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे उपरोक्त जानकारी देते हुए दिल्ली प्रदेश इकाई के अध्यक्ष सुधेन्दु ओझा ने बताया कि इस बैठक में दिल्ली प्रदेश के सभी नए व पुराने साथी आमंत्रित किए गए हैं जिसमें नए लोगों को सदस्य भी दिलाई जाएगी इसके पश्चात दिल्ली प्रदेश इकाई का पुनर्गठन कर के प्रांतीय सम्मेलन की रूपरेखा तय की जाएगी जिसमें नवगठित प्रदेश कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण एवं पत्रकार सम्मान समारोह भी आयोजित किया जाएगा ओझा ने बताया कि पत्रकारिता दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित इस चिंतन बैठक में कवि गोष्ठी भी आयोजित की जाएगी और उपस्थित सभी कवियों पत्रकारों को सम्मान पत्र प्रदान किया जाएगा।

उन्होंने साहित्यकारों पत्रकारों कवियों से बैठक में भाग लेने की अपील की है।

आधुनिक शिक्षा में उपयोगी है टेबलेट : सांसद केसरी देवी

अखंड भारत संदेश

सहसों। क्षेत्र के सुखदेव सिंह महाविद्यालय एण्ड फामेर्सी महरौड़ा सहसों में शुक्रवार को प्रदेश सरकार द्वारा उच्च शिक्षा में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को टेबलेट या स्मार्टफोन निःशुल्क वितरण आयोजन के तहत विद्यालय के प्रांगण में बतौर मुख्य अतिथि सांसद फूलपुर केसरी देवी पटेल के हाथों टेबलेट वितरित किया गया। और टेबलेट पाकर छात्र-छात्राओं के चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम का शुभारंभ माता सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने टेबलेट वितरण समारोह के दौरान कहा कि इस आधुनिक परिवेश में उच्च शिक्षा में अध्ययनरत छात्र छात्राओं के लिए टेबलेट या स्मार्टफोन बहुत ही उपयोगी है। छात्र-छात्राओं द्वारा इसका शिक्षा में अध्ययन के दौरान सही उपयोग से छात्र-छात्राएं इस टेक्नोलॉजी के युग में बहुत ही आगे जा सकते हैं। उन्होंने कहा सभी छात्र-छात्राएं अपने उज्जवल भविष्य के लिए एक लक्ष्य को ध्यान में रखकर सही शिक्षा ग्रहण करें और अपने माता पिता के साथ गुरुजनों का भी नाम रोशन करें। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा विद्यालय के प्रांगण में वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिला अध्यक्ष गंगापार भारतीय जनता पार्टी अमरनाथ तिवारी ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय के चेयरमैन एवं ब्लाक प्रमुख फूलपुर वीपेन्द्र सिंह पटेल ने सभी छात्र-छात्राओं को अपना हार्दिक शुभकामना भी दिए। उपस्थित भूमि विकास बैंक फूलपुर अध्यक्ष वीरेंद्र बहादुर सिंह एवं इंजीनियर बद्री प्रसाद सिंह ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। विद्यालय के प्राचार्य गोविंद नारायण सिंह ने आए हुए अतिथियों का स्वागत कर सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अमर सिंह पटेल, श्याम बाबू गुप्ता, राजनाथ सिंह, उर्मिला सिंह सहित विद्यालय के शिक्षक गंण एवं समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

परीक्षा के दौरान एबीवीपी जिलाध्यक्ष पर जानलेवा हमला

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में परीक्षा के दौरान एमए के छात्र शिवम सिंह पर पिस्टल तानकर फायरिंग करने का प्रयास किया गया। गनीमत रही कि फायर मिस होने से गोली नहीं चल पाई और उसकी जान बच गई। आरोपी भी इविवि का ही छात्र है, लेकिन मौजूदा समय में वह निलंबित चल रहा है। भुक्तभोगी छात्र ने मामले की शिकायत प्रॉक्टर से की। इस मामले में कर्नलगंज थाने में नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है। शिवम रक्षा अध्ययन विभाग में एमए पांचवें सेमेस्टर का छात्र है और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की जिला इकाई का अध्यक्ष भी है। 17 मई को वह सेमेस्टर परीक्षा देने के लिए विवि परिसर स्थित रक्षा अध्ययन विभाग में पहुंचा था। आरोप है कि परीक्षा के दौरान ही दीप सिद्धार्थ यादव आया और उस पर पिस्टल तान दी। यही नहीं उस पर हमले का भी प्रयास किया लेकिन फायर मिस होने केचलते गोली नहीं चली और वह बच गया। जिस वक्त यह घटना हुई, बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौकेपर मौजूद थे और कोई भी बड़ी घटना हो सकती थी।

न खंभे न तार घरों में लगा दिए गए बिजली के मीटर, बिल देख हैरान ग्रामीण !

अखंड भारत संदेश

सौभाग्य विद्युतीकरण योजना चढ़ी भ्रष्टाचार की भेंट, ठेकेदार व अधिकारी हुए मालामाल

रत्योंरा। कोरांव तहसील क्षेत्र के आधा दर्जन से अधिक गांवों व मजरों में बगैर विद्युतीकरण के ही लोगों के घरों में बिजली के मीटर लगा दिए गए हैं। इतना ही नहीं बाकायदा प्रत्येक महीने लोगों के बिल भी आ रहे हैं। जबकि हकीकत यह है कि न तो कहीं खंभे और न ही बिजली के तार खींचे गए हैं किंतु विभाग के मनमानी का आलम देखिए कि बगैर विद्युतीकरण के ही घरों में मीटर लगा दिए गए हैं। लोग बिल देख हैरान हो रहे हैं। जिन गांव व नजरों में बिना विद्युतीकरण के ही लोगों के घरों में बिजली के मीटर लगा दिए गए हैं उनमें रत्योरा करपिया के अमीन का पूरा मजरा, भगेसर गांव का लहवा मजरा, लतीफपुर, बरनपुर, भगतपुर समेत कई अन्य गांव शामिल हैं। जहां न तो बिजली के खंभे हैं और न ही तार किंतु लोगों के घरों में लगे मीटर शोभा बढ़ा रहे हैं। केंद्र कि नरेंद्र मोदी सरकार ने वर्ष 2022 तक प्रत्येक घरों को बिजली देने के लक्ष्य को पूरा करने का फरमान जारी कर रखा था। अफसरों की अफसरशाही देखिए कि सरकार के निर्देश को भी ठेंगा दिखाते हुए सौभाग्य विद्युतीकरण योजना को इस कदर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाई की जिम्मेदार ठेकेदार व अधिकारी न सिर्फ ट्रांसफार्मर बेच लिए बल्कि खंभे व बिजली के तार भी बेच लिए। लोगों के घरों में बगैर विद्युतीकरण कराए ही मीटर लगा दिए जो इस बात का द्योतक है कि सौभाग्य विद्युतीकरण योजना अफसरशाही की भेंट चढ़ गई। रतियापुरा करपिया के अमीन का पूरा मजरे में जिन लोगों के घरों में बगैर विद्युतीकरण के ही मीटर लगा दिए गए हैं उनमें अंगद सिंह पुत्र राम चरण सिंह, गौतम सिंह पुत्र राम चरण सिंह, संजय सिंह पुत्र सरवन सिंह, सुनील सिंह पुत्र सरवन सिंह, अनिल कुमार पुत्र सरवन सिंह, मनोज कुमार पुत्र राजकुमार, नंद किशोर पुत्र श्री भगवान समेत कई ऐसे लोग हैं जिनके घरों में मीटर लगा दिए गए हैं। इसी प्रकार बरहमपुर गांव में सौभाग्य विद्युतीकरण योजना के तहत इस कदर भट्टाचार्य किया गया कि उक्त योजना के तहत कुल 4 ट्रांसफार्मर स्वीकृत किए गए थे जिनमें दो ट्रांसफार्मर तो गांव में लगे किंतु दो ट्रांसफार्मर कहां चले गए इसका आज तक कुछ अता पता नहीं चल सका जिससे आधा गांव आज भी जुगनू के समान बिजली जलाने के लिए मजबूर है लोगों ने सौभाग्य विद्युतीकरण योजना में किए गए भ्रष्टाचार की उच्चस्तरीय जांच कराते हुए दोषियों पर कार्रवाई व जिन मजरों में विद्युतीकरण नहीं हुआ है, उन मजरों में विद्युतीकरण कार्य कराए जाने तथा जिन गांवो के ट्रांसफार्मर बेंच लिए गए हैं। उनको मानक के अनुरूप पुनः लगवाए जाने की दरकार की गई है।

ठोस भवन निर्माण के लिए तकनीकी जानकारी जरूरी

सहसों। आज के आधुनिक युग में नई नई टेक्नोलॉजी के साथ भवन निर्माण हो रहे हैं ऐसे में लोगों को भवन निर्माण के लिए कैसे भवन ठोस एवं मजबूत बने इसकी तकनीकी जानकारी अवश्य होनी चाहिए बहुत ही जरूरी है। मजबूत घर का निर्माण तभी संभव हो सकता है जब हमें सभी प्रकार की तकनीकी जानकारी होगी। यह बातें शुक्रवार को सहसों क्षेत्र के थानापुर स्थित दुबेजी भोजनालय परिसर में आयोजित एक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए अल्ट्राटेक के टेक्निकल मैनेजर इंजीनियर देवेश चतुर्वेदी ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि अल्ट्राटेक सीमेंट ही घर के निर्माण को मजबूती प्रदान करता है। इसलिए सभी लोगों को चाहिए कि वे सिर्फ और सिर्फ अल्ट्राटेक सीमेंट का ही उपयोग करें। विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद इंजीनियर शुभम सिंह और इंजीनियर चंदन सिंह ने उपस्थित क्षेत्र के ठेकेदारों और मकान निमार्ताओं एवं भू स्वामियों को संबोधित करते हुए अल्ट्राटेक यू- टेक ऐप की जानकारी देते हुए बताया कि इस ऐप के माध्यम से एक छत के नीचे सभी जानकारियां तत्काल मिल जाएंगी। इस मौके पर सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

अधिवक्ताओं को अराजकतत्व कहना असहनीय : उमाकांत तिवारी

बार कोरांव के अधिवक्ताओं ने राज्यपाल को संबोधित एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

रत्योंरा/ कोरांव। बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के आह्वान पर शुक्रवार को तहसील कोरांव के अधिवक्ताओं ने महामहिम राज्यपाल को संबोधित उपजिलाधिकारी कोरांव शुभम श्रीवास्तव को ज्ञापन देकर प्रदेश सरकार के विशेष सचिव प्रफुल्ल कमल द्वारा अधिवक्ताओं को अराजकतत्व बताना व उनके विरुद्ध एकतरफा बयान देने से प्रदेश भर मे अधिवक्ताओं ने रोष जताया है। बता दें कि अभी हाल ही मे प्रदेश सरकार के विशेष सचिव प्रफ्फुल कमल ने अधिवक्ताओं को अराजकतत्व जैसी पत्र में टिप्पणी की थी और अधिवक्ताओं के प्रति एकतरफा गलत तरीके से बयानबाजी की थी जिसके क्रम मे बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के चेयरमैन ने दिनांक 17 मई 2022 को बैठक आहूत कर प्रदेश के सभी तहसील अध्यक्षो एव अधिवक्ताओं से दिनांक 20 मई 2022 को अनुरोध किया था कि उक्त प्रकरण के सम्बंध मे विरोध दिवस मनाया जाएगा। जिसके क्रम मे शुक्रवार को तहसील बार एशोसिएशन कोरांव के अध्यक्ष उमाकांत तिवारी व मंत्री कैलाश नाथ सिंह के नेतृत्व मे सैकड़ो अधिवक्ता लामबन्द होकर उपजिलाधिकारी कोरांव को 6 सूत्रीय ज्ञापन देकर अधिवक्ताओ के साथ किये जा रहे उत्पीड़न औ? आपत्तिजनक टिप्पणी पर रोकथाम हेतु राज्यपाल से न्याय की गुहार लगाई। इस दौरान अध्यक्ष उमाकांत तिवारी ने कहा कि अधिवक्ताओं का उत्पीड़न बर्दाश्त नही करेंगे आगे कहा कि समाज का अधिवक्ता एक सजग प्रहरी होता है। जिसे अराजकतत्व कहा जाना काफी दुर्भाग्यपूर्ण व निंदनीय है। इस दौरान प्रमुख रूप से वरिष्ठ अधिवक्ता अरुण मिश्रा, ललन तिवारी, महेंद्र मिश्रा, केसी मिश्रा, विनीत मिश्र, राजू दुबे, सुनील कुमार पाण्डेय, भास्कर यादव, रामकृष्ण दुबे, यादवेंद्र यादव, रवि प्रकाश तिवारी,संतोष कुशवाहा, आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्राम प्रधान बगई कला किया गया सम्मानित

सहसों। राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में बगई कला के ग्राम प्रधान प्रमाण पत्र पाकर सम्मानित हुए। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा लखनऊ में सीमैट द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए ग्राम प्रधानों सहित पौध एवं जल संरक्षण पर कार्य करने वाले कई व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया गया। विकास खण्ड सहसों के बगई कला उर्फ मनापुर के ग्राम प्रधान प्रताप बहादुर सिंह को गांव में किए गए उत्कृष्ट विकास कार्यों एवं जन जागरूकता अभियान के महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त बदनामा के पौधरोपण करने एवं लोगो को प्रेरित करने जैसे सराहनीय कार्य करने के लिए राजेंद्र सिंह पटेल को भी सम्मानित किया गया। ग्राम प्रधान के इस सम्मान को प्राप्त होने पर ग्रामीणों में खुशी की लहर है।

खबर संक्षेप

फाफामऊ सेतु खुलते ही भारी वाहनों के दबाव से चरमराया यातायात

प्रयागराज। फाफामऊ में गंगा पर निर्मित चंद्रशेखर आजाद सेतु शुक्रवार को भारी वाहनों के लिए खोल दिया गया। इसी के साथ इस सेतु पर बसों, ट्रकों और कामर्शियल कंटेनरों का आवागमन शुरू हो गया। लेकिन, पहले ही दिन भारी वाहनों के दबाव से यातायात चरमरा गया। सहसों बाईपास होते हुए झूंसी से प्रयागराज तक का इस सेतु का डायवर्जन खत्म होने से वाराणसी-प्रयागराज मार्ग पर वाहनों का दबाव कम होने के साथ ही इस सेतु पर वाहनों का दबाव अचानक बढ़ गया। इससे लगे जाम के कारण एस सेतु पर कई बार वाहन रेंगते नजर आए। आजाद सेतु पूरी तरह खोले जाने के बाद लखनऊ-रायबरेली और प्रतापगढ़ की ओर से प्रयागराज आने वाले वाहन अब झूंसी तक परिक्रमा करने की बजाए सीधे फाफामऊ पुल से शहर में प्रवेश करने लगे हैं। इसी के साथ पहले दिन ही जाम लगने से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। माना जा रहा है कि आजाद सेतु पर भारी और कामर्शियल वाहनों का अचानक दबाव बढ़ने से जाम लगा।

ज्ञानवापी प्रकरण को लेकर प्रयागराज में अलर्ट

अखंड भारत संदेश

कमिश्नर समेत आला अफसरों ने की धर्मगुरुओं के साथ बैठक

धर्मगुरुओं के साथ बैठक करते मंडलायुक्त व अधिकारी

प्रयागराज। बनारस के ज्ञानवापी मस्जिद मामले को लेकर संगमनगरी प्रयागराज में भी अफसर अलर्ट मोड में हैं। इसी कम्र में शुक्रवार को कमिश्नर संजय गोयल एवं एडीजी जोन प्रेम प्रकाश की अध्यक्षता में विभिन्न धर्मों के धर्मगुरुओं के साथ अफसरों ने बैठक की। मंडलायुक्त कार्यालय स्थित गांधी सभागार में आयोजित बैठक सभी से आपसी प्रेम सौहार्द एवं भाई-चारा बनाए रखने में सहयोग करने तथा अफवाहों से बचने की अपील की गई। इस अवसर पर कमिश्नर ने सभी धर्मगुरुओं से पूर्व की भांति आगे भी पूर्ण शांति एवं आपसी सद्भाव बनाए रखने में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति की स्वतंत्रता वहीं तक होती है, जहां तक वह किसी और की भावना या सम्मान को ठेस ना पहुंचाएं। अतः अफवाहों पर ध्यान न देते हुए सभी को सामंजस्य बनाए रखने में अपना योगदान करना चाहिए।

समाज पर असर डालता है धर्मगुरुओं का संदेश : एडीजी

एडीजी जोन प्रेम प्रकाश ने सभी धर्मों का उद्देश्य लोक कल्याण बताते हुए कहा कि धर्मगुरुओं द्वारा जो संदेश दिया जाता है, उसका समाज पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। अतः सभी धर्मगुरुओं को अपने अपने अनुयायियों को हर परिस्थिति में सामंजस्य बनाए रखने को प्रेरित करना चाहिए। आईजी जोन राकेश सिंह ने भी आपसी भाई-चारा प्रेम व सौहार्द बनाये रखने में सभी धर्मों के धर्म गुरुओं से सहयोग करने की अपील की।

डीएम बोले- कोर्ट के फैसले का इंतजार करें :

इसी क्रम में जिलाधिकारी संजय खत्री ने गंगा-यमुनी तहजीब की चर्चा करते हुए सभी धर्मों के व्यक्तियों को धैर्य पूर्वक सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार करने को कहा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने सभी धर्मगुरुओं से लोकतंत्र एवं संविधान पर पूर्ण विश्वास रखने एवं वसुधैव कुटुंबकम की भावना का अनुसरण करते रहने की अपील की। बैठक में उपस्थित सभी धर्मगुरुओं से आपसी भाई-चारा एवं प्रेम बनाए रखने के संबंध में अपने-अपने विचार भी व्यक्त किए तथा सामंजस्य बनाये रखने में पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

बेटी को अश्लील वीडियो भेजने वाले असिस्टेंट प्रोफेसर की हो सकती है गिरफ्तारी

प्रयागराज। अपनी ही नाबालिग बेटी से छेड़खानी के आरोप में एक असिस्टेंट प्रोफेसर के खिलाफ मुकदमा लिखा गया है। पत्नी की तहरीर पर मेजा थाने की पुलिस ने असिस्टेंट प्रोफेसर के विरुद्ध पाक्सो एक्ट औ? छेड़खानी सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। सुबूतों के आधार पर एक्शन लिया जाएगा। अगर आरोप सही साबित हो गए तो फिर आ?ैपित अस्सिटेंट प्रोफेसर की गिरफ्तारी की जाएगी। बताया जाता है कि उरुवा ब्लाक के एक गांव में रहने वाला शख्स सुल्तानपुर स्थित सरकारी कालेज में असिस्टेंट प्रोफेसर है। उसकी पत्नी अल्लापुर मोहल्ले में रहती है। परिवार में 15 वर्षीय बेटी है, जो हाईस्कूल की छात्रा है। पत्नी का आरोप है कि मार्च में गांव में एक कार्यक्रम था, जहां सभी लोग शामिल हुए थे। इसी दौरान असिस्टेंट प्रोफेसर ने बेटी के साथ अश्लील हरकत की। बेटी को मोबाइल पर अश्लील वीडियो भेजता है और शराब पिलाकर गलत काम करने का प्रयास किया था।बेटी द्वारा विरोध किए जाने पर वह उसकी अश्लील वीडियो को इंटरनेट पर वायरल करने की धमकी देता है। फिलहाल घटना की शिकायत पर मेजा थाने की पुलिस ने असिस्टेंट प्रोफेसर के खिलाफ विभिन्न धाराओं में एफआइआर दर्ज कर ली है।

आपसी सहमति से कर लें आपसी बंटवारा, नपं ने थमाई नोटिस

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। घरेलू बंटवारे के संबंध में समाधान दिवस में की गई शिकायत के क्रम में दोनों पक्षों को आपसी सहमति के आधार पर बंटवारा करने की नोटिस भेजी गई है। नगर पंचायत प्रशासन की तरफ से भेजी गई नोटिस में दोनों पक्षों को हिदायत दी गई है कि वे आपसी सहमति से बंटवारा कर लें, अन्यथा सक्षम न्यायालय में वाद कर अनुतोष प्राप्त करें। यह मामला नगर पंचायत शंकरगढ़ के वार्ड संख्या छह, धर्मनगर का है। नगर पंचायत के ईओ ने धर्मनगर निवासी नरेंद्र प्रताप व भारतेंदु सिंह पुत्रगण स्व.शिव बहादुर सिंह को नोटिस दी है कि वे आपसी बंटवारा सप्ताहभर के अंदर कर लें। नगर पंचायत के हेड मोहर्रिर रफीक अहमद और मनीष केसरवानी ने बताया कि दोनों पक्षों को नोटिस रिसीव करवा दी गई है, इसमें एक पक्ष के नहीं मिलने पर नोटिस उनके आवास पर चस्पा कर दी गई है। बताते चलें कि इस मामले की शिकायत बीते सात मई को संपूर्ण समाधान दिवस पर की गई थी। शिकायत के क्रम में मंडलायुक्त ने समाधान के लिए नगर पंचायत को निर्देशित किया था। उक्त आदेश के अनुपालन में नपं की तरफ से नोटिस भेजी गई है, यदि आपसी सुलह-समझौते के आधार पर बंटवारा नहीं होता तो सक्षम न्यायालय में वाद दायर कर मामले का निपटारा करवाएं।

रज्जू भैया राज्य विवि : हाईटेक कंट्रोल रूम से निगरानी, 46 नकचली पकड़े गए

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) राज्य विश्वविद्यालय की सत्र 2021-22 की स्नातक की वार्षिक परीक्षाएं शनिवार से शुरू हो गईं। पहले दिन हिंदी की परीक्षा थी, जिसमें 98 फीसदी परीक्षार्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। नैनी स्थित राज्य विवि परिसर में स्थापित हाईटेक कंट्रोल रूम से परीक्षा पर सीधी निगरानी रखी जा रही है। वहीं, उड़ाका दलों ने भी कई केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान 46 परीक्षार्थियों को नकल करते हुए पकड़ा गया।विवि प्रशासन ने प्रयागराज, कौशाम्बी, प्रतापगढ़ और फतेहपुर के 653 संघटक कॉलेजों की परीक्षा के लिए 324 केंद्र निर्धारित किए थे, जिनमें से 275 स्वकेंद्र हैं। बाद में कुछ अन्य कॉलेजों ने भी समस्या रखी कि छात्राओं के सेंटर दूर बना दिए गए हैं। इस पर विवि प्रशासन ने केंद्रों की लिस्ट में संशोधन किया और केंद्रों की संख्या बढ़ाकर 392 कर दी गई।वार्षिक परीक्षाओं के लिए तकरीबन सवा लाख छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं। शनिवार को हुई हिंदी की परीक्षा के लिए 161250 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 3828 छात्र-छात्राएं अनुपस्थित रहे। परीक्षा तीन पालियों में सुबह 7.30 से 10.30 बजे, 11 से अपराह्न दो और तीन से शाम छह बजे तक आयोजित की गई।

पहली पाली की परीक्षा के लिए 34692 छात्र एवं 19291 छात्राएं, दूसरी पाली के लिए 32175 छात्र एवं 31656 छात्राएं और तीसरी पाली की परीक्षा के लिए 32193 छात्र एवं 11243 छात्राएं पंजीकृत थे। इस बार बड़ी संख्या में स्वकेंद्र होने के कारण राज्य विवि प्रशासन को नकलविहीन परीक्षा के लिए अतिरिक्त इंतजाम करने पड़े हैं। हाईटेक कंट्रोल रूम के साथ ही 50 स्वकेंद्रों में अलग से ऑब्जर्वर की नियुक्ति की गई है। विश्वविद्यालय के पीआरओ डॉ. अविनाश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि नकलविहीन परीक्षा के लिए पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। नकल करते पकड़े जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राशन कार्ड का एक सप्ताह में शुरू होगा सर्वे

प्रयागराज। राशन कार्ड सरेंडर करने की अवधि अब समाप्त होने जा रही है। प्रशासन ने एक सप्ताह में राशन कार्डों के सर्वे और सत्यापन कराने की योजना बनाई है। जल्द ही इसके लिए टीम घोषित की जाएगी। सर्वे तथा सत्यापन के बाद यदि कोई अपात्र राशनकार्डधारक मिला तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

न्यायालय के आदेश के बाद भी अवैध कब्जे को हटा पाने में मऊआइमा पुलिस नाकाम

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश प्रयागराज 2022 विधानसभा चुनाव में किसी बात की सबसे ज्यादा चर्चा रही तो वह है बुलडोजर`मुख्यमंत्री की बुलडोजर नीति को जनता ने सराहा` बीजेपी की सत्ता में वापसी के बाद योगी सरकार 2.0 में सीएम योगी ने बुलडोजर नीति को दोहराते हुए तालाबों सरकारी जमीनों पर हुए अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिए जिला प्रशासन को निर्देशित किया` प्रदेश भर में भूमाफियाओं के खिलाफ अभियान चलाकर अवैध संपत्ति पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त किया जा रहा है` बदमाशों माफियाओं की काली कमाई से अर्जित की हुई अवैध संपत्ति को कोर्ट के आदेश के बाद कुर्क भी किया जा रहा है` प्रदेश भर में कई तस्वीरें निकल कर सामने आई जहां कई भू माफियाओं की संपत्ति पर बुलडोजर चला तो वही कहीं माफियाओं की संपत्ति को कुर्क भी किया गया` लेकिन सीएम योगी की मंशा पर पानी फेर रही है मऊआइमा पुलिस` न्यायालय उप जिला मजिस्ट्रेट सोरांव के आदेश का अनुपालन करा पाने में नाकाम साबित हो रही है` 4 मई 2022 को उप जिला मजिस्ट्रेट सोरांव द्वारा मऊआइमा प्रभारी निरीक्षक को विवादित भूमि पर 146 ा1ब के तहत कुर्क करने का आदेश दिया गया था 14 दिन बीत जाने के बाद भी एसडीएम के आदेश का अनुपालन नहीं हुआ`बताते चलें एक तरफ प्रयागराज के पुलिस कप्तान अजय कुमार के नेतृत्व में प्रयागराज पुलिस लगातार बदमाशों अपराधियों भू माफियाओं पर ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है` वहीं तेजतर्रार पुलिस कप्तान की छवि धूमिल करने में लगे है कुछ पुलिसकर्मी मऊआइमा में अपराधियों के विरुद्ध प्रदेश सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति पर भी उठ रहे हैं सवाल , आखिर जिम्मेदार कौन ।

जैकी गैंग के कुख्यात चार बदमाशों पर 25-25 हजार का इनाम

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। वैवाहिक समारोहों में शामिल होकर नगदी, जेवरात उड़ाने वाले जैकी गैंग के कुख्यात चार बदमाशों के ऊपर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने जैकी गैंग के सरगना की नानी के ऊपर भी इनाम घोषित किया है। इसमें प्रयागराज के कुख्यात सटोरिए, जुआरी और लगभग आधा दर्जन मुकदमों वाले बदमाश पंकज सिंह पुत्र फूल कुमार सिंह (मूल निवासी मानिकपुर, ज़िला चित्रकूट, वर्तमान निवासी चक रघुनाथ, थाना नैनी) के ऊपर 25 हजार का इनाम रखा गया है। इसके अलावा पंकज सिंह की नानी बीना बाई, जैकी गैंग के बदमाश राजेंद्र कुमार और संगीता को 25-25 हजार का इनामिया बनाया गया है। बताते चलें कि सिविल लाइंस एरिया में स्थित एक प्रतिष्ठित होटल में बीते 12 मई को एक सगाई समारोह से जैकी गैंग के दो शातिर बदमाशों ने लाखों कीमत की नगदी, कैश और अन्य सामान पर हाथ साफ कर दिया था। इसके बाद 16 मई को सिविल लाइंस पुलिस ने जैकी गैंग के सदस्य जैकी कुमार सांसी पुत्र उमराव सिंह, कुनाल कुमार पुत्र जीतेंद्र कुमार, कोहिनूर सांसी पुत्र मोहर सिंह, संतोष कुमार सांसी पुत्र रघुवीर सिंह (निवासीगण कडि?ा, बोड़ा, राजगढ़, मध्यप्रदेश) और रामू पटेल पुत्र शिवलाल पटेल (निवासी चक रघुनाथ, नैनी, प्रयागराज) को गिरफ्तार कर लिया था। धरे गए अंतरराज्यीय बदमाशों के पास से हीरे और सोने का हार, डायमंड रिंग, पायल, आई फोन, 69 हजार रुपये नगद, तमंचा के साथ घटना में प्रयुक्त आल्टो कार, काली कोट, सात चोरी के मोबाइल, आधार व डीएल बरामद हुए थे। इस गैंग के फरार चल रहे सदस्य बीना बाई पत्नी अज्ञात, संगीता पत्नी राजेंद्र कुमार, राजेंद्र कुमार पुत्र अज्ञात (निवासीगण कडि?ा, बोड़ा, राजगढ़, मध्यप्रदेश) और भूपेंद्र सिंह उर्फ पंकज सिंह (निवासी चक रघुनाथ, नैनी) की तलाश जारी है। इन्ही चारों के ऊपर एसएसपी अजय कुमार ने 25-25 हजार का इनाम घोषित किया है।

अब आया अप्रैल का खाद्यान्न, मई का पता नहीं

प्रयागराज। राशनकार्ड धारकों को मई के राशन के लिए अभी इंतजार करना पड़ेगा। अभी तक न राशन आया है औ न ही कोई निर्देश। राशन वितरण की व्यवस्था पिछले महीने से ही पटरी से उतर गई है। अप्रैल महीने में गेहूं और चावल तो गोदामों में पहुंच गया था लेकिन चना, तेल और नमक की आपूर्ति नहीं हो पाई थी। इसकी वजह से अप्रैल में राशन का वितरण नहीं हो सका। हालांकि, अब गेहूं, चावल के साथ चना, तेल, नमक भी पहुंच गया है। वितरण भी शुरू हो गया है लेकिन मई महीने का राशन कब तक वितरित होगा इस बाबत कोई निर्देश नहीं दिया गया है। जबकि, 20 मई तक वितरण हो जाना चाहिए।

आवश्यकता है

मदरसा अरबिया शाहजहॉ अकबरपुर प्रयागराज में आधुनिकीकरण अध्यापक की आवश्यकता है। शैक्षिक योग्यता परास्नातक या प्रशिक्षित स्नातक या स्नातक वेतनमान भारत सरकार द्वारा निर्धारित मानदेय न्यूनतम आयु 18 वर्ष। इच्छुक अभ्यर्थी विज्ञापन की तिथि से 21 दिनों के अंदर अपना आवेदन पत्र समस्त शैक्षिक योग्यताओं के साथ प्रबन्धक के पद नाम में मदरसा उपरोक्त पर भेजें।

प्रबन्धक
अरबिया शाहजहॉ
163, अकबरपुर, प्रयागराज

कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का हुआ शुभारंभ

प्रतापपुर। क्षेत्र के हरभानपुर,खोजापुर के पूर्व प्रधान भूलेश्वर नाथ त्रिपाठी के आवास पर आयोजित संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ शुक्रवार से हो गया।कथा शुभारंभ से पूर्व महिलाओं व युवतियों ने गाँव से कलश यात्रा निकाली।इस दौरान जगह-जगह पुष्पवर्षा के साथ स्वागत किया गया।कलश यात्रा का समापन वरुणा मंदिर पर पहुँच कर किया गया। इस दौरान कुलगुरु कथावाचक मदन मोहन शुक्ला, सज्जन भोला तिवारी,जटाशंकर तिवारी,बनारसी शुक्ला, गौरीशंकर,सुनील तिवारी,कमलेश तिवारी, अलका भारती,रमेश तिवारी, फूल चंद तिवारी, रामाकांत तिवारी,राकेश तिवारी, श्याम सुंदर शुक्ला, केवला शुक्ला,दयाराम पांडे,राजेश राम पांडे ग्राम प्रधान हर भानपुर उर्मिला तिवारी प्रतिमा मिश्रा ममता शुक्ला अजय त्रिपाठी सचिन तिवारी विवेक तिवारी नितिन तिवारी पंकज मिश्रा जय सिंह रोहित गौतम राजू तिवारी चंद्रकांत मिश्रा रमाशंकर यादव लालजी यादव राममूर्ति यादव हरिशंकर तिवारी,संजू पांडे पांडे पूजा तिवारी रेखा पांडे मनोरमा देवी विमला देवी सुशीला देवी गिरिजा देवी सोनम देवी बेबी तिवारी उर्मिला देवी संतोष शुक्ला संतोष कुमार सच्ची देवी राममूर्ति यादव साक्षी तिवारी तीरथ राज तिवारी नीतू तिवारी सहित गांव के सैकड़ों नर-नारी सम्मलित रहे।

बीटेक अन्तिम वर्ष के 61 छात्रों को टैबलेट वितरित किया गया

अखंड भारत संदेश

करछना। प्रयागराज प्रयाग इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट बेन्दौ करछना प्रयागराज में बीटेक अंतिम वर्ष के 61 छात्रों को उ0प्र0 सरकार की महत्वाकांक्षी योजना ₹ टेबलेट / स्मार्ट फोन वितरण ₹ के माध्यम से छात्रों को टैबलेट वितरित किया गया इस अवसर पर संस्था के चैयरमेन तथा भा0ज0पा0 पिछड़ा कल्याण अध्यक्ष यमुनापार प्रयागराज ज्ञान सिंह संस्था के सचिव इ0 विकास सिंह निदेशक डॉ0 सुभाषचंद्र तिवारी तथा संस्था के कुलसचिव आशीष तिवारी उपस्थित रहे। टैबलेट वितरित करते हुए , ज्ञान सिंह जी ने सरकार की छात्रों के प्रति विचार तथा टेक्नोलॉजी का उचित प्रयोग को रेखांकित किया। निदेशक ने विश्व प्रतिस्पर्धा की चुनौतियों की ओर ध्यानाकर्षित करते हुए टेक्नोलॉजी का अनिवार्य प्रयोग पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन श्रुति श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में वीरेंद्र सिंह, प्रेम चंद्र राम आशुतोष तिवारी, कुलदीप पटेल एवं सभी अध्यापक उपस्थित रहे।

एम. टी आई.टी.आई में टेबलेट वितरण

प्रयागराज। एम.टी आई.टी.आई मीरपुर सोरों प्रतापपुर प्रयागराज में टेबलेट वितरण, संस्थान के संस्थापक एवं वरिष्ठ समाजसेवी श्री शंभू नाथ तिवारी जी के द्वारा किया गया ।वितरण के बाद संस्थान के छात्रों को संबोधित करते हुए संस्थापक जी ने कहा कि सरकार की यह योजना आप सबको तकनीकी दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाने में मील का पत्थर साबित होगी। इस अवसर पर संस्थान के अजय मिश्र ,महेंद्र सिंह, मनु मिश्रा महीप कुशवाहा, सुधाकर पांडेय आदि उपस्थित रहे।

टीईटी प्रमाण पत्र देने पर रोक के खिलाफ अभ्यर्थियों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में दाखिल की याचिका

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने टीईटी-2021 के प्रमाण पत्र वितरण पर रोक लगाई है। इसके बाद बीएड पास अभ्यर्थी भी अपना पक्ष रखने हाई कोर्ट की शरण में आए हैं। उनकी याचिका सुनवाई के लिए स्वीकार करते हुए न्यायालय ने उन्हें पक्ष रखने करने का समय दिया है।

हाई कोर्ट ने प्रमाण पत्र जारी करने पर लगा रखी है रोक :: राजस्थान हाई कोर्ट द्वारा राजेंद्र सिंह चोटिया के मामले में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद की अधिसूचना को रद करके बीएड पास अभ्यर्थियों को टीईटी परीक्षा के लिए अयोग्य घोषित कर दिया है। इस आदेश के बाद इलाहाबाद हाई कोर्ट में दायर याचिका प्रतीक मिश्रा बनाम उत्तर प्रदेश राज्य में न्यायमूर्ति सिद्धार्थ की पीठ ने बीएड पास अभ्यर्थियों को टीईटी प्रमाण पत्र देने पर रोक लगा दिया था। इसके बाद बीएड पास एवं टीईटी उत्तीर्ण अभ्यर्थियों ने भी अपना पक्ष रखने के लिए हाई कोर्ट में याचिका दाखिल किया है।याची अधिवक्ता ऋषि श्रीवास्तव ने बताया कि न्यायमूर्ति सिद्धार्थ की पीठ ने मुरादाबाद निवासी एक बीएड पास अभ्यर्थी राजकुमार सिंह का प्रार्थना पत्र स्वीकार करते हुए उसे मामले में अपना पक्ष रखने की अनुमति प्रदान की है। मामले को अगली सुनवाई 14 जुलाई को होंगी। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद की गाइडलाइन के अनुसार बीएड पास अभ्यर्थी को छह महीने का कोर्स पास करने के पश्चात बीटीसी पास अभ्यर्थी के समकक्ष मानते हुए सहायक अध्यापक की भर्ती के लिए योग्य माना गया था।

घटिया सामग्री से सेवटी नदी पर बनाया जा रहा पुल , ग्रामीणों ने की जांच की मांग

अखंड भारत संदेश

रत्योंरा। विकासखंड कोरांव के पैतिहा बलापुर गांव में सेवटी नदी पर निमार्णाधीन पुल के निर्माण कार्य में घटिया एवं लोकल निर्माण सामग्री लगाए जाने से ग्रामीण आक्रोशित हैं। ग्रामीणों के मुताबिक संबंधित ठेकेदार से कई बार लोकल बालू व लोकल सीमेंट एवम गिट्टी लगाने का विरोध किया गया, किंतु ठेकेदार मनमानी पर उतारू है। लोकल बालू एवं लोकल सीमेंट, गिट्टी एवं सरिया के द्वारा ही पुल का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। जिससे ग्रामीण यह आशंका व्यक्त कर रहे हैं कि नवनिर्मित निमार्णाधीन पुल कभी भी धराशाई हो सकता है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि बगल के फाउंडेशन में लोकल स्थानीय नदी की ही बालू का प्रयोग किया गया है। सीमेंट की मात्रा एवं सरिया की मात्रा कम डाली जा रही है। पावे में ही अच्छे किस्म की बालू लगाई गई है। बाकी स्थानों पर लोकल एवं स्थानीय बालू का प्रयोग किया जा रहा है। ग्रामीणों ने पुल के निर्माण कार्य की धीमी प्रगति पर भी चिंता जाहिर करते हुए कहा कि बारिश का समय नजदीक आ गया है। अभी पुल के पावे एवं फाउंडेशन भी तैयार नहीं हो पाए हैं। अगर बारिश तक पुल का निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ तो खेती किसानी का कार्य भी चौपट होगा और ग्रामीणों को नदी के इस पार उस पार आने जाने में बेहद असुविधाएं भी होंगी। ग्रामीणों ने घटिया निर्माण सामग्री सामग्री से बनाए जा रहे पुल की उच्च स्तरीय जांच कराते हुए दोषी ठेकेदार पर कार्रवाई एवं पुल के निर्माण कार्य में गुणवत्तापूर्ण सामग्री एवं मानक के अनुसार निर्माण कार्य कराए जाने की मांग की है।

कार्यालय ग्राम पंचायत रेरा वि. ख. जसरा, प्रयागराज

अल्पकालीन निविदा

महात्मागांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना/राज्य वित्त/15वां वित्त योजना अन्तर्गत वर्ष 2022–23 में प्रस्तावित निम्नलिखित कार्यों हेतु सामग्री आपूर्ति पंजीकृत एवं अधिकृत विक्रेता से दिनांक 20–05–2022 से 27–05–2022 तक सायं 4 बजे तक निविदायें आमंत्रित की जाती है। दिनांक 27–05–2022 को सायंकाल 4.30 पर निविदा ग्राम पंचायत कार्यालय पर निविदादाताओं एवं प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी।

क्र0	कार्य का विवरण	ग्राम पंचायत	योजना/ मद	अनुमानित लागत (लाख में)	निविदा मूल्य रू. में	धरोहर राशि	कार्य की अवधि
1.	WBM रोड से शिव मंदिर तक इण्टरलाकिंग	रेरा	मनरेगा/ केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त	500000	500	10000	1 माह
2.	डबल खम्भा से राम लाल के घर तक WBM कार्य	रेरा	मनरेगा/ केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त	300000	500	6000	1 माह

सामान्य शर्तें :– 1. कार्य की सम्पूर्ण जानकारी किसी भी कार्य दिवस में ग्राम विकास अधिकारी कार्यालय से ली जा सकती है। 2. निविदा दाता/कोटेशन दाता को समस्त रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र जीएसटी नम्बर के साथ रजिस्ट्रेशन प्रमाण निविदादाता/ कोटेशन के साथ संलग्न करना होगा। 3. निविदा धरोहर धनराशि 2 प्रतिशत जमानत के रूप में एफ.डी.आर./एन.एस.सी. जमा करना होगा।4. निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय दिनांक 27.05.2022 तक पूर्वान्हन 12.00 बजे तक प्राप्त कर सकते हैं। 5. किसी निविदा/कोटेशन को निरस्त करने का सर्वाधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा। 6. सभी कार्यों के लिए अलग–अलग निविदा/कोटेशन स्वीकार्य की जायेगी। 7. सशर्त निविदा स्वीकार नही होगी। 8. सामाग्री की मात्रा/धनराशि घट – बढ़ सकती है।

नोट–निविदा प्रपत्र ग्राम पंचायत कार्यालय रेरा से प्राप्त की जा सकती है एवं ग्राम पंचायत कार्यलय रेरा में समस्त निविदाएं भी खोली जायेगी।

महादेव
(ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत रेरा
वि. ख. जसरा, प्रयागराज

पत्रांकः मेमो/मनरेगा/ राज्य वित्त/ केन्द्रीय वित्त नि./2022–23/ दिनांक

बृजेन्द्र सिंह
ग्राम पंचायत/विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत रेरा
वि. ख. जसरा, प्रयागराज।

कालाकांकर में सुमित्रानंदन पंत की यादें हुई ताजी, दी गई श्रद्धांजलि

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़/परियावां। प्रकृति के सुकुमार कवि कहे जाने वाले छायावादी युग के कवि सुमित्रा नंदन पंत के 122वीं जयंती को कालाकांकर के नक्षत्र शाला में मनाया गया। सुमित्रानंदन पंत मूल रूप से अल्मोड़ा जिले के रहने वाले थे लेकिन जीवन का महत्वपूर्ण समय कालाकांकर में व्यतीत किया।

यहीं नक्षत्र में रहकर अपनी महत्वपूर्ण रचनाएं लिखी जिसमे उनकी नौका विहार शीर्षक कविता नदी में हिलोरें लेती अपनी अनुपम छटा बिखेरती कालाकांकर रियासत की राजकुमारी रत्ना सिंह का राजभवन है। श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कालाकांकर रियासत परिवार के और कालाकांकर के ग्राम प्रधान कुंवर मनीष सिंह ने कहा सुमित्रा नंदन पंत का जन्म प्राकृतिक सौंदर्य से ओत प्रोत अल्मोड़ा में हुआ था जिसके कारण उन्हें प्रकृति से बेहद लगाव था। गंगा नदी के तट पर बसा कालाकांकर रियासत भी अपनी प्राकृतिक सौंदर्यता की अपनी गोद में समेटे हुए है जो सुमित्रानंदन पंत को काफी रास आया जिसके कारण वह यह लगभग 10 वर्षों तक रहकर अपनी समस्त महत्वपूर्ण रचनाएं यही पर किया। उनके जीवन काल का यह क्षण कालाकांकर के इतिहास का स्वर्णिम काल है जिसे कालाकांकर के लोग कभी नहीं भुला सकते। पुष्पांजलि अर्पित करने वालों में अवधेश सिंह, आलोक सिंह, उदय भान सिंह, अनूप सिंह, राम सिंह, काजू आदि मौजूद रहे।

कालाकांकर के नक्षत्र में रहकर पंत जी ने की थी महत्वपूर्ण रचनाएं

सुमित्रानंदन पंत्र को श्रद्धा सुमन अर्पित करते अतिथिगण।

सृजना साहित्यिक संस्था ने सुमित्रानंदन पंत के व्यक्तिव पर की चर्चा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सृजना साहित्यिक संस्था के तत्वावधान में सृजना कुटीर अजीतनगर में प्रकृति के सुकुमार कवि सुमित्रा नंदन पन्त की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ साहित्यकार दयाराम मौर्य रत्न ने कहा कि ज्ञानपीठ व पद्मविभूषण जैसे सम्मानों से सम्मानित सुमित्रा नंदन पंत छायावाद के उन्नायक कवि हैं।साहित्य में उनका योगदान युग युगांतर तक प्रेरणादायी रहेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ नाटककार रामबोध पांडेय ने कहा कि छायावादी हिन्दी साहित्य को कालजयी बनाने का श्रेय सुमित्रा नन्दन पन्त को जाता है। प्रतापगढ़ में साहित्य रचकर उन्होंने भारतीय हिन्दी साहित्य में प्रतापगढ़ को अमरत्व प्रदान किया। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी रोशनलाल ऊमर वैश्य ने कहा कि कालाकांकर का राज भवन जैसी साहित्य रचनाएँ युगों-युगों तक सुमित्रा नंदन पंत एवं हिन्दी साहित्य को सदैव अमर रखेंगी। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि आनंद मोहन ओझा ने कहा कि कुटिया नक्षत्र हिन्दी साहित्य नक्षत्र में सुमित्रा नंदन पंत को जीवंत रखेंगी। कसौनी (उत्तराखंड) में जन्मे प्रख्यात साहित्यकार सुमित्रा नंदन पंत के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर वरिष्ठ कहानीकार प्रेम कुमार त्रिपाठी प्रेम, काका श्री, श्रीनाथ मौर्य सरस, अनिल कुमार निलय, अमरनाथ गुप्ता बेजोड़ ने सारगर्भित विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन अनिल कुमार निलय ने किया।

सुमित्रानंदन पंत्र को श्रद्धा सुमन अर्पित करते संस्था के पदाधिकारी।

डाल्फिन पब्लिक स्कूल से परीक्षा देकर बाहर निकलते परीक्षार्थी।

सीबीएसई की इंटर भौतिकी में 1610 परीक्षार्थी परीक्षा में बैठे, 29 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सीबीएसई की आज इंटर भौतिक विज्ञान की परीक्षा छह परीक्षा केन्द्रों पर सम्पन्न हुई जिसमें कुल 1639 परीक्षार्थी पंजीकृत थे जिसमें 29 परीक्षार्थी अनुपस्थित हो गये। 1610 परीक्षार्थियों ने इंटर भौतिकी की परीक्षा अपने-अपने परीक्षा केन्द्रों पर दी। नोडल कोआर्डिनेटर की सूचना के अनुसार न्यू एंजिल्स सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल में 265 में से 258, पीएनडी लालगंज में 349 में 340, डाल्फिन पब्लिक स्कूल दिलीपपुर में 392 में 389, संगम इंटरनेशनल में 341 में से 333, संस्कार ग्लोबल टेउंगा में 223 में 221 तथा जवाहर नवोदय में सभी 69 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में भाग लिया। न्यू एंजिल्स सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल की चेयरपर्सन डा0 शाहिदा ने बताया कि इंटर की मुख्य विषयों की परीक्षा लगभग समाप्त हो गई है। इंटर के वैकल्पिक विषयों की परीक्षा में कम परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित होते हैं। बड़ी परीक्षाएं लगभग समाप्त हो गई है। अभी तक सीबीएसई की परीक्षा में कोई व्यवधान नहीं आया। केवल एक परीक्षा केन्द्र पर एक घंटा लेट पेपर शुरू होने से परीक्षार्थी परेशान हुए थे। जबकि इन परीक्षार्थियों को बाद में एक घंटा अतिरिक्त समय दे दिया गया था।

राजा भैया ने पीड़िता के घर पहुंचकर जताई संवेदना

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। बानेमऊ प्राइमरी स्कूल की लोहे के गेट व दीवार के गिरने से उसमें दबकर कक्षा 3 की छात्रा वन्दना सरोज की मौत की खबर मिलते ही गुरुवार को जनसत्तादल पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजा भईया लखनऊ आवास से सीधे पीड़िता के घर बानेमऊ पहुंचकर गहरी शोक सवेदना ब्यक्त किया। परिजनों से घटना की जानकारी लेते हुए घटना स्थल पर पहुचकर निरीक्षण किया और पीड़ित परिजनों को हर सम्भव सहायता का आश्वासन दिया।

चमरौधा नदी पर पुल बनने के लिए हुआ सर्वे

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। चमरोधा नदी पर पुल बनाने के लिए शुक्रवार को सिचाई विभाग खंड 51 के अधिकारियों ने स्थलीय सर्वे किया। यह पुल गोबरी और कमास के मध्य चमरोधा नदी पर बनेगा जो आसपास के दर्जनों गांवों को जोड़ेगा। बताते चलें कि इसी स्थान के बगल रेलवे का चमरोधा नदी पर पुल बना है। जिस पर गुजरने के दौरान बीते कई वर्षों में सैकड़ों मौतें रेल दुर्घटना के कारण हो चुकी है। इसी बीच सदर विधायक राजेंद्र कुमार मौर्य के प्रयास से सिंचाई विभाग ने सर्वे करके पुल बनाने के लिए प्रयास शुरू कर दिया है। इससे पहले पूर्व विधायक राजकुमार पाल ने भी इसके लिए काफी प्रयास किया था। सहायक अभियंता अभय राज यादव एवं बृजेश कुमार वर्मा ने कमास के प्रधान रामबरन व गोबरी के प्रधान रामकृपाल को साथ लेकर सर्वे किया। गोबरी एवं संग्रामपुर कमास सहित दर्जनों गांवों को जोड़ने वाले इस महत्वपूर्ण रास्ते पर बनने वाले पुल से आसपास के लोगों में काफी प्रसन्नता देखी जा रही है। इस संबंध में सहायक अभियंता अभय राज यादव ने बताया कि विधायक के प्रयास से विभागीय सर्वे वह कर रहे हैं। किसानों की सहमति के बाद जल्द ही यहां पर पुल और रास्ते का निर्माण पूर्ण हो जाएगा। फिलहाल अति आवश्यक पुल के लिए क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के प्रयास को लेकर लोगों में काफी प्रसन्नता देखी जा रही है। सर्वेक्षण के दौरान संग्रामपुर कमास प्रधान प्रतिनिधि अजय मौर्य सहित गांव के लोग उपस्थित रहे।

एमडीपीजी कालेज में नकल करते पकड़ा गया परीक्षार्थी, हुआ रस्टिकेट

महाविद्यालय के आंतरिक सचल दल ने की कार्यवाही

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। एमडीपीजी कॉलेज में सघन तलाशी के बाद ही परीक्षार्थियों को परिसर में प्रवेश दिया गया। प्राचार्य प्रो0 मनोज मिश्र के निर्देशन में आंतरिक सचल दल लगातार सक्रिय रहा और कमरों में भी परीक्षार्थियों की लगातार तलाशी ली गई।

कक्ष संख्या दो में महाविद्यालय के आंतरिक सचल दल ने एक परीक्षार्थी को नकल करते पकड़ा और उसे तत्काल रस्टिकेट कर दिया। आज प्रथम पाली मे बीए प्रथम वर्ष प्राचीन इतिहास बी ए तृतीय वर्ष भूगोल की परीक्षाएं हुईं।

द्वितीय पाली में बीए द्वितीय वर्ष हिंदी साहित्य तथा बीकॉम द्वितीय वर्ष बिजनेस फाइनेंस, तृतीय पाली में बीकॉम भाग तीन की ऑडिटिंग, बीकॉम भाग एक बिजनेस ऑगेर्नाइजेशन तथा बीएससी भाग एक फिजिक्स की परीक्षाएं हुईं। महाविद्यालय के जनसूचना अधिकारी डॉ सी एन पांडे ने बताया कि महाविद्यालय में प्रथम पाली में 734 परीक्षार्थी पंजीकृत थे जिनमें 717 ने परीक्षा दी तथा 17 अनुपस्थित रहे।

द्वितीय पाली में 632 परीक्षार्थी पंजीकृत थे जिनमें 614 ने परीक्षा दी तथा 18 अनुपस्थित रहे। तृतीय पाली में 443 परीक्षार्थी पंजीकृत रहे। आंतरिक सचल दल के शिक्षक डॉ पी के सिंह, डॉ अरविंद मिश्रा, डॉ डी के पांडे, डॉ राजवंत सिंह, डॉ राजेंद्र प्रसाद मिश्र आदि लगातार सक्रिय रहे।

एमडीपीजी कालेज में परीक्षा का निरीक्षण करते प्राचार्य प्रो0 मनोज मिश्र

व्यापारी से अतिक्रमण न करने की व्यापार मण्डल ने की अपील

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के जिलाध्यक्ष राजेंद्र कुमार केसरवानी के नेतृत्व में व्यापारियों का समूह, चैक से लेकर स्टेट बैंक तक के सभी व्यापारियों से अपनी दुकानें, अपने सरहद के अंदर करने का अनुरोध किया, जिससे एम्बुलेंस और वाहनों का आवागमन सुचारू रूप से चलने लगे और प्रशासन द्वारा स्टेट बैंक के सामने लगाए गए बैरियर से व्यापारियों को राहत मिल सके। उपरोक्त अभियान में मुख्य रूप से राजेंद्र कुमार केसरवानी, जिलामहामंत्री-संजय सोनी, सुरेश केसरवानी, सरदार कुलविंदर सिंह, अख्तर राइन, जयप्रकाश खंडेलवाल, नारायण खण्डेलवाल, सरदार महेंद्र सिंह, मनोज सिंह, इफ्तिखार बॉबी, संजय झालानी, गोपाल केसरवानी, अभय खंडेलवाल, मोहम्मद उमर, इकबाल भाई संदीप कुमार, गोलू केसरवानी, प्रदीप यादव आदि अन्य लोग मौजूद रहे।

जीजीआईसी में सड़क सुरक्षा को लेकर हुई गोष्ठी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सुरक्षित ढंग से गाड़ी चलाएं, अपने परिवार का जीवन बचाएं कुछ इसी सोच और जज्बे के साथ जिले के समस्त माध्यमिक विद्यालयों में माध्यमिक शिक्षा विभाग की तरफ से सड़क सुरक्षा के संदर्भ में 10 दिवसीय कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

इसी क्रम में शुक्रवार को राजकीय बालिका इंटर कॉलेज प्रतापगढ़ में प्रधानाचार्य गरिमा श्रीवास्तव के निर्देशन में एवं सड़क सुरक्षा के नोडल अधिकारी डॉ मोहम्मद अनीस के द्वारा एक गोष्ठी का आयोजन करके पूरे स्टाफ को सड़क सुरक्षा के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया और यातायात के नियमों का पूर्ण रुप से पालन करने के लिए सड़क सुरक्षा की शपथ भी दिलाई गई और बताया गया कि हम सड़क पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सड़क सुरक्षा के सभी नियमों का पालन पूर्णतया करें। नशे की हालत में गाड़ी ना चलाएं। इस अवसर डॉ कल्पना, डॉक्टर अस्मत नीलू अंसारी, शिखा श्रीवास्तव, कीर्ति लता जायसवाल, दीप्ति पांडे, मंजू कुशवाहा, रंजना मिश्रा, राम मिलन यादव, सिद्धार्थ श्रीवास्तव, फिरदौस बेगम, शिखा त्रिपाठी, आराधना, यादव मीरा, रिचा मिश्रा, उमर जमील, राजेश यादव, अमित श्रीवास्तव सीमा तबस्सुम, सालेहा बानो, बिनतुस शांति समेत समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहे।

यातायात नियमों की दी गई जानकारी

यातायात नियमों की जानकारी देते नोडल अधिकारी मो0 अनीस।

अंग्रेजी शराब की दुकान में शराब में पानी मिलाकर बेचने में दो अभियुक्त गिरफ्तार

विभिन्न ब्राण्डों की 67 खाली शीशिया व बिक्री के कुल 39260 रुपये बरामद

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल के निर्देशन में अवैध शराब बिक्री/अवैध शराब बनाने की रोकथाम के दृष्टिगत जनपद पुलिस द्वारा निरंतर अभियान चलाकर अपराध/अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में बीती रात्रि में आबकारी निरीक्षक सदर अमित कुमार मय हमराह व थानाध्यक्ष अन्तू अर्जुन सिंह मय हमराह द्वारा मुखबीर खास की सूचना पर थाना क्षेत्र अन्तू के किठावर बाजार में अंग्रेजी शराब की दुकान में से विक्रेता ज्योति प्रकाश जायसवाल को गिरफ्तार किया गया।

मौके से 05 लीटर खुली अवैध शराब 02 थम्सअप तथा एक स्प्राइट की बोतलों में, 10 अदद मैक्डावेल-1 का अवैध जलमिश्रित अद्दा, 45 नकली जिन्दा कैप रायल स्टैग ब्राण्ड, 12 नकली जिन्दा कैप रायल चैलेन्ज ब्राण्ड, विभिन्न ब्राण्डों की 67 खाली शीशिया व बिक्री के कुल 39260 रुपये बरामद किया गया। अभियुक्त द्वारा पूछताछ में ज्ञात हुआ कि इसके अलावा तीन अन्य लोग भी इस कार्य में शामिल हैं। इस सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 255/2022 धारा 60, 64 आबकारी अधि0 व 420, 467, 468, 471 भादवि का अभियोग पंजीकृत किया गया। पुलिस द्वारा उक्त अभियोग से सम्बन्धित 01 और अभियुक्त रोहित सिंह को मुखबीर खास की सूचना पर जनपद प्रयागराज के थाना क्षेत्र कीडगंज के कीडगंज अंग्रेजी शराब ठेका के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों में ज्योति प्रकाश जायसवाल पुत्र स्व0 मोहनलाल जायसवाल निवासी डेरवा बाजार, थाना जेठवारा व रोहित सिंह पुत्र स्व0 हरिनाथ सिंह निवासी उमरी थाना जेठवारा शामिल रहे। पुलिस द्वारा पूछताछ में अभियुक्त ज्योति प्रकाश जायसवाल पुत्र स्व0 मोहनलाल जायसवाल निवासी डेरवा बाजार, थाना जेठवारा जनपद प्रतापगढ़ द्वारा बताया गया कि शराब की बोतलों का बिना सील तोड़े थोड़ी-थोड़ी शराब निकाल लेते हैं और उसमें पानी मिलाकर उसे बन्द कर देते हैं, फिर खाली पड़ी उपयोग की हुई शीशियों को साफ कर उसमें ये शराब तथा पानी मिलाकर नकली कैप लगाकर बन्द कर देते हैं, इन पानी मिश्रित शराब की बोतलों को मैं दुकान से बिक्री कर देता हूँ। शीशियों पर लगाने वाला नकली कैप मेरा साथी रोहित सिंह लाकर देता है, इसके अतिरिक्त मेरे दो और साथी है जो इस काम में मेरी मदद करते हैं।

धार्मिक जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर ग्रामीणों ने जताया आक्रोश, दी तहरीर

लालगंज प्रतापगढ़। कोतवाली लालगंज के पूरे बंशी गांव मे धार्मिक कार्य हेतु उपयोग मे लाये जाने वाली आबादी की जमीन पर दबंग द्वारा अवैध निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों मे आक्रोश बना हुआ है। मामले को लेकर ग्रामीणों ने आरोपी दबंग के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। कोतवाली के पूरे वंशी गांव मे धार्मिक कार्य हेतु उपयोग मे लायी जा रही जमीन पर दबंग द्वारा किये जा रहे अवैध निर्माण को लेकर शुक्रवार को पुलिस को तहरीर देकर ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि उक्त जमीन पर वर्षो से ग्रामीण धार्मिक कार्य करते आ रहे हैं। वहां पूजा पाठ हेतु ग्रामीणों द्वारा विभिन्न देवी देवताओं की मूर्तियां भी रखी गयी है। ग्रामीण धन्नू, अनीता देवी, मीरा सरोज, कमला देवी आदि का कहना है कि प्रधान के सहयोग से दबंग द्वारा उक्त जमीन पर अवैध निर्माण कराया जा रहा है। जिसकी शिकायत पुलिस से पूर्व मे भी की गयी थी। लेकिन इसके बावजूद आरोपी निर्माण कार्य बंद नही कर रहा है। ग्रामीणो का यह भी आरोप है कि आरोपी दबंग ने वहां रखी देवी देवताओं की मूर्ति को भी तोड दिया है। कोतवाल कमलेश पाल का कहना है कि मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की इलाज के दौरान हुई मौत

लोनी नदी के पास अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। गुरूवार की रात प्रतापगढ़ से घर आ रहे युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। सूचना पर पहुँची पुलिस ने परिजनों को जानकारी दी।घायल युवक को जिला अस्पताल ले गए जहां पर इलाज के दौरान मौत हो गई। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के लीलापुर चैकी के अन्तर्गत खरगपुर निवासी अजय शंकर मिश्र (42) गुरूवार की रात अस्पताल में भर्ती भाई की पत्नी से मिलकर बाइक से घर आ रहा था। वह जैसे लगभग रात्रि दस बजे के करीब लोनी नदी के पास पहुंचा कि किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। राहगीरो ने घटना की सूचना पुलिस की दी। मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा जानकारी मिलने पर परिजन भी मौके पर पुहंच गए। आनन-फानन में जिला अस्पताल ले गए जहां पर इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत की घटना को लेकर परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव का पंचनामा करके पीएम के लिए भेज दिया।

रोडवेज की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, एक घायल

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्र के रानीगंज अजगरा निवासी श्रीनाथ पाल(58) साथी सुनील पाल (55) के साथ शुक्रवार को दोपहर में बाइक से लालगंज से घर जा रहा था जैसे ही वह पूरे बीरबल ढ़कवा मोड़ पहुँचा कि सामने से तेज रफ्तार से आ रही परिवाहन निगम की बस ने टक्कर मार दी।बाइक सवार श्रीनाथपाल की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं सुनील पाल गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना की सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा व घायल को एम्बूलेंस से जिला अस्पताल भेजवाया।

डीएम ने मुख्य राजस्व अधिकारी को उप संचालक चकबन्दी का दायित्व सौंपा

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने बताया है कि जनपद में तैनात मुख्य राजस्व अधिकारी/उप संचालक चकबन्दी के अधिवर्षता आयु पूर्ण सेवानिवृत्त होने के कारण जनपद में दोनो पद रिक्त चल रहे थे। शासन के आदेशान्तर्गत जनपद में राकेश सिंह की तैनात मुख्य राजस्व अधिकारी के पद पर की गयी है और आदेश के अनुपालन में यह जनपद में कार्यभार ग्रहण कर चुके है किन्तु उपसंचालक चकबन्दी के पद पर किसी अधिकारी की तैनाती न होने से चकबन्दी विभाग से सम्बन्धित महत्वपूर्ण शासकीय कार्य प्रभावित हो रहे है।

एसपी ने सीओ सदर के पेशकार, कांस्टेबिल व दरोगा को किया सस्पेंड

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। बाघराय थाना इलाके में मारपीट के दौरान मौत के मामले में आरोपियों से साठ-गांठ करने वाले विवेचक दरोगा हरिमोहन राजपूत, सीओ के पेशकार अवधेश द्विवेदी व कांस्टेबल जैनेंद्र कुमार यादव पर लीलापोपी का मामला उजागर होने पर पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने तीनों को सस्पेंड कर दिया। साथ ही सीओ सदर पवन त्रिवेदी और तत्कालीन इंस्पेक्टर अखिलेश यादव के खिलाफ एस पी अंतिल ने जांच बिठाई है। एसपी की इस कार्यवाही से पुलिस महकमे मे हड़कंप मचा हुआ है। बता दें कि इन दिनों शिकायतों को लेकर एसपी कड़ा एक्शन ले रहे हैं।

संदिग्ध दशा में कमरे के भीतर लटकती हुई मिला विवाहिता का शव

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजा

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। संदिग्ध परिस्थितियों में एक विवाहिता का शव कमरे में छत के सहारे लकडी से बंधी रस्सी गले से बंधी और लटकती हुई मिली। विवाहिता के शव को लटकता हुआ देखकर परिजन परेशान हो गए और आनन-फानन में सूचना कंधई थाने में दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पट्टी तहसील क्षेत्र के कंधई थाना अंतर्गत बोझी गांव के रहने वाली सनातन देवी की शादी तीन साल पहले कंधई थाना अंतर्गत दोहरी नागापुर गांव में हुई थी। पति अमर बहादुर घर पर ही रहकर मेहनत मजदूरी करके अपने परिवार का भरण पोषण करता था। दोनों के बीच में आपसी मनमुटाव और अनबन की बात भी बताई जा रही है। गुरुवार की शाम को सनातन देवी ने अपने पिता के पास फोन किया और काफी देर तक बातचीत किया उसके बाद वह कमरे में खाना पीना खाने के बाद सो गई। सुबह काफी देर के बाद जब कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो लोग इकट्ठा हुए और खिड़की खोल कर देखा तो सनातन देवी का शव लटक रहा रहा। सूचना पाकर मौके पर कंधई पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। विवाहिता सनातन देवी की अमर बहादुर के साथ दूसरी शादी थी। इसके पहले लगभग 6 साल पहले उसकी शादी प्रतापगढ़ जनपद के अंतर्गत बिंदागंज गांव में हुई थी लेकिन कुछ अनबन के कारण वहां से रिश्ता टूट गया तो 3 साल पहले नागापुर गांव के रहने वाले अमर बहादुर के साथ उसकी शादी हुई। विवाहिता की मौत पर जहां कंधई थाने की पुलिस पहुंची और पुलिसकर्मियों ने अपने सहकर्मियों के साथ दरवाजा तोड़ा और विवाहिता के शव को बाहर निकाला तो मौके पर क्षेत्राधिकारी पट्टी दिलीप सिंह और पट्टी के नायब तहसीलदार भी मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नामांकन में नम्बर वन-मॉडल प्राथमिक विद्यालय सगरा

कटरा गुलाब सिंह, प्रतापगढ़। विकास खंड लक्ष्मणपुर के मॉडल प्राथमिक विद्यालय सगरा के शिक्षकों की मेहनत रंग लाई और केवल कक्षा एक में 70 बच्चों का नया एडमिशन पूरा हुआ। विद्यालय के प्रधानाध्यापक संतोष कुमार पांडेय के कुशल नेतृत्व में अध्यापकों के कठिन परिश्रम के उपरान्त सम्भव हो सका।यहां की गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा को देखकर अभिभावक स्वयं आकर अभी भी अपने पाल्यों का नामांकन करा रहे हैं। अध्यापकों की मेहनत का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इसी विद्यालय की कक्षा पाँच की छात्रा साक्षी नें ब्लाक में प्रथम और जनपद में द्वितीय स्थान हासिल किया है। ब्लाक लक्ष्मणपुर के खंड शिक्षा अधिकारी गौतम प्रसाद नें प्रशस्ति पत्र एवं एआरपी डॉ संजीत शुक्ल,विजय विश्वकर्मा, मो नसीम, आशीष खरे, रवीन्द्र कुमार पटवा नें विशिष्ट उपहार देकर सम्मानित किया।एआरपी डॉ संजीत शुक्ल नें प्रवअव संतोष कुमार पांडेय के नेतृत्व क्षमता की मुक्त कण्ठ से सराहना किया। इस अवसर पर विकास खंड लक्ष्मणपुर के प्रवशिव संघ के ब्लाक अध्यक्ष निर्भय सिंह, मंत्री सुधीर मिश्र, नोडल संकुल शिक्षक मत्स्येन्द्रनाथ मिश्र, माहेश्वर शुक्ल व सभी संकुल शिक्षक उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

महिला उत्थान एवं जागृति संस्थान ने तालाबों में पानी भराने की मांग की

कौशाम्बी। तपन भरी धूप में पशु पक्षी पानी के लिए व्याकुल है और ग्राम पंचायतों के तालाबों में पानी नहीं भरे जा रहे हैं जबकि शासन ने तालाबों में पानी भरने के पूर्व से निर्देश दिए हैं पशु पक्षियों की व्याकुलता को देखते हुए महिला उत्थान एवं जागृति संस्थान की अध्यक्ष अंजना मिश्रा ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर सूखे तालाबों में पानी भरवाने की अपील की है उन्होंने बताया कि इब्राहिमपुर पवारा बराई बंधवा मीरापुर शुक्लन का पुरवा अर्कामहावीर पुर सहित क्षेत्र के तमाम तालाबों में धूल उड़ रही है जिससे पशु पक्षियों को भीषण गर्मी में पानी नहीं मिल पाता और पानी के बिना पशु पक्षियों की अकाल मौत हो रही है पशु पक्षियों को संरक्षित करने के लिए तालाब में पानी भराया जाना आवश्यक है।

नाबालिग बच्ची के साथ रेप का प्रयास पुलिस ने दर्ज किया एनसीआर

कौशाम्बी। कड़ा धाम कोतवाली क्षेत्र के बारा हवेली खालसा गांव में 12 मई को घर में अकेली एक नाबालिग दलित बच्ची के साथ पड़ोसी युवक ने रेप का प्रयास किया था बच्ची से रेप का प्रयास करने के मामले पर उसके परिजनों ने आरोपी युवक के घर में उलाहना दिया जिस पर आरोपियों ने पीड़ित बच्ची के परिजनों के साथ गाली गलौज मारपीट किया है मामले की सूचना पीड़ित बच्ची के पिता ने कड़ा धाम कोतवाली पुलिस से की जिस पर पुलिस ने एनसीआर दर्ज कर लिया है मामले की शिकायत आईजीआरएस के साथ-साथ पुलिस अधीक्षक से 16 मई को पीड़ित परिवार ने किया है लेकिन मामले में मुकदमा नहीं दर्ज हुआ है बताया जाता है कि नाबालिग बच्ची के साथ रेप की कोशिश की गई थी महिला उत्थान एवं जागृति संस्थान की अध्यक्ष अंजना मिश्रा पीड़ित बच्ची को इलाज कराने के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंची है जिला अस्पताल में पीड़ित बच्ची का इलाज चल रहा है।

विश्व दिव्यांग दिवस पर राज्य स्तरीय पुरस्कार हेतु करेंवेदन

कौशाम्बी। जिला दिव्यांग जन सशक्ती करण अधिकारी अश्वनी कुमार ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति 03 दिसम्बर विश्व दिव्यांग दिवसह्ल के अवसर पर दक्ष दिव्यांग कर्मचारी स्वतः व स्वैच्छिक संगठनों इत्यादि को राज्य स्तरीय पुरस्कार दिये जाने का प्रावधान है। उन्होंने बताया है कि दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्य कर रहे दिव्यांग कर्मचारी/स्वतः रोजगार एवं स्वैच्छिक संगठनों द्वारा राज्य स्तरीय पुरस्कार पाने हेतु प्रस्ताव 15 जुलाई, 2022 तक उनके कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी मंझनपुर में उपलब्ध करा सकतें हैं।

उत्तर प्रदेश शासन अपना आदेश वापस ले वरना आंदोलन रत रहेंगे अधिवक्ता : मनु देव

विरोध प्रदर्शन कर न्यायिक कार्य से विरत रहे अधिवक्ताओ ने डीएम के माध्यम से सीएम को भेजा ज्ञापन

अखड भारत संदेश

कौशाम्बी। बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के आवाहन पर जिले भर के अधिवक्ता आज आंदोलन रत रहे कचहरी परिसर में अधिवक्ताओं ने बैठक कर न्यायिक कार्य से विरत रहने का निर्णय लिया है।मॉडल डिस्ट्रिक्ट बार एसो सिएशन कौशांबी के जिलाध्यक्ष मनु देव त्रिपाठी की अध्यक्षता में अधिवक्ता एकत्रित हुए और बैठक कर बार काउंसिल उत्तर प्रदेश के आवाहन पर विरोध दिवस मनाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया है इस दौरान अधिवक्ताओं ने निर्णय लिया कि उत्तर प्रदेश शासन के आदेश के विरोध में अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहेंगे और विरोधी दिवस मनाएंगे बैठक के बाद विरोध प्रकट करते हुए अधिवक्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे और मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश शासन अपना आदेश वापस ले वरना अधिवक्ता आंदोलनरत रहेंगे इस आंदोलन में पूर्व अध्यक्ष नरनारायण मिश्रा वर्तमान अध्यक्ष मनुदेव त्रिपाठी महामंत्री तुषार तिवारी अजय पांडेय दीप नारायण तिवारी अंकित त्रिपाठी सतीश कुमार सरोज दिनेश पांडेय विपिन त्रिपाठी मोहम्मद यूसुफ विकास मिश्रा सहित तमाम अधिवक्ता मौजूद रहे।

ज्ञापन सौंपते अधिवक्ता

विधुत छापामार कार्यवाही में पहले तो काटी लाइट फिर बीस बीस हजार रुपये लेकर छोड़ा

भरवारी कौशाम्बी। नगर पालिका परिषद भरवारी के कस्बा भरवारी में अपने को बेदाग कहलाने वाले यस डी ओ भरवारी का आलम यह है कि जब भी इनको रुपयों की आवश्यकता पड़ती है तो अपने क्षेत्र में निकलकर धन दोहन शुरू कर देते है धनादोहन के बाद फिर रफू चक्कर हो जाते है ऐसा ही एक मामला लगभग एक सप्ताह पूर्व कस्बा भरवारी का है जहां जांच के नाम पर यस डी ओ अपनी टीम के साथ क्षेत्र में निकले और उसके बाद भोली भाली जनता के साथ घिनौना खेल खेलते हुए उपभोक्ता के घर घुसकर उसको अर्दब देते हुए उसकी लाइट काट दिया उपभोक्ता जब तक कुछ समझ पाता तब तक उसका कनेक्शन काटकर उससे उनके दलाल कर्मचारियो द्वारा कार्यालय बुलाकर सेटिंग गेटिंग का खेल चालू हो गया इतना ही नही उसको इतना डरवा दिया जाता है कि वह डर कर रुपये से सौदा कर बैठता है। एसडीओ के दलालो का मन इतना बड़ा है कि रुपयो की बोली पचास हजार से शुरू होकर पंद्रह से बीस हजार से ऊपर तक रुपयो का तापमान गिर जाता है ' और ईमानदारी का चोगा पहने यस डी ओ अपनी जेब भरकर कुछ दिनों के लिए गायब हो जाते है इनके कार्यो से यहा की जनता त्रस्त है इसी उगाही के चलते मनौरी बाजार में वहा के व्यापारियों द्वारा इनका लात जूतों से स्वागत भी हो चुका है उसके बाद भी इनकी आदत ज्यो की त्यों बनी हुई है जिसके चलते विभाग की छवि धूमिल होती नजर आ रही है।

नाबालिग लड़की की बरामदगी में विलंब पर आक्रोश

अखंड भारत संदेश

डेढ़ महीने पूर्व नाबालिग लड़की को गायब करने में आधा दर्जन लोगों के नामजद होने के बाद गिरफ्तारी न होने पर आक्रोशित परिजनों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में किया प्रदर्शन

अझुवा कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र से एक नाबालिग लड़की को डेढ़ महीने पूर्व आधा दर्जन लोग बहला फुसलाकर उठा ले गए थे मामले में आधा दर्जन लोगों के विरुद्ध पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है लेकिन डेढ़ महीने बीत जाने के बाद भी पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की है जिससे गायब बालिका नहीं बरामद हो सकी डेढ़ महीने बाद भी बालिका के ना बरामद होने से आक्रोशित परिजनों ने सभासद के नेतृत्व में पुलिस अधीक्षक कार्यालय में प्रदर्शन कर थाना पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए बालिका की बरामदगी कराए जाने और आरोपियों की गिरफ्तारी कराए जाने की मांग की है। जानकारी के मुताबिक सैनी कोतवाली क्षेत्र की नगर पंचायत अझुवा वार्ड नं 7 बहुआ की एक बालिका को उसी वार्ड के निवासी व्यक्ति का रिश्तेदार 8 अप्रैल को लेकर फरार हो गया था उसकी बरामदगी में हुई विलंब और स्थानीय पुलिस की निष्क्रियता को लेकर परिजनों ने रिश्तेदारों वार्ड वासियों के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय मंझनपुर में पुलिस प्रशासन मुदार्बाद के नारे लगाते हुए नाबालिग लड़की को बरामद करने की मांग की है। पीड़ित परिजन राकेश कुमार निवासी वार्ड नं 7 बहुआ के अनुसार उसकी नाबालिग पुत्री को अरविंद कुमार उसकी पत्नी प्रीति देवी निवासी वार्ड 7 बहुआ नगर पंचायत अझुवा ने अपने भाई रोहित व अंकुल पुत्रगण अरविंद निवासी हथगाम फतेहपुर ,शुभम पाल पुत्र रोशन लाल निवासी बिछार हथगाम ,रोहन पुत्र रमेश निवासी हथगाम साजिश कर बहला फुसलाकर भगा ले गए जिसकी तहरीर पीड़ित परिजनों ने 8 अप्रैल को स्थानीय पुलिस को दिया जिसका मुकदमा 12 अप्रैल को विभिन्न धाराओं में पंजीकृत कर गायब नाबालिग लड़की की बरामदगी के मामले में टाल मटोल करती रही परिजन चौकी थाना बारंबार दौड़ते रहे परिजन राकेश ने बताया कि आरोपी दबंग और शोरेपुस्त हैं जातिसूचक गालियां देते हुए धमकी देते हैं चाहे जहां चले जाओ कुछ नही होगा ज्यादा भागदौड़ करोगे तो जान से मार दिए जाओगे आज दिनांक 20 मई शुक्रवार को आक्रोशित परिजनों ने वार्ड सभासद सुघर सिंह के साथ पुलिस अधीक्षक से मिलकर न्याय की गुहार लगाई है इस दौरान परिजन सैकड़ों महिला पुरुषों के साथ पुलिस प्रसाशन मुदार्बाद के नारे लगाए।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में प्रदर्शन करते ग्रामीण

गैस सिलेंडर में लगी आग गृहस्थी जलकर खाक

अखंड भारत संदेश

गैस सिलेंडर कंपनियों की एक बार फिर उजागर हुई बड़ी लापरवाही

इमामगंज कौशाम्बी। गैस सिलेंडर कंपनियों की एक बार फिर बड़ी लापरवाही उजागर हुई है कंपनी की एजेंसी धारकों ने उपभोक्ताओं को लीकेज गैस सिलेंडर सप्लाई कर दिया है कंपनी द्वारा सप्लाई किया गया गैस सिलेंडर चूल्हे में लगाने के बाद चूल्हा जलाते ही सिलेंडर ने आग पकड़ लिया जिससे परिवार का सामान जल गया है थाना कौशाम्बी अंतर्गत धाना निवासी गणेश पाल के घर में सिलेंडर मे आग लगने से घर की गृहस्थी जल कर राख हो गईं इसके पहले भी गैस सिलेंडर कंपनियों की लापरवाही के चलते कई घरों में आग लग चुकी है।

जानकारी के अनुसार कौशांबी थाना क्षेत्र के गणेश पाल की पत्नी उषा देवी गुरुवार को खाना बनाने के लिए गैस चूल्हे के पास पहुंची जैसे ही ऊषा देवी ने गैस चूल्हा जलाया तभी रेगुलेटर मे अचानक आग लग गयी देखते ही देखते तेज लपटों के साथ गैस सिलेंडर जलने लगा काफी प्रयास के बाद भी आग पर परिजन काबू नहीं पा सके और गैस सिलेंडर फट गया इस अग्निकांड में घर में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया जैसे ही गैस सिलेंडर में आग लगने की घटना की सूचना गांव वालो को मिली लोग तुरंत आग बुझाने के लिए दौड़ पड़े किसी तरह गांव वालो ने आग पर काबू पाया इस अग्निकांड में गृह स्वामी का पूरा सामान जलकर खाक हो गया है लोगो के अनुसार किसी की जान की हानि नहीं हुई है।

सिलेंडर से लगी आग के बाद जला हुआ सामान

पत्नी ने लाठी-डंडे से पीट-पीटकर पति को किया घायल

चरवा कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र के पिपरी गांव निवासी दलित संजय पुत्र अशफीर्लाल शुक्रवार को मेहनत मजदूरी करके अपने घर वापस आया और संजय ने अपने पत्नी शकुन देवी से खाना मांगा बस इतनी सी बात को लेकर पत्नी ने लाठी-डंडे से पति को मारना शुरू कर दिया संजय ने जब विरोध किया तो संजय की पत्नी ने संजय को गाली गलौज करते हुए लाठी-डंडों से जमकर पीटा जिससे संजय बुरी तरह से घायल हो गया संजय ने शनिवार को स्थानीय थाना चरवा में शिकायत पत्र दिया पुलिस ने लहूलुहान संजय को मेडिकल के लिए स्थानीय अस्पताल चरवा भेज दिया

2 मनचलों पर गम्भीर धाराओं में मुकदमा दर्ज

कौशाम्बी। पैंसा कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में बीती शाम कुछ युवतियां शौच को जा रही थीं 2 मनचलों ने टार्च की रोशनी दिखाकर फब्तियां कसने लगे युवतियों ने विरोध किया तो साथ रही मां को पीट दिया रात में ही युवतियाँ परिजनों संग पइंसा थाना पहुंची जहां सुनवाई नही होने पर पुलिस अधीक्षक से मिलकर कार्रवाई की गुहार लगाई एसपी के आदेश पर पुलिस ने पास्को एससी एसटी सहित गम्भीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

भवंस मेहता भरवारी के अध्यापक ने लिया देहदान का निर्णय

भरवारी कौशाम्बी। भवंस मेहता विद्याश्रम, भरवारी के वरिष्ठ शिक्षक राम सनेही श्रीवास्तव ने अपने मृत्यु के उपरांत अपने मृत शरीर को मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के छात्रों को शोध कार्य हेतु दान करने का संकल्प लिया है मरने के बाद जानवरों के शरीर की कुछ न कुछ उपयोगिता रहती है परन्तु अपने को श्रेष्ठ कहने वाले मनुष्य के शरीर की कुछ भी उपयोगिता नहीं रह जाती इसीलिए उन्होंने देहदान किया है। पिछले 26 वर्षों से भवन्स मेहता विद्याश्रम में अंग्रेजी पढ़ा रहे एवं 18 वर्षों से गायत्री परिवार से जुड़े राम सनेही का कहना है कि उनका एकमात्र पुत्र 7 वर्ष की उम्र से ही गायत्री मंत्र में शांति कुंज, हरिद्वार में विधिवत दीक्षित है और वर्तमान में इंडियन नेवी में लेफ्टिनेंट कमांडर के रूप में कार्यरत है। उनकी तीन बेटियां हैं और सभी गायत्री मंत्र में दीक्षित हैं और शादी शुदा हैं। उनकी पत्नी सरोज, बेटा लेफ्टिनेंट सौरभ श्रीवास्तव और बहू डा. प्रेरणा श्रीवास्तव सभी ने उनके इस संकल्प की सराहना की है और लिखित सहमति प्रदान की है। बातचीत में उन्होंने बताया कि इसकी प्रेरणा उनको भरवारी के गायत्री परिवार के प्रथम देहदानी श्री रमाशंकर केसरवानी से मिली जिनके साथ वे पहली बार सपरिवार 2004 में शांति कुंज हरिद्वार गये थे और गायत्री मंत्र की दीक्षा ली थी।उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भरवारी के तीन लोग इस पवित्र उद्देश्य के लिए अपना देहदान कर चुके हैं। 18 मई 2022 को जब मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य को राम सनेही का संकल्प पत्र प्राप्त हुआ तो उन्होंने राम सनेही को वीडियो काल करके उनके इस कार्य की सराहना की एवं धन्यवाद दिया इस पुनीत कार्य के लिए वे अपने सद्गुरु वेदमूर्ति, तपोनिष्ठ एवं गायत्री परिवार के संस्थापक पंडित श्री राम शर्मा, आचार्य का आभार प्रकट करते हैं जिनकी कृपा से आज उनका पूरा परिवार खुशहाल है और सुसंस्कारित है।

न्यूज झरोखा

डीएम एवं एसपी ने भ्रमण कर शान्ति व्यवस्था का लिया जायजा

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार एवं पुलिस अधीक्षक हेमराज मीणा ने शुक्रवार को मंझनपुर ओसा दीवर कोतारी एवं करारी का भ्रमण कर शान्ति एवं कानून व्यवस्था का जायजा लिया एवं सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर प्रतिदिन थाना पुलिस अपने अपने क्षेत्र में पैदल गस्त क्षेत्र भ्रमण कर रही है और आम जनता को सुरक्षा का एहसास करा रही है।

स्कूली बच्चों ने निकाली सड़क सुरक्षा सप्ताह जागरूकता रैली

कौशाम्बी। धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन कनवार अझुवा में शुक्रवार को सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत स्कूली बच्चों को सड़क सुरक्षा के नियमो की जानकारी के साथ शपथ दिलायी गयीं।तदोपरान्त छात्र छात्राओं ने प्रभात फेरी के माध्यम से ग्रामीणों को सड़क सुरक्षा के नियमो की जानकारी देते हुये जागरूक किया कानेमई ग्रामसभा के ग्राम प्रधान शिव जी ने सड़क सुरक्षा सप्ताह जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस कार्यक्रम के अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. रामकिरण त्रिपाठी, अमित त्रिपाठी, धन्वन्तरि कुमार,धर्मेन्द्र कुमार,अनुराग त्रिपाठी,शिवदत्त पाण्डेय आदि शिक्षक एवं छात्र छात्रायें उपस्थित रहें।

शार्ट सर्किट से जला एटीएम पांच लाख की नगदी खाक

अझुवा कौशाम्बी। कड़ा धाम कोतवाली क्षेत्र के अलीपुर जीता के बैंक आफ बडौदा के एटीएम में बीती रात आग लग गई है जिससे एटीएम मशीन पूरी तरह से जल गई है एटीएम मशीन के अंदर रखे नकदी रुपए भी जल गया है देर शाम तक बैंक अधिकारी ने बताया कि एटीएम के अंदर 5 लाख 19 हजार रुपए की रकम रखी थी जो जल गई है इनवर्टर यूपीएस फर्नीचर सब कुछ इस अग्निकांड में जलकर खाक हो गया है मामले की सूचना बैंक अधिकारियों ने पुलिस को दी है।

बाइक सवारों को टक्कर मारने के बाद नाले में घुसा ट्रैक्टर

कौशाम्बी। जनपद मुख्यालय मंझनपुर के गांधीनगर में नगर पालिका मंझनपुर के ट्रैक्टर चालक ने बाइक सवार युवकों को टक्कर मारने के बाद अनियंत्रित होकर नाले में घुस गया है इस हादसे में बाइक सवार तीन युवकों को चोटें आई हैं घायलों को इलाज के लिए स्थानीय चिकित्सक को दिखाया गया है बताया जाता है कि गांधीनगर पाता के तीन युवक बाइक से मंझनपुर चौराहे की ओर जा रहे थे जैसे ही बाइक सवार युवक सड़क पर पहुंचे नगरपालिका के अनियंत्रित ट्रैक्टर ने बाइक में टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार सड़क पर गिर पड़े हैं बाइक में टक्कर लगने के बाद ट्रैक्टर चालक बौखला गया है और हड़बड़ाहट में उसका ट्रैक्टर बगल के नाला में चला गया है जिससे ट्रैक्टर का भी नुकसान हुआ है

चोरी के माल के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

कोखराज थाना क्षेत्र के बालक मऊ गांव में 13 मई को बेखौफ बदमाशों ने घटना को दिया था अंजाम

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के बालक मऊ गांव में एक सप्ताह पहले 13 मई की रात को चोरी की घटना को अंजाम देकर लाखों रुपए के सोने चांदी जेवरात नगदी चोर उठा ले गए थे चोरी की घटना का कोखराज पुलिस ने खुलासा कर दिया है मुखबिर की सटीक जानकारी पर दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर चोरी गए सामानों की बरामदगी पुलिस ने कर लिया है मामले की जानकारी अपर पुलिस अधीक्षक ने दी है जानकारी के मुताबिक कोखराज थाना क्षेत्र के बालक मऊ गांव निवासी शंकर लाल पटवा पुत्र दुर्गा प्रसाद पटवा के घर से डेढ़ लाख रुपए से अधिक कीमत के सोने-चांदी के जेवरात नगदी चोर उठा ले गए थे इस घटना में अखिलेश पुत्र मोतीलाल उसके साथी अमरीश पुत्र ओमप्रकाश और अनुज पुत्र शिव शंकर को नामजद कराया गया था मामले की जांच के दौरान पुलिस ने अखिलेश और अमरीश को गिरफ्तार कर लिया है जिनके कब्जे से चोरी के माल बरामद हुए हैं पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

उत्कृष्ट ग्रामोद्योगी उद्यमी पुरस्कार हेतु 31 मई तक करें आवेदन

कौशाम्बी उ0प्र0 खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं में विगत 05 वर्षों में स्थापित एवं निरन्तर कार्यरत कम पूँजी पर अधिक रोजगार देने वाली कम से कम 04 उत्कृष्ट ग्रामोद्योगी इकाइयों को उत्वाहवर्धन हेतु जनपद एवं मण्डल स्तर पर गठित चयन समिति द्वारा पुरस्कृत किया जायेंगा। यह जानकारी जिला ग्रामोद्योग अधिकारी महेन्द्र कुमार मिश्र ने देते हुए बताया कि ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा वित पोषित खादी एवं ग्रामोद्योगी अच्छी एवं उत्कृष्ट उत्पाद/बिक्री निरन्तर 05 वर्षों से करने वाली इकाइयां/उद्यमी पुरस्कार प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र उनके कार्यालय कक्ष सं0-44 विकास भवन, मंझनपुर में दिनांक 31 मई 2022 तक जमा कर सकतें हैं।

योगी सरकार का खौफ पात्रों के साथ आपात्र भी सरेंडर कर रहे राशन कार्ड

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत गरीबों को निशुल्क राशन वितरण किए जाने की योजना में योगी सरकार के एक नए निर्देश ने आपात्र राशन कार्ड धारकों के साथ-साथ पात्र राशन कार्ड धारकों में भी खलबली मचा दी है कोरोना महामारी काल में देश में रोजगार बंद हो गए थे गरीब मजदूर भूखे मर रहे थे सरकार ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत महीने में दो बार प्रत्येक यूनिट पर पांच 5 किलो राशन देने की घोषणा की गरीबों को निशुल्क राशन मिल जाने से कुछ दिन उनके किसी तरह से गुजर गए लेकिन अब इसी योजना के अंतर्गत सरकार राशन की रिकवरी कराने की योजना बना चुकी है अब पात्र अपात्र का चयन अधिकारी और कर्मचारी करेंगे और जांच के दौरान

जांच के दौरान अधिकारियों कर्मचारियों ने जिसे अपात्र कर दिया उससे राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के निशुल्क राशन योजना के नाम पर लाखों की वसूली की तैयारी में लगे हैं

अधिकारियों कर्मचारियों ने जिसे अपात्र कर दिया उससे राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के निशुल्क राशन योजना के नाम पर लाखों की वसूली होगी जिससे कार्ड धारकों के बीच बेचैनी बढ़ गई है।

प्रशासन ने चेतावनी जारी करते हुए कार्ड धारकों से कहा था कि जो अपात्र लोगों ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अंतर्गत राशन कार्ड बनवा लिया है और निशुल्क राशन का लाभ उठा रहे हैं वह अपने राशन कार्ड को तत्काल सरेंडर कर दें वरना बाजार के मूल्य से कीमत जोड़कर और उस कीमत पर ब्याज के साथ राशन की रिकवरी कार्ड धारकों से कराई जाएगी वर्तमान परिस्थितियों में जब देश भ्रष्टाचार और अफसर गिरी से जूझ रहा है तो कैसे पात्रता की श्रेणी पारदर्शी तरीके से तय होगी यह वर्तमान व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा है पात्रता की श्रेणी क्या है अपात्र कौन है यह बड़ा विषय है जिससे कार्ड धारक असमंजस की स्थिति में है इस बीच जिला पूर्ति अधिकारी द्वारा जारी अपील के बाद कार्ड धारकों में बेचैनी बढ़ गई है जहां अपात्र अपने राशन कार्ड को सरेंडर करने के लिए जिला पूर्ति अधिकारी के कार्यालय पहुंच रहे हैं वही योजना के पात्र कार्ड धारक भी अपने राशन कार्ड को सरेंडर कर योजना की जांच की मुसीबत से बचना चाहते हैं सरकार के इस आदेश से कि आपात्रों से खाद्यान्न की कीमत की रिकवरी कराई जाएगी।

2 बच्चों की माँ जीजा के भाई के साथ फरार

कौशाम्बी। परिवार चलाने के लिए पति बिहार प्रांत में जाकर एक ईंट भट्ठे में मजदूरी करता है घर में अकेली महिला का दिल जीजा के भाई पर आ गया और मौका पाकर महिला अपने जीजा के भाई के साथ फरार हो गई है महिला घर से नगदी और जेवर भी लेकर फरार हुई है मामले की सूचना पीड़ित पति ने पुलिस को दी है । चरवा थाना क्षेत्र के समसपुर गांव के दिलीप कुमार पुत्र हीरालाल मेहनत मजदूरी करने के लिए बिहार के एक ईंट भट्ठा चले गए थे और एक सप्ताह पहले दिनांक 13 मई को दिलीप की पत्नी घर में बिना किसी से बताएं अपने जीजा के भाई के साथ फरार हो गई है बताया जाता है कि दोनों के नयन मटक्के बहुत दिनों से चल रहे थे महिला अपने दो बच्चों को भी अपने साथ ले गई है पुलिस को दिए शिकायती पत्र के मुताबिक महिला के जीजा के भाई हरिश्चंद्र पुत्र रामलोटन लाला का पूरा थाना पिपरी के रहने वाले है और पति के बिहार प्रांत में ईंट भट्ठा चले जाने के बाद मौका पाकर आए दिन वह महिला से मिलने उसके घर आते थे महिला के जीजा के भाई के साथ फरार हो जाने पर गांव के लोगों ने युवक को फोन के जरिए जानकारी दी जिस पर दिलीप शुक्रवार को विहार के ईट भट्ठे से वापस घर आया और पत्नी की बेवफाई की तहरीर स्थानीय पुलिस थाने में देकर कार्यवाही की मांग की है।

योगी सरकार के अधिकारियों ने सैकड़ों गरीबों का छीन लिया रोजगार

अखंड भारत संदेश

नगर पालिका के अधिकारियों के निर्देश पर छीने गए गरीबों के रोजगार

मंझनपुर चौराहे से अतिक्रमण हटाए जाने के दौरान मौजूद भीड़ और पुलिस

कौशांबी। पूरे उत्तर प्रदेश की सड़क की पटरियों पर गरीब गोमटी ठेलिया के सहारे छोटी-छोटी दुकानें चाय पान की लगाकर अपने परिवार का जीविकोपार्जन करता है लेकिन योगी सरकार के अधिकारी कौशांबी के छोटे छोटे दुकानदारों के दुश्मन बन चुके हैं और उनके गोमती ठेलिया को हटाकर उनका रोजगार छीनने में लगे हैं जिलाधिकारी सुजीत कुमार ने गुरुवार को मंझनपुर नगर पालिका के पार्किंग स्थलों का निरीक्षण किया। साथ ही सभी वाहनों को पार्किंग स्थल पर ही खड़ा कराने का निर्देश दिया। पार्किंग स्थल के बाहर खड़े कई वाहनों को सीज भी करवा दिया गुरुवार को डीएम सुजीत कुमार मंझनपुर एसडीएम प्रखर उत्तम, सीओ सीटी, ईओ सुनील कुमार मिश्र के साथ मंझनपुर, सिराथू व समदा रोड के पार्किंग स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें पार्किंग स्थल में बाकी कार्यो को जल्द दुरुस्त कराने का निर्देश साथ ही सड़क किनारे खड़े विक्रम,ऑटो, ई-रिक्सा को थाने में खड़ा करवा कर सीज करने का भी निर्देश दिया। डीएम के निर्देश के बाद कई वाहनों को मंझनपुर कोतवाल ने सीज कर दिया। पुलिस की इस कार्यवाही से वाहन चालकों और पटरी पर लगे दुकानदारों में हड़कंप मच गया। मंझनपुर चौराहा के सड़क की पटरी पर गोमती ठेलिया या पटरी पर पल्ली बिछा कर जीविकोपार्जन करने वाले छोटे गरीब दुकानदारों के लिए योगी सरकार के अधिकारी मुसीबत बन कर खड़े हैं गरीबों के गोमती ठेलिया को हटा दिया गया है जिससे इन गरीबों का रोजगार छिन गया है जिनके सामने 2 जून रोटी की शामत आ गई है सरकार एक तरफ गरीबों को रोजगार देने की बात कर रही है लेकिन योगी सरकार के अधिकारी गरीबों के रोजगार छीनने पर लगे हैं और योगी सरकार के माननीय गरीबों की मुसीबत पर जुबान खोलने को तैयार नहीं दिखाई पड़ रहे हैं।

संपादकीय

राजीव के हत्यारे की रिहाई के मायने

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के हत्यारे एजी पेरारिवालन को सर्वोच्च न्यायालय ने रिहा कर दिया। इस पर तमिलनाडु में खुशियां मनाई जा रही हैं। उस हत्यारे और उसकी मां के साथ मुख्यमंत्री एमके स्टालिन गले मिल रहे हैं। हत्यारे की कलम से लिखा गया एक लेख दिल्ली के एक अंग्रेजी अखबार ने छापा है, जिसमें उसने उन लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया है, जिन्होंने उसकी कैद के दौरान उसके साथ सहानुभूतियां दिखाई थीं। तमिलनाडु के अन्य प्रमुख दल भी उसकी रिहाई का स्वागत कर रहे हैं। तमिलनाडु कांग्रेस ने बड़ी दबी जुबान से इस रिहाई का विरोध किया है। कहने का तात्पर्य यह कि इस मामले में तमिलनाडु की सरकार और जनता जरा भी दुखी मालूम नहीं पड़ रही है। यह अपने आप में कितने दुख की बात है? यदि श्रीलंका के तमिलों के साथ हमारे तमिल लोगों की प्रगाढ़ता है तो इसमें कुछ बुराई नहीं है लेकिन इसके कारण उनके द्वारा किए गए इस हत्याकांड की उपेक्षा की जाए, यह बात समझ के बाहर है। तमिलनाडु सरकार इस बात पर तो खुशी प्रकट कर सकती है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में राज्यपाल को नीचे खिसका दिया और तमिलनाडु सरकार को ऊपर चढ़ा दिया। राज्यपाल ने प्रदेश सरकार के इस प्रस्ताव पर अमल नहीं किया कि राजीव गांधी के सातों हत्यारों को, जो 31 साल से जेल में बंद हैं, रिहा कर दिया जाए। राज्यपाल ने सरकार का यह सुझाव राष्ट्रपति के पास भेज दिया था। सर्वोच्च न्यायालय ने पेरारिवालन की याचिका पर फैसला देते हुए संविधान की धाराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्यपाल के लिए अनिवार्य है कि वह अपने मंत्रिमंडल की सलाह को माने। इसीलिए दो-ढाई साल से राष्ट्रपति के यहां झूलते हुए इस मामले को अदालत ने तमिलनाडु सरकार के पक्ष में निपटा दिया। इस फैसले ने तो यह स्पष्ट कर दिया कि राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए अपने मंत्रिमंडलों की सलाह को मानना अनिवार्य है लेकिन प्रांतीय सरकार की इस विजय का यह डमरू जिस तरह से बज रहा है, उसकी आवाज का यही अर्थ निकाला जा रहा है कि राजीव गांधी के हत्यारे की रिहाई बधाई के लायक है। अब जो छह अन्य लोग, जो राजीव की हत्या के दोषी जेल में बंद हैं, वे भी शीघ्र रिहा हो जाएंगे। उनकी रिहाई का फैसला भी तमिलनाडु सरकार कर चुकी है। लगभग 31 साल तक जेल काटनेवाले इन दोषियों को फांसी पर नहीं लटकाया गया, यह अपने आप में काफी उदारता है और अब उन्हें रिहा कर दिया जाएगा, यह भी इंसानियत ही है लेकिन हत्यारों की रिहाई को अभिनंदनीय घटना का रूप देना किसी भी समाज के लिए अशोभनीय और निंदनीय है।

कहीं औपचारिकता बनकर ही न रह जाए आतंकवाद विरोधी दिवस

डॉ उमेश प्रताप वत्स

भारत के कश्मीर, नागालैंड, पंजाब, राजस्थान, असम, बिहार , महाराष्ट्र, दिल्ली आदि विशेषरूप से आतंक से प्रभावित रहे हैं। यह भी देखने में आया है कि जिन देशों में लोकतंत्र है, बोलने की, अभिव्यक्ति की आजादी है व धार्मिक गतिविधियों के लिए आजादी है उन्हीं देशों में ये अमानवीय आतंकी संगठन पैर पसार रहे हैं अर्थात आजादी का नाजायज लाभ उठाने में सिद्धहस्त है ये आतंकी। आतंकवाद भारत की प्रमुख सबसे बड़ी समस्या है, जिसने भारतीय शासन-व्यवस्था को जर्जर कर दिया है

आज पूरे देश में आह्वान किया जा रहा है कि सभी नागरिक चाहे विद्यार्थी हो या कर्मचारी, व्यवसायी हो या कलाकार अपने-अपने कर्म-स्थल पर आतंकवाद के विरोध में डटकर खड़ा होने के लिए शपथ अवश्य लें। सरकारी अमला एवं विविध विभाग प्रशासनिक पत्राचार के माध्यम से आतंकवाद के विरुद्ध शपथ तो दिला देंगे किंतु लोगों की मानसिकता कैसे बदल पायेंगे, इस पर मंथन होना चाहिए। प्रशासनिक स्तर पर पत्राचार के माध्यम से हम आम समाज की विशेषरूप से जातियों व धर्मों में विभाजित मानसिकता की मनोदशा बदल पायेंगे, ऐसा पूर्ण रूप से संभव नहीं लगता। समाज को स्वयं घर-घर यह अभियान चलाना पड़ेगा कि देश के विरुद्ध कुत्सित मानसिकता को पाले जो लोग षड्यंत्रों में लिप्त हैं, वे सभी आतंकवादी अथवा आतंकवादियों के मददगार हैं। अतः उनका हर स्तर पर विरोध अनिवार्य है। आम राय है कि आतंकवादियों का कोई मजहब नहीं होता किंतु यह भी सत्य है कि मजहब के नाम पर ही आतंकवाद फैलाया जा रहा है और पकड़ में आने वाले आतंकवादी विशेष रूप से एक ही मजहब से संबंधित है तो यह कैसे कह सकते हैं कि आतंकवादियों का कोई मजहब नहीं होता। यदि आतंकवादियों का कोई मजहब नहीं होता तो फिर संबंधित मजहब के लोग उनके अनुयायी एक आवाज में धार्मिक रूप से उन देश-विरोधी आतंकियों का बहिष्कार क्यों नहीं करते? क्यों सीएए के नाम पर, हिजाब के नाम पर, कभी शाहीन बाग के नाम पर उनकी आवाज में आवाज मिलाकर आतंकवाद को बढ़ावा देते हैं? उन्हें शक्तिशाली बनाते हैं, क्यों मस्जिदों में पूरा अमला उनकी सुरक्षा की गारंटी बन जाता है? क्यों हर देशविरोधी उनका मित्र बन जाता है? ये कुछ ऐसे प्रश्न है जिनका जवाब मुस्लिम समुदाय को देना ही पड़ेगा अन्यथा वे स्वयं को कभी बेदाग साबित नहीं कर पायेंगे। यह सच है कि सभी मुसलमान आतंकवादी नहीं है किंतु अधिकतर आतंकवादी कौन है, इस पर भी देशभक्त मुसलमानों को चिंतन करना चाहिए। आज विश्व के अधिकतम देश आतंकवाद का शिकार है। इन देशों में जिन लोगों के कारण

आतंकवाद फैल रहा है वे अधिकतर एक ही समाज के लोग है। इन विकसित एवं विकासशील देशों के बजट का बड़ा हिस्सा आतंकवादी गतिविधियों से निपटने के लिए खर्च हो जाता है। इससे भी अधिक चिंता का विषय यह है कि जेहाद के नाम पर जिन युवाओं को बरगलाया जाता है वे सब सोलह- सत्रह वर्ष के तरुण होते हैं, जो इस कुकर्म को ही जीवन का लक्ष्य और अपना अपेक्षित उद्देश्य मान लेते हैं। ना वे अपने माता-पिता के सपनों को पूरा कर पाते और ना ही बहात्तर हूरों के मिलने की अभिलाषा अपने इस जीवन में उन्हें एक भी हूर से मिलने देती अर्थात वे अपनी गृहस्थी बसाने की बजाय बहात्तर हूरों की ख्वाहिश में कुदरत का दिया यह जीवन तबाह कर देते हैं। पाकिस्तान की आतंकवाद की फैक्टरी में पोषित ये आतंकवादी आज विश्वभर में भारत के साथ-साथ अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, इस्त्रायल और कनाडा. जैसे देशों में अपनी कुत्सित मानसिकता के कारण निरीह, निरपराध लोगों को कायरों की भांति घात लगाकर मौत के घाट उतार कर भय का वातावरण बना रहे हैं। ये सब देश इन आतंकवादी गुटों से परेशान हैं और सतत दो-दो हाथ करने को विवश हैं। 9/11 हमले के बाद अमेरिका ने दुनिया से अल-कायदा को खत्म करने का ऐलान किया। अफगानिस्तान के साथ पाकिस्तान, यमन, सीरिया, इराक, लीबिया, मिस्र में भी आतंक पर उसने वार किया। सभी लड़ाई में 585 लाख करोड़ रुपए खर्च हो गए। करीब 9.29 लाख लोग मारे गए। इनमें से 84 हजार आतंकी शामिल थे। इसीप्रकार जर्मनी, इटली, फ्रांस में इस्लामिक स्टेट अपने पांव पसार रहा है। हर नये दिन कहीं न कहीं अपनी कायराना हरकतों को अंजाम दे रहा है। ब्रिटेन में अलकायदा के साथ-साथ इस्लामिक स्टेट ने भी अपनी गतिविधियां बढ़ा रखी है, अलकायदा आतंक की दुनिया का बड़ा नाम है, लेकिन इस्लामिक स्टेट इससे भी बड़ा शैतान बन गया है। इस संगठन को आईएसआईएस के नाम से भी जाना जाता है। इस आतंकी संगठन में दुनियाभर के लड़ाके शामिल हैं जिनमें ब्रिटिश मुस्लिमों की तादाद सबसे अधिक है। इस्त्राइल में आये दिन हमास आतंकी गुट के हमले होते रहते हैं जिसे हिजबुल्लाह का समर्थन मिल रहा है यद्यपि इस्त्राइल इसका मुँह तोड़ जवाब देता रहता है। भारत भी आतंकवाद से लंबे समय से संघर्षरत्त है। भारत के कश्मीर, नागालैंड, पंजाब, राजस्थान , असम, बिहार , महाराष्ट्र , दिल्ली आदि विशेषरूप से आतंक से प्रभावित रहे हैं। यह भी देखने में आया है कि जिन देशों में लोकतंत्र है, बोलने की, अभिव्यक्ति की आजादी है व धार्मिक गतिविधियों के लिए आजादी है उन्हीं देशों में ये अमानवीय आतंकी संगठन पैर पसार रहे हैं अर्थात आजादी का नाजायज लाभ उठाने में सिद्धहस्त है ये आतंकी। आतंकवाद भारत की प्रमुख सबसे बड़ी समस्या है, जिसने भारतीय शासन-व्यवस्था को जर्जर कर दिया है । आतंकवाद ने भारत की आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक आदि परिस्थितियों को प्रभावित किया है । भारत में ये आतंकी संगठन विभिन्न नामों से सक्रिय गतिविधियों में संलिप्त हैं। स्टुडेंट इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया, दीनदार अंजुमन, लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, तहरीक-ए-फुरकान, हरकत-उल-मुजाहिदीन, हरकत उल-अंसार, हिजबुल मुजाहिद्दीन, अल-उमर मुजाहिदीन, जम्मू एंड कश्मीर इस्लामिक फ्रंट, युनाइटेड लिबरेशन फ्रॉन्ट ऑफ असम, कंगलिपक कम्युनिस्ट पार्टी, माओवादी कम्युनिस्ट सेंटर ऑफ इंडिया, इसके सभी गठन और अग्रणी संगठन, अल-बद्र, जमात-उल-मुजाहिदीन, अल-कायदा और इसकी सभी उपशाखायें दुख़्तरान-ए-मिल्लत, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी), इसके सभी गठन और अग्रणी संगठन, इण्डियन मुजाहिदीन आदि भारत और अन्य देशों के करीब एक अरब लोगों के लिए खतरा बने हुए हैं। आज के समय में आतंकवाद सबसे बड़ी अन्तर्राष्ट्रीय समस्याओं में से एक है, जिसके विरोध में यह दिन मनाया जाता है। वर्ष 1991 में तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या एक आतंकी हमले में 21 मई को कर दी गई थी, जिसके बाद 21 मई को आतंकवाद विरोधी दिवस के तौर पर मनाने का फैसला लिया गया और आज अधिकतर राजनैतिक पार्टियां ही किसी न किसी स्तर पर इन आतंकी संगठनों का प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष सहयोग कर देश को कमजोर करने में लगी हुई है। यदि हम भारतवासी सही अर्थों में आतंकवाद विरोधी दिवस पर संकल्प लेना चाहते हैं तो हमें इन आतंकी संगठनों की किसी भी रुप से मदद करने वालों तथा समर्थन करने वालों का खुलकर विरोध करना होगा चाहे वह कोई राजनैतिक पार्टी हो या गैर राजनैतिक संगठन। तभी हम आंतकवाद के विरुध्द वातावरण तैयार कर पायेंगे।

आतंक के फन को कुचलने की जरूरत

योगेश कुमार गोयल

भारत पिछले कई वर्षों से आतंकवाद से जूझ रहा है। अब तक हजारों लोग बेमौत मारे जा चुके हैं। अनेक परिवार तबाह हो चुके हैं। उन्मादी सोच और जेहादी मंसूबों वाले विवेकशून्य आतंकी अपने आकाओं के जहरीले इशारों पर न जाने हर साल कितने बेकसूर लोगों को मौत की नींद सुला देते हैं। जम्मू-कश्मीर तो दशकों से आतंक के खौफ के साये में जी रहा है। देश के अन्य हिस्सों में भी कभी किसी भरे बाजार में तो कभी किसी वाहन में आतंकी निदोर्षों के लहू से होली खेलकर आनंदित होते रहे हैं। 21 मई, 1991 को देश के सातवें प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के बाद तत्कालीन वीपी सिंह की सरकार ने इस तिथि को आतंकवाद विरोधी दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था। आतंकवाद विरोधी दिवस वास्तव में उन लोगों को श्रद्धांजलि देने का दिन है, जिन्होंने आतंकवादी हमलों में अपनी जान गंवाई और यह दिवस उन हजारों सैनिकों के बलिदान का सम्मान भी करता है, जिन्होंने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ी। शांति और मानवता का संदेश फैलाना, लोगों के बीच आपसी सद्भाव का बीजारोपण कर उनमें एकता को बढ़ावा देना, युवाओं को आतंकवाद और हिंसा के पथ से दूर रखना, किसी भी प्रकार के प्रलोभन में आकर आतंकी गुटों में शामिल होने से युवाओं को बचाने के लिए उन्हें आतंकवाद के बारे में सही ढंग से शिक्षित-प्रशिक्षित करना, उनमें देशभक्ति जगाना, आम आदमी की पीड़ा और जीवन पर आतंकवाद के घातक प्रभाव के बारे में लोगों को जागरूक करना भी आतंकवाद विरोधी दिवस मनाने का प्रमुख उद्देश्य है। भारत में आतंकी घटनाओं के संबंध में तो दशकों से जगजाहिर है कि पाकिस्तान की आईएसआई भारत को असंतुलित करने के घृणित प्रयासों के तहत आतंकी संगठनों की हरसंभव मदद करती रही है और उसके इन नापाक इरादों का खामियाजा भारत की निर्दोष जनता बरसों से भुगत रही है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों से देश में आतंकवादियों की कमर तोड़ने के लिए जिस तरह के सख्त कदम उठाए गए हैं, उसके चलते देशभर में आतंकी घटनाओं में कमी दर्ज की जा रही है। बावजूद इसके जम्मू-कश्मीर में अभी भी पाकिस्तान के पाले-पोसे भाड़े के टट्टू मासूम लोगों के खून से होली खेलने को लालायित रहते हैं। मगर हमारे जांबाज सुरक्षा बल आए दिन, शोपियां हो या कुपवाड़ा या घाटी का अन्य कोई क्षेत्र, कहीं न कहीं मुठभेड़ में दुर्दान्त आतंकियों को ढ़ेर कर रहे हैं। पिछले तीन-चार वर्षों में ही सुरक्षा बलों द्वारा सैकड़ों कुख्यात आतंकियों को कुत्ते की मौत मारा जा चुका है। आतंकियों के खिलाफ चल रहे सुरक्षा बलों के अभियान के चलते इस वर्ष अब तक 75 आतंकियों को मार गिराया गया है, जिनमें 20 से ज्यादा विदेशी आतंकी भी शामिल थे। दूसरी ओर इन आतंकियों के सरपरस्त पाकिस्तान को भी पूरी दुनिया के सामने बेनकाब करने और उसकी आर्थिक रीढ़ तोड़ने के प्रयास भी लंबे समय से जारी हैं, जिनमें सफलता मिल भी रही है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के बाद से घाटी में सुरक्षा बलों के एनकाउंटर में सर्वाधिक आतंकवादी मारे गए हैं। जम्मू-कश्मीर में युवाओं के आतंकी संगठनों में भर्ती का मुद्दा सुरक्षा बलों के लिए चिंता का विषय है लेकिन राहत की बात यह है कि युवाओं को आतंकवाद के खिलाफ जागरूक करने के चलते आतंकी संगठनों में स्थानीय स्तर पर अब भर्तियां काफी कम हो रही हैं। सीआरपीएफ के अनुसार वर्ष 2018 में जहां आतंकी संगठनों में 187 स्थानीय लोग भर्ती हुए, वहीं 2019 में 121, 2020 में 181 तथा 2021 में 142 स्थानीय लोग इनमें भर्ती हुए लेकिन 8 मई 2022 तक केवल 28 स्थानीय लोगों ने इन संगठनों का दामन थामा। सीआरपीएफ के अनुसार जम्मू-कश्मीर में इस समय कम से कम 168 से ज्यादा आतंकी सक्रिय हैं, जिनमें 85 से ज्यादा विदेशी बताए जाते हैं। सुरक्षा बलों की मुस्तैदी के कारण पिछले 11 महीने में एलओसी के पास एनकाउंटर में कई आतंकियों का सफाया किया गया तथा घुसपैठ की दर्जनभर कोशिशें भी नाकाम की गईं। वर्ष 2021 में सुरक्षाबलों ने 180 आतंकवादियों को मार गिराया था, जिनमें से 18 विदेशी अतंकी थे। सैन्य अधिकारियों के मुताबिक दुश्मन की ओर से संघर्ष विराम के उल्लंघन, घुसपैठ की कोशिश या किसी अन्य दुस्साहसिक प्रयास का कड़ाई से जवाब दिया जा रहा है और गत वर्ष आतंकवादी संगठनों के लिए काम करने वाले 495 ओवर ग्राउंड वर्कर पकड़े गए जबकि इस साल के शुरूआती चार महीनों में 87 ऐसे लोग पकड़े जा चुके हैं। सैन्य अधिकारियों का कहना है कि आतंकवाद रोधी सख्त अभियान तब तक पूरी ताकत से चलेगा, जब तक 168 से ज्यादा तमाम आतंकवादी आत्मसमर्पण नहीं कर देते या मारे जाते। केंद्र सरकार के प्रयासों से धीरे-धीरे आतंकी संगठनों की ओर युवाओं के रुझान में आती कमी आतंक की कमर टूटने की दिशा में सुखद संकेत है। अधिकारियों के मुताबिक शांति के फायदे लोगों तक पहुंचने से वे अब शांति बनाए रखने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

चिंतन

कांग्रेस के गिरते जनाधार को लेकर पार्टी चिंतित

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान के उदयपुर में कांग्रेस पार्टी का तीन दिवसीय चिंतन शिविर संपन्न हो गया है। एक लंबे अरसे के बाद कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित इस चिंतन शिविर में पार्टी के 400 से अधिक वरिष्ठ नेताओं ने भाग लेकर लगातार तीन दिनों तक इस बात का चिंतन मनन किया की पार्टी को भविष्य में आम मतदाताओं से कैसे जोड़ा जाए। कांग्रेस के गिरते जनाधार को लेकर पार्टी नेता बहुत अधिक चिंतित नजर आ रहे हैं। 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद कांग्रेस पार्टी 2014 व 2019 में दो बार लोकसभा चुनाव हार चुकी है। इसके साथ ही कांग्रेस राज्य विधानसभाओं के चुनाव भी लगातार हारती जा रही है। कभी देश पर एकछत्र राज करने वाली कांग्रेस पार्टी के पास इस समय लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद भी नहीं है। अपने बूते पार्टी सिर्फ राजस्थान और छत्तीसगढ़ में ही सरकार चला रही है। महाराष्ट्र, झारखंड में कांग्रेस छोटे दल के रूप में गठबंधन की सरकार में शामिल है। राज्यसभा में भी कांग्रेस की स्थिति लगातार कमजोर होती जा रही है। ऐसी परिस्थितियों में पार्टी नेताओं का चिंतित होना स्वाभाविक ही है। कुछ समय से कांग्रेस पार्टी में कई वरिष्ठ नेता जी-23 नामक समूह बनाकर गांधी परिवार के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। ऐसे में चिंतन शिविर का आयोजन कर कांग्रेस पार्टी ने अपने संगठन को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। इस चिंतन शिविर से निकले विमर्श के बाद कांग्रेस पार्टी में कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। चिंतन शिविर में नेताओं के आपसी विचार विमर्श के बाद सभी ने एक सुर में गांधी परिवार के प्रति आस्था जतायी। जो पार्टी नेतृत्व पर गांधी परिवार की पकड़ को दशार्ता है। चिंतन शिविर में जुटे सभी नेता इस बात से चिंतित नजर आ रहे थे कि यदि कांग्रेस का जनाधार इसी तरह कम होता गया तो आने वाले समय में पार्टी हाशिए पर चली जाएगी। ऐसी ऐसी स्थिति से बचने के लिए सभी को एक साथ मिलकर जनाधार बढ़ाने के प्रयास करने होंगे। उदयपुर के चिंतन शिविर में पार्टी नेतृत्व कई कड़वी सच्चाई से अवगत भी हुआ और उन्हें सार्वजनिक रूप से स्वीकार भी किया। शिविर के खत्म होने पर अपने भाषण में राहुल ने साफ तौर पर कहा कि जनता से हमारा सम्पर्क टूट गया है। हमें बिना सोचे जनता के बीच जाकर बैठ जाना चाहिए। हमें उस सम्पर्क को हमें फिर से बनाना पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी को आम लोगों से अपने संवाद के तरीके में भी बदलाव करना पड़ेगा। अपने उदयपुर दौरे से राहुल गांधी ने अपनी बॉर्न विद द् सिल्वर स्पून इन माउथ यानि कि चांदी का चम्मच लेकर पैदा होने वाली इमेज को खत्म करने की कोशिश की है। इसी के चलते आमतौर पर हवाई जहाज से सफर करने वाले राहुल गांधी पार्टी के अन्य नेताओं के साथ इस बार दिल्ली से उदयपुर तक रेल से यात्रा की। राहुल गांधी हर स्टेशन पर ट्रेन से निकलकर कार्यकर्ताओं से मिले। ताकि खुद का लोगों से जुड़ाव दिखा सके। इस दौरान उन्होंने स्टेशन पर कुलियों से भी मुलाकात की। उदयपुर पहुंचने के बाद रेलवे स्टेशन से होटल तक जिस बस में अन्य नेताओं को जाना था उसी बस में राहुल भी सवार होकर गए। उदयपुर के होटल ताज अरावली में राहुल गांधी के लिए लग्जरी प्रेजिडेंशियल सुईट बुक था। मगर राहुल गांधी सामान्य कमरे में रुके। जहां कांग्रेस के अन्य दूसरे नेता रूके थे। इस दौरान डिनर टेबल और मीटिंग्स में भी राहुल गांधी काफी सहज नजर आए। राहुल गांधी ने दिल्ली वापसी के दौरान भी चार्टर प्लेन के स्थान पर नियमित विमान से ही यात्रा की। कांग्रेस के इस चिंतन शिविर के समापन पर पार्टी में होने वाले कई बड़े सुधारों की भी घोषणा की गई थी। जिसमें मुख्य रूप से पार्टी में युवाओं की भूमिका बढ़ाने पर जोर दिया गया है। पार्टी में एक परिवार एक टिकट का फामूर्ला लागू करने, संगठन में हर स्तर पर युवाओं को 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व देने और अगले लोकसभा चुनाव से 50 प्रतिशत टिकट 50 साल से कम उम्र के लोगों को देने पर का भी फैसला किया गया है। इस चिंतन शिविर के समापन के बाद कांग्रेस पार्टी की तरफ से उदयपुर नव संकल्प जारी किया गया। जिसमें राजनीतिक मुद्दों, संगठन से जुड़े विषयों, पार्टी के भीतर सुधारो, कमजोर तबकों को फिर से साथ जोड़ने, युवाओं, छात्रों और आर्थिक मुद्दों पर पार्टी का नजरिया रखा गया।

गर्मियों में खीरे से पाऐं दमकती त्वचा

शहनाज हुसैन

भीषण गर्मियों में त्वचा को जीवंत तथा मुलायम बनाए रखने के लिए खीरा सदियों से उपयोग में लाया जाता रहा है। गर्मियों में सबसे सस्ता हर जगह उपलब्ध तथा प्राकृतिक उत्पाद खीरे में 96 फीसदी जल तत्व मौजूद होते हैं जिसकी वजह से आप खीरे को किसी भी प्राकृतिक उत्पाद में मिलाकर फेस पैक बना सकते हैं। खीरे में विद्यमान पानी की अधिकता की वजह से यह गर्मियों में आपके शरीर में नमी के संतुलन को बनाए रखता है जिससे त्वचा में कील, मुहांसों, झुर्रियों तथा आंखों के नीचे सूजन जैसी समस्याओं को रोकने में मदद मिलती है। खीरे में सौंदर्य मिनरल सीलिका विद्यमान होता है जिसकी वजह से त्वचा की रंगत में निखार आता है तथा त्वचा कोमल व मुलायम हो जाती है। खीरा प्राकृतिक टोनर होता है। तैलीय त्वचा के लिए आप खीरे के रस को सीधे त्वचा पर लगाकर 15 मिनट बाद साफ पानी से धो डालें। खीरे के रस तथा गुलाब जल को मिलाकर बने मिश्रण को चेहरे पर लगाकर 15 मिनट बाद पानी से धो डाले। खीरे के गाढ़े गूद्दे में दो चम्मच गुलाब जल डालकर बलेंड कर लें तथा इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर 30 मिनट बाद ताजे साफ पानी से धो डालें। खीरा अस्ट्रिन्जन्ट होता है तथा टोनिंग और रिफ्रेशिंग के अलावा यह त्वचा के छिद्रों को बंद करता है तथा तैलीयपन को कम करता है खीरे को कद्दूकस कर-के या खीरे के रस को आंखों के इर्दगिर्द त्वचा पर लगाने से डार्क सर्कल कम होते हैं तथा त्वचा की रंगत में निखार आता है। खीरा, नारियल तेल, गाजर बीज का तेल तथा एलोवेरा जेल को मिलाकर क्रीमी मिश्रण बना लें। इस मिश्रण को आईस क्यूब में डालकर फ्रीज में रख लें तथा इसे जमने दें। अब आइस क्यूब को आंखें के इर्द-गिर्द लगाकर मालिश करें लेकिन यह ध्यान रखें कि मिश्रण आखों के अंदर कतई ना जाए। कुछ समय बाद त्वचा को धो डालें।खीरे का फेस मास्क लगाती बार त्वचा की घुमावदार मालिश करें जिससे तत्व त्वचा के छिद्रों में आसानी से प्रवेश कर सकें एवं त्वचा में रक्त संचार का नियमित प्रवाह हो सके। मास्क को त्वचा पर 10-15 मिनट तक शांत रहने दें तथा बाद में ताजे पानी से धो डालें। इसके बाद एक अच्छी आई क्रीम जरूर लगाएं ताकि आंखों की नमी बरकरार रहे। एक खीरे के जूस, एक चम्मच गुलाब जल को एक कप मिनरल वॉटर में डालकर स्किन टोनर बना लें। इसके उपयोग से स्किन टोनिंग के अलावा त्वचा मुलायम तथा कोमल हो जाएगी । तैलीय त्वचा के लिए खीरा जूस, पुदीना जूस को एक कप मिनरल वाटर में घोलकर टोनर बना लें तथा यह कील मुहांसों में काफी सहायक सिद्ध होगा। एक खीरे के जूस को आधा चम्मच नींबू जूस, एक चम्मच एलोवेरा तथा एक कप गुलाब जल को मिलाकर टोनर बना लें। इस टोनर को फ्रिज में ठंडा होने दें तथा त्वचा पर लगा लें। यह टोनर त्वचा के छिद्रों को बंद करके त्वचा में कसावट लाएगा तथा चेहरे को आकर्षक बनाएगा। एक चम्मच खीरा जूस को एक कप नारियल पानी में मिलाकर टोनर बना लें। इसके लगातार उपयोग से त्वचा में निखार आएगा तथा चेहरे का आकर्षण बढ़ेगा। एक कटोरी में 10 ग्राम गुलाब की पंखुड़ियां डालें। इस कटोरी में 2 कप गर्म पानी डालकर इसे रात भर भीगने दें। अगली सुबह इसे ठण्डा होने पर छान लें तथा मिश्रण में एक चम्मच खीरे का जूस तथा एक विटामिन ई कैपसूल मिलाकर इस मिश्रण को अच्छी तरह फेंट लें। इस मिश्रण को स्प्रे बोतल में डालकर इसे चेहरे पर कोमलता से स्प्रे करें। इससे चेहरे को टोन, रिफ्रेश तथा नॉरिश करने में मदद मिलेगी। खीरे की स्लाइस को आधा घण्टा फ्रिज की ठण्डक में रखने के बाद आंखों पर रखने से दिन भर की थकावट से राहत महसूस होगी/ कभी भी घरेलु सौंदर्य नुस्खों को बड़ी मात्रा में न बनाऐं तथा इन्हें ठंडे व शुष्क स्थान पर रखें।

लेखिका अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौन्दर्य बिशेष्ज्ञ है और हर्बल क्वीन के रूप में लोकप्रिय है।

अंजनीपुत्र का अनुकरणीय चरित्र

डॉ. रीना रवि मालपानी

यदि हम रामायण में रामदूत भक्त शिरोमणि हनुमान के चरित्र की सबसे अनुकरणीय विशेषता पर ध्यान केन्द्रित करें तो हम पाएंगे की हनुमान कभी नाम के पीछे नहीं दौड़े। सबकुछ ईश्वर यानी प्रभु श्रीराम को समर्पित करते गए। जब प्रभु श्रीराम ने उनसे मनोवांछित पद की मांग करने को कहा तो उन्होंने प्रभु को उत्तर दिया कि राघव मुझे तो केवल आपके यह दो पद (पैर) चाहिए। मेरी आसक्ति तो केवल आपकी सेवा में है। जब हम अत्यधिक नाम के पीछे दौड़ते हैं तो यश और अपयश दोनों में से कुछ भी मिलने की संभावना रहती है। कभी-कभी यहीं नाम हममें अभिमान का भाव भी जागृत कर देता है। हनुमानजी तो अपनी पहचान भी श्रीराम का दूत और सेवक के रूप में बताते हैं। अपने आप को छोटा बताकर वे अहं को हमेशा दूर रखते हैं। हनुमानजी इस सत्य को भी जानते हैं कि पद, नाम, माया यह सब व्यक्ति में अनायास ही विकार उत्पन्न कर देते हैं। कहते है प्रभु श्रीराम तक पहुंचने का मार्ग हनुमानजी से होकर जाता है और यदि आपने हनुमानजी की आराधना की तो प्रभु श्रीराम की कृपा स्वतः ही हो जाएगी। सुग्रीव में अनेकों बुराई थी पर उसकी मित्रता हनुमानजी से थी, इसलिए कहा भी गया है हमेशा अच्छी संगति या अच्छे मित्र बनाइये। यह आपकी उन्नति का द्वार खोल देते हैं। सुग्रीव की हनुमानजी से मित्रता ने उन्हें श्रीराम का कृपापात्र बना दिया और उनके समस्त दुख दूर हो गए। विभीषण की भेंट भी पहले रामदूत से हुई और वे भी रघुनंदन के प्रिय हो गए। अतः हनुमान जी की उपासना स्वतः ही श्रीराम के आशीर्वाद की ओर ले जाती है। हनुमानजी की एक और अनूठी विशेषता है कि वे समय के अनुरूप निर्णय को प्राथमिकता देते हैं। जब सुरसा राक्षसी ने हनुमानजी के मार्ग में व्यवधान उत्पन्न किया तो प्रभु ने बिना प्रतिस्पर्धा और अत्यधिक कौशल दिखाए बिना केवल श्रीराम के कार्य को पूर्ण करने के लिए त्वरित निर्णय लिया। वे अपने लक्ष्य प्राप्ति की ओर अग्रसर हुए। हनुमानजी का यह गुण भी हमें आत्मसात करना चाहिए। जब माता सीता व्याकुल होकर बोलीं कि श्रीराम उन्हें भूल गए तबभी हनुमानजी ने सच्चे दूत की भांति माता को विश्वास दिलाया और सकारात्मक सोच उत्पन्न की। शक्ति संपन्न होते हुए भी लंका को श्रीराम दूत ने अपना छोटा सा परिचय दिया। सब कुछ संभव करने वाले हनुमानजी स्वयं को श्रीराम का तुच्छ सेवक मानते हैं और हमेशा अपने प्रभु की लीला का ही गुणगान करते हैं। हनुमानजी कर्म को प्रधानता देते हैं और बस राम काज में तल्लीन रहते हैं। वे तो किसी भी प्रकार का श्रेय और यश नहीं चाहते। सबकुछ प्रभु श्रीराम को समर्पित कर देते हैं। ऐसे श्रीराम दूत की महिमा का कोई व्याख्यान नहीं है।

अंकिता रैना ने जीता बिली जीन किंग कप हार्ट अवार्ड

नई दिल्ली। भारत की टेनिस खिलाड़ी अंकिता रैना ने एशिया/ओसनिया ग्रुप एक से बिली जीन किंग कप हार्ट अवार्ड जीत लिया है। सानिया मिर्जा के बाद यह अवार्ड जीतने वाली वह दूसरी

भारतीय बनी हैं। यह अवार्ड उन खिलाडियों को मान्यता देने के लिए है जिन्होंने प्रतिष्ठा के साथ अपने देश का नेतृत्व किया है, कोर्ट पर अतुलनीय साहस दिखाया है और बिली जीन किंग कप के दौरान टीम के प्रति अद्भुत प्रतिबद्धता दिखाई है।

मैथ्यू वेड के 'विवादित' आउट पर हार्दिक का बड़ा बयान, नहीं मिला तकनीक का फायदा

मुंबई । गुजरात टाइटन्स के कप्तान हार्दिक पांड्या ने मैथ्यू वेड को विवादास्पद तरीके से पगबाधा दिए जाने के बाद तकनीक का फायदा नहीं मिलने पर अफसोस जताया लेकिन कहा कि कुल मिलाकर अधिकतर अवसरों पर इससे सही फैसले लेने में मदद मिली है। गुजरात और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के बीच

आईपीएल मैच के दौरान ग्लेन मैक्सवेल की गेंद पर वेड को आउट दिये जाने पर बहस शुरू हो गई, क्योंकि 'अल्ट्राएज' से पता नहीं चल रहा था कि गेंद बल्ले का छूकर गई है जबकि देखने में लग रहा था कि गेंद ने बल्ले को स्पर्श किया है।

हार्दिक ने मैच के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि अल्ट्राएज में थोड़ा (स्पाइक) था। बड़े पर्दे पर यह दिखाई नहीं दे रहा था। आप गलती नहीं कर सकते। अगर तकनीक मदद नहीं कर रही है, तो मुझे नहीं पता कि फिर कौन मदद करेगा।' वेड इस फैसले से नाराज थे क्योंकि उन्हें यकीन था कि मैक्सवेल की गेंद उनके बल्ले से लगकर पैड से टकराई है, इसलिए आउट दिए जाने के तुरंत बाद उन्होंने निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) का सहारा ले लिया था। 'अल्ट्राएज' में हालांकि यह स्पष्ट नहीं हुआ और तीसरे अंपायर ने मैदानी अंपायर का फैसला बने रहने दिया। हार्दिक ने कहा, 'जाहिर है यह किसी के लिए भी व्यक्तिगत नहीं है लेकिन तकनीक कभी मदद करती है और कभी नहीं। इस बार इसने मदद नहीं की। लेकिन अधिकतर अवसरों पर इसने काम किया है और गलत फैसलों को पलटा है।'

हम दस रन पीछे रह गए : हार्दिक पंड्या

मुंबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के हाथों आईपीएल के आखिरी लीग मैच में आठ विकेट से मिली हार के बाद गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने कहा कि उनकी टीम दस रन पीछे रह गई । जीत के लिये 169 रन का लक्ष्य आरसीबी ने दो विकेट खोकर आठ गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया । पंड्या ने मैच के बाद कहा ,'' हम आखिर में दस रन पीछे रह गए । ग्लेन मैक्सवेल ने अपने चिर परिचित अंदाज में बल्लेबाजी की । हम सही रास्ते पर थे लेकिन लगातार दो विकेट गंवाने से लय टूटी । इससे यह सबक मिला है कि प्लेआफ में लगातार विकेट नहीं गंवाने हैं ।''

मैच में अर्धशतक जमाने वाले पंड्या ने अपने फॉर्म के बारे में कहा ,'' रन बनाकर हमेशा अच्छा लगता है । खिलाड़ियों के बीच अच्छा तालमेल है और यह मैच हमारे लिये सबक की तरह रहा ।'' प्लेआफ में पहुंचने के लिये आरसीबी को दिल्ली और मुंबई के बीच मैच में दिल्ली की हार की दुआ करनी होगी । आरसीबी के हरफनमौला मैक्सवेल ने कहा ,'' हम उस मैच पर नजरें रखेंगे । कल गोल्फ खेलूंगा लेकिन फोकस मैच पर रहेगा ।

कोहली के अर्धशतक के बदौलत बेंगलुरु प्लेऑफ की रेस में बरकरार

मुंबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस के बीच आईपीएल 2022 का 67वां मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया। गुजरात के कप्तान हार्दिक पांड्या ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। गुजरात टाइटंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान हार्दिक पांड्या के अर्धशतक की बदौलत बेंगलुरु को 169 रन का लक्ष्य दिया। जवाब में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम ने विराट कोहली की अर्धशतकीय पारी के बदौलत गुजरात टाइटंस को 8 विकेट से हरा दिया। बेंगलुरु ने 18.4 ओवर में ही 170 रन बनाकर मैच जीत लिया।

गुजरात टाइटंस (पहली पारी)

पहले बल्लेबाजी के लिए आई गुजरात टाइटंस की शुरूआत अच्छी नहीं रही और टीम को शुभमन गिल के रूप में टीम को पहला झटका लगा। शुभमन एक रन बनाकर हेजलवुड की गेंद का शिकार बने। ग्लेन मैक्सवेल ने मैथ्यू वेड को आउट करके गुजरात की टीम को दूसरा झटका दिया। वेड 16 रन बनाकर आउट हुए। 1 एक रन लेने के चक्कर में डुप्लेसिस की स्टीक थ्रो के कारण रन आऊट हो गए। उन्होंने 22 गेंदों में 31 रन बनाए। वानिंदु हसरंगा ने खतरनाक दिख रहे डेविड मिलर को आउट करके बेंगलुरु की टीम को तीसरी सफलता दिलाई। मिलर ने 25 गेंदों पर 3 छक्कों की मदद से 32 रन की पारी खेली।

जोश हेजलवुड ने राहुल तेवतिया को आउट करके बेंगलुरु की टीम को 5वीं सफलता दिलाई। राहुल तेवतिया 2 रन बनाकर आउट हुए। गुजरात के कप्तान हार्दिक पांड्या ने नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली। पांड्या ने 47 गेंदों पर 4 चौके और 3 छक्के की मदद से 62 रन की पारी खेली। वहीं राशिद खान ने 6 गेंदों पर एक चौका और 2 छक्के लगाकर 19 रन बनाकर हार्दिक का अच्छा सहयोग किया।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (दूसरी पारी)

लक्ष्य का पीछा करने आई बेंगलुरु की टीम को कप्तान फाफ डुप्लेसिस और विराट कोहली ने पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी निभाई। इस साझेदारी को तोड़ने का काम राशिद खान ने किया।

राशिद खान ने फाफ डुप्लेसिस को 44 रन पर आउट कर गुजरात को पहली सफलता दिलाई। डुप्लेसिस ने अपनी पारी में 38 गेंदों का सामना किया और 5 चौके लगाए। राशिद खान ने विराट कोहली को आउट कर गुजरात को दूसरी सफलता दिलाई। विराट कोहली 54 गेंदों पर 8 चौके और 2 छक्के की मदद से 73 रन बनाकर आउट हुए।

ग्लेन मैक्सवेल ने 17 गेंदों पर नाबाद 36 रन की पारी खेली जिसमें उन्होंने 5 चौके और 2 छक्के लगाए।

सुपरबेट रैपिड शतरंज -विश्वनाथन आनंद नें लगाई जीत की हैट्रिक

वारशा ,पोलैंड। भारत के पाँच बार के विश्व चैम्पियन 52 वर्षीय विश्वनाथन आनंद बार बार यह साबित कर देते ही की उम्र उनके लिए सिर्फ एक नंबर है । करीब एक बर्ष के बाद अंतराष्ट्रीय शतरंज के ऑन द बोर्ड मुकाबलों मे वापसी करते हुए उन्होने अपने प्रदर्शन से विश्वभर के शतरंज विश्लेषको को हैरान कर दिया है । जब सभी यह मान रहे थे की इतने समय बाद आनंद के लिए वापसी आसान नहीं होगी उन्होने पहले ही दिन पोलैंड के राडेक वोइटसजेक , यूएसए के वेसली सो और उक्रेन के अंटोन कोरोबोव को पराजित

करते हुए प्रतियोगिता मे एकल बढ़त हासिल कर ली है ।आनंद के शानदार खेल का नजारा कुछ यूं रहा है की पहले दिन के बाद जहां वह 6 अंक लेकर सबसे आगे है तो यूएसए के फबियानों करूआना और लेवोन अरोनियन 3 अंक लेकर दूसरे स्थान पर चल रहे है।

सहवाग ने बताई विराट कोहली की सबसे बड़ी कमजोरी, गांगुली थे नंबर 1

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान विरेंद्र सहवाग ने कहा है कि सौरव गांगुली ने एक नई टीम बनाई लेकिन विराट कोहली अपने समय में ऐसा नहीं कर पाए। सहवाग ने विराट कोहली और सौरव गांगुली की कप्तानी के बारे में भी एक तुलनात्मक टिप्पणी की। सहवाग ने कहा कि सौरव गांगुली ने एक नई टीम बनाई, नए खिलाड़ियों को टीम में लाए और उनके उतार-चढ़ाव में उनका समर्थन किया। मुझे संदेह है कि क्या कोहली ने अपने कार्यकाल के दौरान शायद ही ऐसा किया हो।

दो बार के विश्व कप विजेता का कहना है कि कोहली की कप्तानी के दौरान, 2-3 साल के लिए, लगभग हर टेस्ट के बाद टीम को बदलने का चलन था, चाहे वे जीते या हारे। मेरी राय में नंबर वन कप्तान वह है जो एक टीम बनाता है और अपने खिलाडियों को आत्मविश्वास देता है। उन्होंने (कोहली) कुछ खिलाड़ियों का समर्थन किया, कुछ का नहीं किया। सहवाग ने इस दौरान बड़े शतक बनाने के लिए कौन-सा माइंडसेट होना चाहिए पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि मुझे पता था कि सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण, सौरव गांगुली शतक के लिए 150-200 गेंदें खेलेंगे। अगर मैं भी इसी दर से शतक बनाता रहा तो मुझे कोई याद नहीं करेगा। मुझे अपनी पहचान बनाने के लिए उनसे तेज रन बनाने थे।

इसलिए मैं सोचता था कि अगर पूरा दिन टिका रहा तो 250 रन बनाऊंगा। इसके बाद 100, 150, 200 आदि के बैरियर पार करता था। मैं नर्वस नाइंटीज को लेकर ज्यादा सीरियस नहीं होता था क्योंकि मेरा लक्ष्य सिर्फ शतक बनाना नहीं बल्कि बड़ा शतक बनाना होता था।

पहली एफआईएच हॉकी 5 में गुरिंदर सिंह 9 सदस्यीय भारतीय टीम के कप्तान

नई दिल्ली। डिफेंडर गुरिंदर सिंह अगले महीने स्विटजरलैंड के लुसाने में होने वाली पहली एफआईएच हॉकी 5 चैम्पियनशिप में भारत की नौ सदस्यीय पुरूष हॉकी टीम की कमान संभालेंगे। भारतीय पुरूष टीम मलेशिया, पाकिस्तान, पोलैंड और मेजबान स्विटजरलैंड से खेलेगी। टूर्नामेंट 5 और 6 जून को खेला जाएगा। टोक्यो ओलिम्पिक की कांस्य पदक विजेता टीम के सदस्य रहे मिडफील्डर सुमित उपकप्तान होंगे।

टीम में ओलिम्पिक कांस्य पदक विजेता टीम के सदस्यों के साथ एफआईएच जूनियर विश्व कप टीम के सदस्य भी हैं। इनमें गोलकीपर पवन, डिफेंडर संजय, मनदीप मोर और गुरिंदर सिंह शामिल हैं। मिडफील्डर सूमित और रविचंद्र सिंह के अलावा फॉरवर्ड दिलप्रीत सिंह, मोहम्मद राहील मौसीन और गुरसाहिबजीत सिंह को भी टीम में जगह दी गई है।

पवन, संजय और रविचंद्र 2018 युवा ओलंपिक खेलों में रजत पदक विजेता भारतीय टीम के सदस्य थे। उस टूर्नामेंट में पहली बार हॉकी 5 प्रारूप आजमाया गया था। ये तीनों कोच ग्राहम रीड ने कहा कि हीरो हॉकी 5 टूर्नामेंट खेल के अलग प्रारूप की नुमाइश का मौका है।

भुवनेश्वर में पिछले साल जूनियर विश्व कप टीम में भी थे।

सुमित के अलावा दिलप्रीत सिंह ओलिम्पिक कांस्य पदक विजेता टीम में थे। भारत के मुख्य इतने खूबसूरत देश में बेहतरीन टीमों के खिलाफ तेज रफ्तार हॉकी खेलने को लेकर हम काफी रोमांचित हैं। भारतीय टीम एक जून को बेंगलुरू से रवाना होगी।

टीम : पवन, संजय, मनदीप मोर, गुरिंदर सिंह (कप्तान), सुमित, रविचंद्र सिंह, दिलप्रीत सिंह, मोहम्मद राहील मौसीन, गुरसाहिबजीत सिंह।

स्टैंडबाय : प्रशांत कुमार चौहान, बॉबी सिंह धामी, सुदीप चिरमाको।

फुटबॉल प्रशंसक ने मैच के बाद खिलाड़ी से मारपीट का दोष स्वीकार किया

नॉटिंघम । फुटबॉल प्रशंसक रॉबर्ट बिग्स ने नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ चैंपियनशिप प्ले आफ मुकाबले के समाप्त होने के बाद शेफील्ड यूनाटेड के स्ट्राइकर बिली शार्प पर हमला करने के मामले में दोष स्वीकार कर लिया। तीस साल का बिग्स मैच के बाद सिटी ग्राउंड में घुस आया और उसने शार्प पर सिर से प्रहार किया। चोट के कारण शार्प इस मुकाबले में नहीं खेल रहे थे। वह मैदान के बाहर अपनी जेब में हाथ डालकर खड़े थे जब बिग्स ने उन प्रहार किया जिसके कारण उनके होंठ पर चार टांके आए।

बिग्स सुनवाई के लिए नॉटिंघम मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश हुआ और अपराध स्वीकार कर लिया जिसे अभियोजकों ने 'जानबूझकर किया गया हिंसा का मूर्खतापूर्ण कार्य' करार दिया है। सुनवाई के दौरान बिग्स को बताया गया कि उसके खिलाफ लगे गैरकानूनी रूप से मैदान पर घुसने के आरोप को हटा दिया गया है। बिग्स ने उन पर आजीवन प्रतिबंध लगाने वाले आवेदन का विरोध नहीं किया है। फॉरेस्ट की टीम पहले ही कह चुकी है कि जिसने भी शार्प पर हमला किया है उस पर आजीवन प्रतिबंध लगना चाहिए।

जब खराब दौर लंबे समय तक रहा हो तो आप खुद पर संदेह करना शुरू कर देते हो: कोहली पर हेसन ने कहा

मुंबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के क्रिकेट निदेशक माइक हेसन ने कहा कि अगर खराब फॉर्म लंबे समय तक रहे तो इससे किसी का भी मनोबल गिर सकता है और विराट कोहली भी इंसान ही हैं जो चीजें अपने हिसाब से नहीं चलने के कारण कुछ रन जुटाने के लिये बेताब थे।

कोहली आखिर गुजरात टाइटन्स के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए 73 रन की पारी खेलकर अपनी उसी पुरानी फॉर्म में दिखे और इस मैच में मिली जीत ने आरसीबी को प्लेऑफ स्थान के समीकरण में बनाये रखा है। कोहली 13 बार अलग अलग तरीके से आउट हुए हैं। हेसन ने कहा कि कोहली ने कभी मेहनत करना बंद नहीं किया जिससे उन्हें वापसी में मदद मिली। हेसन ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''वह (विराट) नेट में इतना कड़ा अभ्यास कर रहा था और मैच खेलने के अलावा लय हासिल करने की कोशिश कर रहा था, जिससे उसका मनोबल ऊंचा रहा। '' लेकिन 13 मैचों में से 12 में सस्ते में आउट हो जाने के बारे में हेसन को लगता है कि इंसान थोड़ा बहुत दबाव महसूस करता ही है।

हेसन ने कहा, ''लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि जब आप इस तरह की खराब फॉर्म से गुजर रहे हो - तो इंसान थोड़ा बहुत दबाव महसूस करता ही है और सोचता है कि कब भाग्य पलटेगा। इसलिये आज रात थोड़ा बहुत भाग्य साथ रहा। '' आरसीबी शीर्ष चार के लिये जगह बनाने के लिये मुहाने पर खड़ी है लेकिन अगर दिल्ली कैपिटल्स की टीम शनिवार को मुंबई इंडियंस को हरा देगी तो वह बाहर हो जायेगी। हेसन हालांकि कोहली के प्रदर्शन से काफी खुश थे। उन्होंने कहा, ''मैं बहुत खुश हूं, इस तरह के प्रदर्शन से, किसी भी टीम का अगर शीर्ष क्रम शानदार प्रदर्शन कर रहा हो और आपके पास विराट जैसा खिलाड़ी हो तो इससे लक्ष्य का पीछा करना आसान हो जाता है। ''हेसन ने कहा, ''हम जानते हैं कि विराट को लक्ष्य का पीछा करने में महारत हासिल है और आज फिर उसने अच्छी लय बनायी। यह हमारे लिये महत्वपूर्ण मैच था और बड़े खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। हम जानते हैं कि विराट उस मनोस्थिति में है इसलिये प्रतिद्वंद्वी टीम को 'गुडलक' क्योंकि वह कहीं से भी मैच को जीत तक पहुंचा सकता है। ''

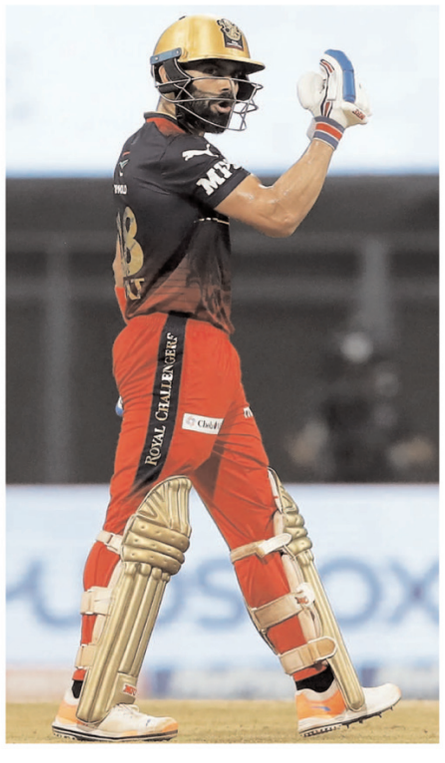

अभ्यास सत्र में छोटे भाई को लेकर आए बाबर आजम, पीसीबी की नीतियों का किया उलंघन

कराची । पाकिस्तान के सभी प्रारूपों के कप्तान बाबर आजम अपने छोटे भाई को लाहौर में नेट अभ्यास में लेकर आ गए जिसके बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने उन्हें अपनी नीतियों के बारे में याद दिलाई।

बाबर सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट किए जाने के बाद आलोचनाओं के घेरे में आ गये थे। इस तस्वीर में उनके भाई सफीर को नेट पर अभ्यास करते दिखाया गया है जिसमें पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहनवाज दहानी उनको गेंदबाजी कर रहे हैं। सोशल

मीडिया की इस पोस्ट ने विवाद पैदा कर दिया क्योंकि पीसीबी के उच्च प्रदर्शन केंद्र (हाई परफोरमेन्स सेंटर, एचपीसी) से जुड़ी नीतियों में साफ कहा गया है कि केवल पाकिस्तान के खिलाड़ी, प्रथम श्रेणी या जूनियर क्रिकेटर ही अधिकारियों की अनुमति से केंद्र की सुविधाओं और कर्मचारियों का उपयोग कर सकते हैं।

पीसीबी के एक विश्वसनीय सूत्र ने कहा, 'बाबर तीन-चार दिन पहले अपने भाई के साथ केंद्र में आए थे। यह अनुकूलन शिविर के शुरू होने से पहले की बात है। उनके भाई ने बाद में नेट पर अभ्यास भी किया जिसे बोर्ड के संज्ञान में लाया गया।'

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के किसी भी खिलाड़ी को अपने किसी रिश्तेदार या दोस्त को अभ्यास के लिए एचपीसी में लाने की अनुमति नहीं है इसलिए बाबर को विनम्रतापूर्वक उनकी गलती के बारे में बताया गया और कहा गया कि इसे फिर से न दोहराएं। सूत्र ने कहा, 'वह हमारी राष्ट्रीय टीम के कप्तान हैं और उन्हें विनम्रता से स्थिति के बारे में याद दिलाया गया जिस पर वह सहमत थे।'

'बॉलीवुड फिल्म' में नजर आएंगे शिखर धवन, शूटिंग पूरी, अंदर की जानकारी आई बाहर

मुंबई। भारतीय सलामी बल्लेबाज शिखर धवन को उनके फैंस बॉलीवुड फिल्म में देख सकेंगे। धवन ने बीते दिनों ही एक फिल्म की शूटिंग पूरी की है। हालांकि अभी तक इसका नाम सामने नहीं आया है लेकिन बताया जा रहा है कि उनका किरदार दमदार है। वह किन्हीं आम क्रिकेट सितारों की तरह फिल्म में कैमियो को रोल नहीं निभाएंगे। धवन की बॉलीवुड फिल्मों में एंट्री बाबत मुंबई की मशहूर पत्रिका ने दावा किया है कि जल्द यह क्रिकेटर एक फिल्म में महत्वपूर्ण रोल निभाता हुआ नजर आएगा। बताया जा रहा है कि धवन पहले से ही बॉलीवुड फिल्मों में एंट्री के लिए प्रयासरत थे। क्योंकि उनके बॉलीवुड अभिनेताओं के साथ अच्छे संबंध रहे हैं। ऐसे में उनके फैंस को उम्मीद भी थी कि वह किन्ही फिल्म में जरूर नजर आ सकते हैं। लेकिन अब खबर आई है कि उन्हें बॉलीवुड फिल्म में

महत्वपूर्ण रोल मिला है। अगर उनकी अदाकारी को पसंद किया गया तो धवन आगे भी और काम करने से कभी हिचकचाहट नहीं दिखाएंगे।

धवन वैसे भी फिल्मों की प्रमोशन में भी देखे जाते रहे हैं। बीते साल अक्तूबर में धवन को अक्ष्य कुमार की फिल्म राम सेतु के सेट पर देखा गया था। पहले कहा गया कि धवन इसी फिल्म में रोल कर रहे हैं लेकिन बात में इन बातों को नकार दिया गया था। धवन पहले से ही अक्ष्य के करीबी दोस्तों में रहे हैं ऐसे में फैंस उम्मीद कर रहे हैं कि अक्ष्य उन्हें रोल देंगे। इसी तरह रणवीर सिंह के साथ भी धवन की अच्छी दोस्ती है। दोनों को फिल्म 83 के प्रमोशन के दौरान एकसाथ देखा गया था।

हम सभी चीनी नागरिकों को उच्च सुरक्षा मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं : प्रधानमंत्री शरीफ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि उनकी सरकार अरबों डॉलर के चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के तहत देश में विभिन्न परियोजनाओं में काम कर रहे सभी चीनी नागरिकों और संस्थानों को उच्च स्तर की सुरक्षा मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

चीन के विदेश सुरक्षा आयुक्त चेंग गुओपिंग की अगुवाई वाले एक प्रतिनिधिमंडल से बातचीत में शरीफ ने पाकिस्तान की विदेश नीति में चीन की महत्ता पर जोर दिया तथा सरकार के चीन के साथ सामरिक संबंधों को और मजबूत करने के संकल्प को दोहराया। शरीफ ने बृहस्पतिवार को प्रतिनिधिमंडल से बातचीत की। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, शरीफ ने ''परिवर्तनकारी चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के तहत नयी परियोजनाओं के साथ ही पहले से चल रही परियोजनाओं में तेजी लाने के उनके सरकार के संकल्प को दोहराया। इस गलियारे ने पाकिस्तान के सामाजिक-आर्थिक विकास में काफी योगदान दिया है और उसके उच्च गुणवत्ता के विकास को साकार किया है।'' उन्होंने कहा कि उनकी सरकार 60 अरब डॉलर की लागत के चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपेक) के तहत देश में विभिन्न परियोजनाओं में काम कर रहे सभी चीनी नागरिकों और संस्थानों को उच्च स्तर की सुरक्षा मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री शरीफ ने चीन के साथ नयी ऊर्जा और उत्साह के साथ काम करने की प्रतिबद्धता जतायी खासतौर से दोनों देशों के लिए सामरिक रूप से महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर, जैसे कि एमएल-1 परियोजना। प्रधानमंत्री शरीफ ने कहा कि चीन-पाकिस्तान के संबंध परस्पर विश्वास, सम्मान और सहयोग पर आधारित हैं और उन्होंने इस बात की सराहना की कि दोनों देश एकजुटता और आपसी सहयोग के साथ हर चुनौती से निपटने के लिए एक-दूसरे के साथ हमेशा खड़े रहे हैं।

राष्ट्रपति कोविंद के स्वागत में खास ब्लेजर पहनकर पहुंचे सेंट विंसेंट के प्रधानमंत्री, बोले-पीएम मोदी के दर्जी ने बनाया था मेरा सूट

जमेका। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सेंट विंसेंट एंड ग्रेनेडाइंस के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की और सूचना प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन एवं संस्कृति के क्षेत्रों में सहयोग मजबूत करने पर चर्चा की। अपनी दो कैरिबियाई देशों की यात्रा के दूसरे चरण में यहां पहुंचे कोविंद ने सेंट विंसेंट एंड ग्रेनेडाइंस के गवर्नर जनरल डेम सुसान डोगन और प्रधानमंत्री राल्फ गोंजाल्वस से मुलाकात की। प्रधानमंत्री राल्फ गोंजाल्वस ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात के दौरान खास ब्लेजर पहना था जिसका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ भी कनेक्शन है।

पीएम मोदी के साथ अच्छी दोस्ती

प्रधानमंत्री राल्फ गोंजाल्वस ने दोनों देशों के बीच दोस्ती का एक बेहद खास उदाहरण दिया। उन्होंने राष्ट्रपति कोविंद के साथ मुलाकात के दौरान ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी बहुत अच्छी मित्रता है। राल्फ गोंजाल्वस ने कहा कि एक खास अवसर के लिए पीएम मोदी के दर्जी ने उनके लिए सूट सिला था। उन्होंने कहा, ÷पीएम मोदी ने दिल्ली में मुझसे मिलने के लिए गुजरात के दर्जी को बुलाया और उन्होंने मुझे इसी सूट के लिए मेरी नाप ली, जिसे मैंने अपने दोस्त राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के स्वागत के लिए पहना है।÷गोंजाल्वस का ब्लेजर पीएम मोदी की जैकेट जैसा था। प्रधानमंत्री गोंजाल्वस ने कहा, 'मैं भारत के लोगों को बताना चाहता था कि देश मेरे दिल में है, सभी सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस लोगों के दिलों में है।' उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और मेरी बहुत अच्छी दोस्ती है। हम दोनों विनोदी हैं और मानवता, शांति व सुरक्षा की चिंता करते हैं।

सिंगापुर में पुलिस अधिकारियों पर हमला करने व नस्ली टिप्पणी के आरोपी भारतवंशी को जेल

सिंगापुर। सिंगापुर में भारतीय मूल के एक व्यक्ति को यहां की एक अदालत ने पुलिस अधिकारियों पर हमला, उत्पीड़न और नस्ली टिप्पणी करने समेत पिछले साल अपराध के कई मामलों में 21 महीने और चार सप्ताह की जेल की सजा सुनाई। संजीवन महा लिंगम (43) ने पिछले साल 24 सितंबर को अपने जन्मदिन पर एक सफाई कर्मचारी को घूंसा मारा और पीड़ित के एक बिन सेंटर में सोने को लेकर हुई बहस के दौरान उसका जबड़ा तोड़ दिया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, संजीवन ने कुल पांच आरोपों में अपना जुर्म कबूला। घटना से बारह दिन पहले 12 सितंबर को हांग लिम मार्केट एंड फूड सेंटर में नशे में धुत एक व्यक्ति द्वारा हंगामा मचाने की सूचना पर दो पुलिस अधिकारी वहां पहुंचे। बोतल पकड़े हुए और शराब के नशे में संजीवन ने उससे बात कर रहे एक अधिकारी पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। अधिकारियों ने उसे गिरफ्तार कर लिया और प्लास्टिक का एक स्टूल जब्त किया जिसे उसने कथित तौर पर फेंका था। जब संजीवन पुलिस छावनी परिसर में हवालात में था, तब वह एक बेंच पर बैठ गया।इस दौरान वह अपने हाथ में चप्पल पकड़े हुए था। जैसे ही एक अधिकारी प्लास्टिक के स्टूल के बारे में रिपोर्ट दर्ज कर रही थी, संजीवन ने चप्पल फेंककर अधिकारी के बाएं हाथ पर मार दिया।

कश्मीर को लेकर बिलावल ने भारत के खिलाफ उगला जहर, फिर मिला करारा जवाब

न्यूयार्क। पाकिस्तान के नए विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने संयुक्त राष्ट्र में एक बार फिर से कश्मीर को लेकर भारत के खिलाफ जहर उगला है। बिलावल ने भारत पर कई गंभीर आरोप लगाए। बिलावल ने भारत के खिलाफ नाराजगी जताते हुए कहा कि भारत ने कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म कर बहुत बड़ी गलती की है और संयुक्त राष्ट्र प्रस्तावना का उल्लंघन किया है। भारत ने कश्मीरी लोगों का उत्पीड़न किया है और निर्दोष लोगों के खिलाफ अत्याचार किया है। बिलावल ने कहा कि पांच अगस्त 2019 के भारत सरकार के फैसले

संयुक्त राष्ट्र के कानून का घोर उल्लंघन था। भारत द्वारा कश्मीर को लेकर परिसीमन आयोग की सिफारिशों जैसे कदम सिर्फ कश्मीर के लोगों पर ही नहीं बल्कि संयुक्त राष्ट्र, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, उसकी प्रस्तावना और चौथे जिनेवा कन्वेंशन पर भी हमला है।

भारत ने दिया करारा जवाब

वहीं भारत ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर पर अनुचित टिप्पणी करने के लिए पाकिस्तान को फटकार लगाई, कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में उसके विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी द्वारा की गई टिप्पणी एक हताशा में दी गई प्रतिक्रिया है जिसका उद्देश्य किसी भी मंच और हर विषय का दुरुपयोग करने के लिए झूठे और दुर्भावनापूर्ण प्रचार का प्रचार करना है।

कश्मीर हमारा था, है और रहेगा: भारत

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के काउंसलर राजेश परिहार ने कहा कि जम्मू और कश्मीर और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश हमेशा भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा थे, हैं और रहेंगे। इसमें वे इलाके भी शामिल हैं जो पाकिस्तान के अवैध कब्जे में हैं। परिहार ने कहा कि किसी भी देश की ओर से कोई भी बयानबाजी और दुष्प्रचार इस तथ्य को नकार नहीं सकता।

संकट में पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था, 38 गैर जरूरी लग्जरी वस्तुओं का आयात बंद, रुपया बचाने की कवायद

इस्लामाबाद। श्रीलंका के बाद पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था भी संकट की ओर बढ़ रही है। देश को बड़े संकट से बचाने के लिए शहबाज शरीफ सरकार ने 'आपात आर्थिक योजना' लागू की है। इसके तहत 38 गैर जरूरी व लग्जरी वस्तुओं के आयात पर पाबंदी लगा दी गई है।

शहबाज सरकार ने यह कदम डॉलर के मुकाबले पाकिस्तानी रूपये के मूल्य में आई रिकॉर्ड गिरावट के बीच लिया है। पाकिस्तान का भी विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से कम हो रहा है, इसलिए वह नहीं चाहता है कि देश में गैर जरूरी सामान के आयात पर विदेशी मुद्रा खर्च की जाए।

पीएम शहबाज शरीफ ने ट्वीट कर कहा कि सरकार के इस निर्णय से बेशकीमती विदेशी मुद्रा बचाई जा सकेगी। हम कठोरता बरतेंगे। आर्थिक रूप से सक्षम लोगों को इसमें अगुआई करना चाहिए ताकि देश के वंचितों लोगों

को पूर्ववर्ती पीटीआई सरकार द्वारा उन पर डाला गया यह बोझ न उठाना पड़े।

पाकिस्तान में एक डॉलर 200 रुपये का

पाकिस्तानी रुपया बुधवार को अब तक के सबसे निचले स्तर पर आ गया, क्योंकि देश के इतिहास में पहली बार अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पाकिस्तानी रुपया बुरी तरह लुढ़क गया। पाक विदेशी मुद्रा बाजार में एक डॉलर का दाम 200 पाकिस्तानी रुपये हो गया। यहां यह उल्लेखनीय है कि भारत में डॉलर का दाम 77.50 रुपये के करीब है।

पाकिस्तान की सूचना मंत्री मरियम औरंगजेब ने गुरुवार को इस्लामाबाद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अनावश्यक आयात पर पाबंदी का एलान किया। मरियम ने कहा कि पीएम शरीफ देश की अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए रातदिन जुटे हुए हैं। इसीलिए गैर जरूरी सामान के आयात पर भी रोक लगाई गई है। इन लग्जरी सामान का उपयोग आम जनता नहीं करती है। हमारी सरकार अब निर्यात पर जोर दे रही है।

चीनी नागरिकों को सर्वोच्च सुरक्षा

पाक पीएम शहबाज शरीफ ने कहा है कि उनका देश चीनी नागरिकों को सर्वोच्च सुरक्षा प्रदान कर रहा है। सभी चीनी संस्थानों को भी पूरी सुरक्षा दी जा रही है। पाकिस्तान में चीन की आर्थिक गलियारा परियोजना के तहत बड़ी संख्या में चीनी नागरिक काम कर रहे हैं। गुरुवार को चीन के विदेश सुरक्षा आयुक्त चेंग जियोपिंग ने पीएम शरीफ से मुलाकात की। इसमें पीएम ने उन्हें चीनी नागरिकों को पर्याप्त सुरक्षा का भरोसा दिलाया।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर बोले- भारत की कहानियां दुनियाभर के दर्शकों के दिल दिमाग पर कर रहीं राज

कान । है प्रीत जहां की रीत सदा मैं गीत वहां के गाता हूं...मुकेश के इस हिट गीत के साथ भारत की कहानी कान में पेश करते हुए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा, हमारे किस्से कहानी पूरी दुनिया के दर्शकों के दिल और दिमाग पर राज करते हैं। अगले पांच वर्षों में भारत श्रेष्ठ गुणवत्ता वाला कंटेंट पेश करने वाले दुनिया के सर्वश्रेष्ठ देशों में शुमार होगा। छह हजार साल पुरानी संस्कृति और 1.3 अरब भारतीयों का प्रतिनिधित्व करते हुए ठाकुर ने कहा, 'यह कान फिल्म महोत्सव और

भारत फ्रांस के राजनयिक संबंध स्थापित होने की 75वीं वर्षगांठ का साल है। भारत और फ्रांस के रिश्तों को मजबूती देने में कान फिल्म महोत्सव वर्षों से महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है।' उन्होंने कहा, ÷भारतीय सिनेमा ने वैश्विक स्तर पर ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया है। हमारे किस्से, कहानी, कंटेंट ने दुनियाभर के दर्शकों के दिलों पर राज किया। हमारे यहां इतनी संभावनाएं हैं कि आज दुनिया के कई निर्माता भारत में अपना ओटीटी प्लेटफार्म लाने की पुरजोर कोशिश कर रहे हैं।÷

केंद्रीय मंत्री ने कहा, सरकार भी भारत में सह निर्माण को और सुलभ बनाने के कदम उठा रही है। सरकार ऐसी नीतियां तैयार कर रही है, जिससे मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र को 2025 तक हर साल 53 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित करने में मदद मिलेगी।

रूस ने यूक्रेन में लगाए नई पीढ़ी के हथियार, 1730 बने युद्धबंदी, स्टील प्लांट में अब भी कई फंसे

कीव। मैरियूपोल पर कब्जे के बाद रूस ने यूक्रेन में नई पीढ़ी के शक्तिशाली लेजर हथियारों की तैनाती की है। इसके सहारे वह पश्चिम से यूक्रेन को सप्लाई किए गए ड्रोन को नष्ट करेगा।

उधर, मॉस्को ने युद्ध के 85वें दिन कहा है कि गत 24 घंटों में अजोवस्तल स्टील संयंत्र में 771 यूक्रेनी सैनिकों के साथ अब तक 1,730 सैनिक आत्मसमर्पण कर चुके हैं। फिलहाल प्लांट के भीतर कितने सैनिक हैं उनकी कोई जानकारी नहीं है।

रूस ने जिन शक्तिशाली लेजर हथियारों की तैनाती की बातकही है उसका यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने मजाक उड़ाते हुए कहा, इनका इस्तेमाल नाजी जर्मनी ने विश्वयुद्ध में हार से बचने के लिए किया था। हालांकि रूस ने इन्हें बेहद अहम हथियार

बताया जिसका उसने 2018 में अनावरण किया था। 'जादिरा' नामक इसके पहले प्रोटोटाइप का पहले ही यूक्रेन में इस्तेमाल किया जा रहा है। इस बीच, रेडक्रॉस ने कहा कि उसने यूक्रेन के 'सैकड़ों' युद्धबंदियों का पंजीकरण किया है जो मैरियूपोल स्थित अजोवस्तल इस्पात संयंत्र में फंसे थे। रेडक्रॉस ने कहा, यह अभियान जारी रहा।

लुहांस्क के गवर्नर सेरही हेदई ने बताया कि पूर्वी डोनबास क्षेत्र में रूसी बमबारी में सिविरोदोनेत्स्क शहर में चार लोगों की मौत हो गई है। वहीं रूस की तरफ से, कुर्स्क प्रांत के गवर्नर ने कहा कि यूक्रेन की बमबारी में एक ट्रक चालक की मौत हो गई और कई अन्य नागरिक घायल हो गए। दोनेस्क क्षेत्र 24 घंटे में यूक्रेन की बमबारी में दो आम नागरिकों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए।

अजोव सागर में रिस रहा खतरनाक केमिकल

रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से अजोव सागर में मौजूद समुद्री जीवन पर भी संकट आ गया है। असल में मैरियूपोल स्टील प्लांट पर रूसी बमबारी की वजह से खतरनाक केमिकल का रिसाव हो रहा है। मैरियूपोल सिटी काउंसिल का कहना है कि यह रसायन अजोव सागर में मिलकर पूरे समुद्री जीवन को खत्म कर सकता है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि प्लांट से कौनसा रसायन समुद्र में मिला है।

अमेरिकी सीनेट ने यूक्रेन को 40 अरब डॉलर की मदद देने संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी दी

वाशिंगटन। अमेरिकी संसद ने यूक्रेन और अमेरिका के अन्य सहयोगी देशों को 40 अरब डॉलर की सैन्य, आर्थिक व खाद्य सहायता देने संबंधी प्रस्ताव को बृहस्पतिवार को मंजूरी दे दी। इसके साथ ही यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बीच कीव को सबसे बड़ी मदद देने की प्रतिबद्धता पर अमेरिकी संसद के दोनों सदनों की मुहर लग गई।

अमेरिकी संसद में यह प्रस्ताव 11 के मुकाबले 86 मतों से पारित हो गया। डेमोक्रेटिक पार्टी के सभी, जबकि रिपब्लिकन पार्टी के ज्यादातर सदस्यों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन में जहां संसद में दोनों पार्टियों के बीच मतभेद के चलते कई प्रस्ताव गिर गए, वहीं बृहस्पतिवार को यूक्रेन की मदद संबंधी प्रस्ताव का भारी अंतर से पारित होना इस बात का संकेत था कि डेमोक्रेट और रिपब्लिकन सांसद रूसी आक्रमण से निपटने में कीव को मदद भेजने के मामले में काफी हद तक एकजुट हैं। बाइडन ने एक बयान जारी कर कहा, 'मैं दुनिया को एक स्पष्ट द्विदलीय संदेश भेजने की खातिर कांग्रेस की सराहना करता हूं कि अमेरिकी अवाम यूक्रेन के बहादुर लोगों के साथ खड़ी है, क्योंकि वे अपने लोकतंत्र और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए लड़ रहे हैं।'अमेरिकी कांग्रेस के चुनाव में छह महीने से भी कम समय बचा है।

माउंट एवरेस्ट पर विश्व का सबसे ऊंचा मौसम केंद्र स्थापित, नेपाल के जल एवं मौसम विज्ञान विभाग के बीच एमओयू

काठमांडू। विभिन्न मौसमी घटनाओं का अध्ययन करने के लिए माउंट एवरेस्ट पर विश्व के सबसे ऊंचे मौसम केंद्र की स्थापना की गई है। सौर ऊर्जा से चलने वाला ये मौसम केंद्र तापमान, हवा की गति और दिशा,

स्थितियों के रियल टाइम जानकारी के लिए नेटजियो द्वारा पांच स्वचालित मौसम केंद्रों को शुरू करने के लिए एक एमओयू किया है। इसके तहत नेशनल मौसम विभाग और नेशनल जियोग्राफिक ने पर्वतों की जियोग्राफिक की टीम इन केंद्रों का 2025 तक संचालन करेगी। जिसके बाद वर्ष 2026 में तकनीक को नेपाल सरकार को हस्तांतरित कर दिया जाएगा।

जल विज्ञान एवं मौसम विभाग के निदेशक कमलराम जोशी ने बताया, जैसा अभी तक होता आया है, विभाग ने नेट-जियो की टीम से अनुरोध किया है कि इन केंद्रों का डाटा नेपाल के अधिकारियों को सीधे ट्रांसफर किया जाए, न कि नेट-जियो के सर्वर के जरिये भेजा जाए।

नेपाली अखबार हिमालयन टाइम्स के अनुसार, अमेरिका की अप्लेशियन यूनिवर्सिटी के जलवायु विज्ञानी बेकर पेरी की अगुवाई में टीम ने माउंट एवरेट पर्वतीय क्षेत्र में करीब एक माह का समय बिताया और सबसे ऊंचे मौसम केंद्र को स्थापित करके नेट-जियो की टीम वापस आ गई है। इसी दौरान टीम ने कई अन्य केंद्रों की भी मरम्मत की।

रिपोर्ट के अनुसार एक चीनी अभियान दल ने भी एवरेस्ट पर्वत शृंखला के उत्तर में 8,800 मीटर की ऊंचाई पर स्वचालित मौसम अध्ययन केंद्र स्थापित किया था। चीन की एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार चीन ने 5200 से 8800 मीटर की ऊंचाई के बीच आठ मौसम अध्ययन केंद्र स्थापित किए हैं।

उत्तर कोरिया में कोविड-19 के संदिग्ध लक्षणों वाले 2.62 लाख नए मामले, मरने वालों की संख्या 63 हुई

सियोल/बर्लिन/बीजिंग। उत्तर कोरिया में कोविड-19 के संदिग्ध लक्षणों वाले 2,62,270 नए मामले सामने आए हैं। देश में संक्रमण के करीब 20 लाख संदिग्ध मामले अब तक सामने आ चुके हैं। जबकि पिछले दो साल से उत्तर कोरिया देश में कोरोना के किसी भी मामले के प्रसार से इनकार करता रहा है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, मौजूदा बुखार के मामलों में अधिकतर लोग कोरोना संक्रमित हो सकते हैं।

देश में जांच की पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण इसकी पुष्टि नहीं हो पा रही है। उत्तर कोरिया के वायरस रोधी मुख्यालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में एक और की मौत के साथ देश में मृतक संख्या बढ़कर 63 हो गई है। जबकि देश में अप्रैल के अंत से 19.8 लाख लोगों को बुखार हो चुका है, जिनमें से कम से कम 740,160 लोग अब भी पृथक-

वास में रह रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, अब तक सामने आए मामलों में से अधिकांश के 'ओमिक्रॉन' स्वरूप से संक्रमित होने की आशंका है।

चीन में कोरोना महामारी को कम करने के लिए शून्य कोविड नीति के तहत सख्त प्रतिबंधों के कारण चीनी अर्थव्यवस्था दबाव में है। इस पर यूक्रेन युद्ध का भी असर है। सिंगापुर पोस्ट के मुताबिक चीन के निर्यात ने अप्रैल 2022 में वार्षिक आधार पर 3.9 फीसदी की वृद्धि दर्ज की जो जुलाई 2020 के बाद सबसे कम है। चीन का आर्थिक विकास भी 2021 के आधे से कम रहने का अनुमान जताया गया है। जबकि लॉकडाउन से अर्थव्यवस्था चौपट है।

अमेरिकी स्वास्थ्य मंत्री जेवियर बसेरा कोरोना संक्रमित हो गए हैं। स्वास्थ्य एवं मानव सेवा (एचएचएस) मंत्रालय की प्रवक्ता सारा लवहेम ने कहा कि बर्लिन यात्रा के दौरान बेसेरा बुधवार को संक्रमित पाए गए। बेसेरा का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है और उनमें संक्रमण के मामूली लक्षण हैं।

यासीन मलिक को दोषी करार देते ही चिढ़ा पाकिस्तान, जताई आपत्ति

इस्लामाबाद। जम्मू कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों के लिए आर्थिक मदद मुहैया कराने के मामले में कश्मीरी अलगाववादी नेता यासीन मलिक को अदालत द्वारा दोषी करार दिये जाते ही पाकिस्तान चिढ़ गया है। पाकिस्तान ने न सिर्फ इस घटनाक्रम की निंदा की, बल्कि पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इस्लामाबाद स्थित भारतीय दूतावास के प्रभारी को तलब कर अपनी आपत्ति लिखित रूप से जताई है।

दिल्ली की एक अदालत ने हाल ही में कश्मीर के अलगाववादी नेता यासीन मलिक को जम्मू कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का दोषी करार दिया है। यासीन मलिक पर गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम कानून (यूएपीए) के तहत भी आरोप लगाए गए हैं। दोषी करार दिए जाने के बाद अब 25 मई को यासीन मलिक की सजा पर बहस होगी। यासीन को सजा सुनाई जाती, उससे पहले ही पाकिस्तान इस मसले को लेकर परेशान हो गया है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि हुर्रियत के नेता यासीन मलिक को वर्ष 2017 में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा दर्ज एक मनगढ़ंत मामले में दोषी करार दिया गया है। इसके बाद पाकिस्तान ने इस्लामाबाद स्थित भारतीय दूतावास के प्रभारी उच्चायुक्त को तलब किया। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने दूतावास अधिकारी को आपत्तियों से जुड़ा एक दस्तावेज सौंपा, जिसमें यासीन मलिक के खिलाफ 'मनगढ़ंत आरोप' लगाए जाने की कड़ी निंदा की गई।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम एवम् योग सत्संग समिति द्वारा
विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज
से मुद्रित एवम् क्रियायोग आश्रम अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
211019 से प्रकाशित।
Title UPHIN 29506
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बंधित विवादों का न्याय क्षेत्र कौशाम्बी, प्रयागराज होगा।